



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 235]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 2, 2017/भाद्र 11, 1939

No. 235]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 2, 2017/BHADRA 11, 1939

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटन-रोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 सितंबर, 2017

अंतिम जांच परिणाम

विषय: यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कतिपय रबड़ रसायनों यथा टीडीक्यू अथवा पीएक्स-13 तथा चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एम ओ आर एवं एम बी टी एस के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच।

फा. संख्या 15/5/2016-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा-संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटन-रोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण हेतु) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियम भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि

- जबकि उपर्युक्त अधिनियम एवं नियमावली को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे यहां बाद में प्राधिकारी कहा गया है), ने दिनांक 17 अगस्त, 2004 की अधिसूचना सं.14/13/2004-डी जी ए डी द्वारा कतिपय रबड़ रसायनों यथा चीनी ताइपेई और यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पीएक्स 13 तथा टीडीक्यू चीन जन.गण., यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमरीका के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एमओआर के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच परिणाम 08 अप्रैल, 2005 को अधिसूचित किए गए थे। प्राधिकारी ने संबद्ध आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हुए 16 अगस्त, 2005 को अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित किए। संबद्ध आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क राजस्व विभाग द्वारा दिनांक 20 अक्टूबर, 2005 को अधिसूचना सं. 94/2005-सीमा शुल्क द्वारा लगाए गए थे।

2. तत्पश्चात् प्राधिकारी ने दिनांक 12 मई, 2010 की अधिसूचना सं. 15/14/2009-डीजीएडी द्वारा निर्णायक समीक्षा जांच शुरू की। प्राधिकारी ने 11 मई, 2011 की अधिसूचना सं. 15/3/2010-डीजीएडी द्वारा निर्णायक समीक्षा जांच शुरू की। प्राधिकारी ने 11 मई, 2011 की अधिसूचना सं. 15/3/2010-डीजीएडी द्वारा कतिपय रबड़ रसायनों, यथा-यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पीएक्स-13 और टीडीक्यू और चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एमओआर पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना जारी रखने की सिफारिश की।
3. वित्त मंत्रालय ने दिनांक 28 जुलाई, 2011 की अधिसूचना सं. 67/2011-सीमाशुल्क द्वारा कतिपय रबड़ रसायनों तथा यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पीएक्स 13 तथा टीडीक्यू और चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एमओआर के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क बढ़ाया।
4. चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कतिपय रबड़ रसायनों एम बी टी, एम बी टी एस, सी बी एस और पी बी आई 2005 की अधिसूचना सं. 14/09/2004-डीजीएडी द्वारा अंतिम जांच परिणाम के अनुसरण में वित्त मंत्रालय द्वारा 27 सितंबर, 2005 की अधिसूचना सं. 87/2005-सीमा शुल्क द्वारा पृथक रूप से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।
5. तत्पश्चात्, प्राधिकारी ने दिनांक 20 जुलाई, 2017 की अधिसूचना सं. 15/9/2010-डीजीएडी द्वारा निर्णायक समीक्षा जांच शुरू की। प्राधिकारी ने 25 जुलाई, 2011 की अधिसूचना सं. 15/9/2010-डीजीएडी द्वारा चीन जन. गण. से एमबीटीएस के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना जारी रखा और वित्त मंत्रालय ने चीन जन. गण. से एमबीटीएस के आयातों पर 20 अक्टूबर, 2011 की अधिसूचना सं. 98/2011-सीमा शुल्क द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क बढ़ाया।
6. जबकि, नियमावली के नियम 23 के साथ पठित सीमा शुल्क अधिनियम, 1995 की धारा 9क (ड) के अनुसार, उपर्युक्त अधिनियम के तहत लगाया गया पाटनरोधी शुल्क, यदि पहले न हटाया गया हो, उस शुल्क के लगाए जाने की तारीख से पांच वर्षों की समाप्ति पर अप्रभारी हो जाएगा, जब तक कि किसी समीक्षा में शुल्क की समाप्ति से शुरू न किया गया हो, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि शुल्क बंद करने से पाटन एवं क्षति जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना बनेगी। उपर्युक्त के अनुसार, उपायों की समाप्ति की तारीख से पूर्व एक उपयुक्त समयावधि के भीतर प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से किए गए विधिवत पर्याप्त अनुरोध के आधार पर समीक्षा करनी होती है। कि क्या शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं क्षति जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना बनेगी।
7. और जबकि अधिनियम और नियमावली के अनुसार उपर्युक्त रबड़ रसायनों के प्रमुख घरेलू उत्पादक अर्थात् मै. एनओसीआईएल लि. द्वारा याचिका दायर की गई है जिसमें उपर्युक्त देशों/क्षेत्रों के पूल के अथवा वहां से निर्यातित उपर्युक्त सामानों का पाटन जारी रहने अथवा बार-बार होने तथा परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति होने का आरोप लगाया गया है और यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पीएक्स-13 और टीडीक्यू तथा चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एमओआर एवं एमबीटीएस के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क जारी रखने के लिए संयुक्त निर्णायक समीक्षा जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया है।
8. और जबकि, निर्णायक समीक्षा जांच शुरू करने का औचित्य बनाने के लिए आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने दिनांक 8 जुलाई, 2016 की अधिसूचना सं. 15/5/2016-डीजीएडी द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की। यूरोपीय संघ सीपीएक्स-13 और टीडीक्यू तथा चीन जन. गण. से एमओआर के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की वैधता वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 27 जुलाई, 2017 तक बढ़ाई गई थी। इसके अतिरिक्त वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 8 अगस्त, 2016 की अधिसूचना सं. 40/2016- सीमा शुल्क (एडीडी) द्वारा चीन जन. गण. से एमबीटीएस के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की वैधता 19 अक्टूबर, 2017 तक बढ़ाई गई थी।
9. वर्तमान समीक्षा के क्षेत्र में यूरोपीय संघ और चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित उपर्युक्त सामानों के आयातों से संबंधित मूल जांच के सभी पहलू शामिल हैं।

ख. सामान्य प्रक्रिया

10. प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त जांच की शुरुआत की सार्वजनिक सूचना जारी किए जाने के बाद, इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:

- i. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने की प्रक्रिया से पूर्व पाटनरोधी आवेदन पत्र की प्राप्ति के संबंध में भारत में संबद्ध देशों के दूतावास/प्रतिनिधियों को सूचित किया।
- ii. प्राधिकारी ने जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भारत में संबद्ध देशों के दूतावास, संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों, भारत में ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं तथा आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार घरेलू उद्योग को भेजी और उनसे अनुरोध किया कि वे जांच की शुरुआत की अधिसूचना के 40 दिन के भीतर अपने ज्ञात विचार लिखित रूप में दें।
- iii. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादों/ निर्यातकों तथा भारत में संबद्ध देशों के दूतावास को आवेदन पत्र के अगोपनीय रूपांतर की प्रति उपलब्ध कराई।
- iv. भारत के संबद्ध देशों के दूतावासों से यह भी अनुरोध किया गया था कि वे चीन और यूरोपीय संघ के निर्यातकों/ उत्पादों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। उत्पादों/निर्यातकों को भेजी गई प्रश्नावली एवं पत्र की प्रति चीन जन. गण. और यूरोपीय संघ के ज्ञात उत्पादों/निर्यातकों के नाम और पत्रों सहित उन्हें भी भेजी गई।
- v. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों को संगत सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातक प्रश्नावली तथा बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली भेजी:
 - क. शानडोंग शानेक्शियन कैमिकल कम्पनी लि., चीन पीआर
 - ख. जियानग्सू सिनोर्गकैम टैक्नोलॉजी कम्पनी लि., चीन पीआर
 - ग. शानडोंग यांगुह्यूताई कैमिकल कम्पनी लि., चीन पीआर
 - घ. चांगडेडिंगयूआन कैमिकल इंडस्ट्रियल लि., चीन पीआर
 - ङ. डोंगरिंग बो चेन कैमिकल कम्पनी लि., चीन पीआर
 - च. जिनान रनक्वान कैमिकल कम्पनी लि., चीन पीआर
 - छ. नानजिंग कैमिकल प्लांट, चीन पीआर
 - ज. झेजियांन योंगजिया कैमिकल प्लांट, चीन पीआर
 - झ. हेनन कार्डलून कैमिकल कम्पनी लि., चीन पीआर
 - ञ. रोंगचेंग कैमिकल जनरल फैक्ट्री कम्पनी लि., चीन पीआर
 - ट. डेलियन रिकोन कैमिकल कम्पनी लि., चीन पीआर
 - ठ. झेनजियांग नं. 2 कैमिकल फैक्ट्री, चीन पीआर
 - ड. हेबेइहौफेंग कैमिकल ग्रुप
 - ढ. शेनझेन ह्यूरेन इंडस्ट्रियल कम्पनी, चीन पीआर
 - ण. यिक्सिंगडोंगफांगफिसे कैमिकल चीन पीआर
 - त. झेजिना यूकिंग अल्ट्राफाइन पाउडर्स एंड कैमिकल कम्पनी लि., चीन पीआर
 - थ. फ्लेक्सिस एनवी, बेल्जियम
 - द. लेंक्सेस एनवी, जर्मनी
 - ध. डूसलो, ए.एस., स्लोवाक रिपब्लिक
 - न. कैमतूरा इटली एस.आर.एल

- vi. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में टीडीक्यू, एमओआर एवं एमबीटीएस के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा जारी प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया। केवल पीएक्स-13 के एक निर्यातक अर्थात् सोलुटिया यूरोप एसपीआरएबी/बीबीबीए, बेल्जियम ने प्रश्नावली का उत्तर दिया।
- vii. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना की मांग करते हुए भारत में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/ प्रयोक्ताओं को आयातक प्रश्नावली भेजी:
- क. सीएट लिमिटेड, मुम्बई
 - ख. जेके टायर एंड इंडस्ट्रीस लि. कोलकाता
 - ग. अपोलो टायर्स लिमिटेड, कोच्चि
 - घ. बिड़ला टायर्स, कोलकाता
 - ङ. एमआरएफ लिमिटेड, चेन्नई
 - च. मेट्रो टायर्स लि., नोएडा
 - छ. पोडर टायर्स लि., लुधियाना
 - ज. रेलसन इंड. लि., नई दिल्ली
 - झ. द रबड़ प्रोडक्ट्स लिमिटेड, थाणे
- viii. प्राधिकारी द्वारा जारी प्रश्नावली के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों ने आयातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं:
- क. जेके टायर एंड इंडस्ट्रीस लि.
 - ख. सीएट लिमिटेड
 - ग. अपोलो टायर्स लिमिटेड
- ix. इसके अतिरिक्त, निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने जांच की शुरुआत के संबंध में उत्तर दायर किए हैं:
- क. ऑटोमोटिवरे टायर्स मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन (एटीएमए)
 - ख. द यूरोपीयन कमिशन
 - ग. जनरल क्यूमिका एस.ए.यू., स्पैन
- x. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराए;
- xi. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीपीसीआई एंड एस) से अनुरोध किया गया था कि वे पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध सामानों के आयात के लेन-देन वार ब्यौरे तथा जांचों की अवधि दें, जो प्राधिकारी को प्राप्त हो गई थी। प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा के परिकलन के लिए डीपीसीआई एंड एस के आंकड़ों पर विश्वास किया और लेन-देनों की उचित जांच के बाद विश्लेषण अपेक्षित माना। लेन-देनवार आयात आंकड़े सार्वजनिक फाइल में रखे गए थे।
- xii. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध सामानों के निर्माण और बिक्री लागत तथा इष्टतम उत्पादन लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत (एनआईपी) निकाली गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xiii. प्राधिकारी ने नियम 6(6) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों को संगत सूचना मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए दिनांक 4 मई, 2017 को एक मौखिक सुनवाई आयोजित की, जिसमें घरेलू उद्योग के प्रतिनिधियों, उत्तरदायी निर्यातक, आयातकों एवं आयातकों की एसोसिएशन ने भाग लिया। जिन प्रतिनिधियों ने मौखिक सुनवाई के

समय मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत किए थे उनसे अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करें। हितबद्ध पक्षकारों को विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों के प्रति अपना अनुरोध प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

- xiv. घरेलू उद्योग के आंकड़ों का स्थल सत्यापन आवश्यक समझी जाने वाली सीमा तक किया गया था। आवश्यक संशोधन, जहां भी लागू था, के साथ इस सत्यापित सूचना पर ही इस जांच परिणाम के प्रयोजन के लिए विश्वास किया गया है।
- xv. वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन के लिए इस जांच की अवधि अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016 (12 माह) है। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में जांच में अप्रैल, 2012 से मार्च, 2013, अप्रैल, 2013 से मार्च, 2014, अप्रैल, 2014 से मार्च, 2015 और जांच की अवधि शामिल है।
- xvi. इस जांच की अवधि में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों, जहां भी संगत पाए गए हैं, को प्राधिकारी द्वारा इस दस्तावेज में हल कर दिया गया है।
- xvii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने, जहां भी आवश्यक थे, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और वह सूचना गोपनीय मानी गई है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं बताई गई है। जहां भी संभव होता है, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया जाता है कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना के पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर दें।
- xviii. जब भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच के दौरान पहुंच से इंकार किया है या अन्यथा आवश्यक सूचना नहीं दी है या जांच में काफी अड़चन डाली है तो प्राधिकारी ने उन पक्षकारों को असहयोगी माना है तथा उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम रिकार्ड किए हैं।
- xix. प्राधिकारी ने नियमावली के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों के लिए 16 जून, 2017 को मामले के सभी अनिवार्य तथ्यों से युक्त एक प्रकटन विवरण जारी किया। हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियां, जहां तक वे संगत हैं, उपयुक्त स्थानों पर इस जांच परिणाम में हल कर दी गई हैं।
- xx. इस दस्तावेज में ‘***’ हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना है और प्राधिकारी द्वारा उसे नियमानुसार माना गया है।
- xxi. प्राधिकारी द्वारा जांच की अवधि के लिए विनिमय दर 65.91 रु. = 1 अम. डॉलर ली गई है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

ग.1 घरेलू उद्योग के विचार

11. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- i. वर्तमान समीक्षा जांच दूसरी निर्णायक जांच है। मूल जांच में तथा पिछली एवं वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में शामिल उत्पाद कतिपय रबड़ यथा टीडीक्यू, पीएक्स-13, एमओआर तथा एमबीटीएस हैं। वर्तमान निर्णायक समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद वही हैं जिन्हें निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा मूल जांच में माना गया है। उत्पाद में विस्तृत रासायनिक नाम निम्नलिखित हैं :

क. पीएक्स 13: एन-1, 3-डिमिथाइल बुटील-एन'फेनिलपैराफिनाइलेनिडायामिन (6 पीपीडी)। पीएक्स- 13 का उत्पादन एक आदर्श धात्विक उत्प्रेरक की मौजूदगी में सामान्यतः उच्च दाब पर ऑटोक्लेव में 4-नाइट्रोडिफेनिलामिन और मिथाइलि सोबुटिल केटोन के हाइड्रोजनीकरण के द्वारा किया जाता है। परिणामी अभिक्रिया बहुल, जिसमें अभिक्रिया न हुए केटोन, उप उत्पाद आदि होते हैं, को उत्प्रेरक को हटाने के लिए छाना जाता है, जिसे फिर रिसाइकल किया जाता है। छाने गए पदार्थ को निम्न बायलर को हटाने के लिए डिस्टिल किया जाता है और फिर परिष्कृत उत्पाद देने के लिए ढाला जाता है। अभिक्रियाहीन केटोन को वापस लेने के लिए निम्न बायलरों को पुनः डिस्टिल किया जाता है। उत्प्रेरक को तब तक रिसाइकल किया जाता है जब तक क्रिया कम न हो जाए। फिर उसे प्रणाली से हटा दिया जाता है।

- ख. टीडीक्यू: पोलीमराइज्ड 2, 2, 4-ट्रिमिथाइल 1-1, 2- डि-हाइड्रोकिनोलीन। टीडीक्यू एसीटोन और एनीलिन को एक एसिड उत्प्रेरक की मौजूदगी में उच्च तापमान पर संघनित किया जाता है। परिणामी मास को अपेक्षित डिग्री तक पोलीमराइज्ड किया जाता है "अतिरिक्त एसिड को कास्टिक घोल से निष्क्रिय किया जाता है और पानी से धोया जाता है। निम्न बायलर प्राप्त करने के लिए फिर उस सामग्री को निर्वात के तहत उच्च तापमान में स्ट्रिप किया जाता है। उस उत्पाद को फिर पेस्टिलाइज किया जाता है और थैलों में रखा जाता है।
- ग. एमओआर: एन-ऑक्सीडाइथीलीन-2- बेंजोथायाजोल सल्फानेमिड (2-मार्फूलिनोथियोबेनोथायाजोल (एमबीएस)। एमओआर मर्काप्टोबेंजोथायाजोलिडिसल्फाइड की जाती है। यह अभिक्रिया इसोप्रोपिल अल्कोहल की मौजूदगी में की जाती है। उत्पाद को छाना जाता है, धोया जाता है और पैलेट बनाने के लिए बाहर निकाला जाता है जिन्हें सुखाया जाता है और फिर पैक किया जाता है। इसोप्रोपिल अल्कोहल को निकालकर रिसाइकल किया जाता है।
- घ. एमबीटीएस: डिबेंजोथायाजोल डिसल्फाइड। इसका विनिर्माण उपयुक्त आक्सीडाइजिंग तत्वों का प्रयोग कर एमबीटी के सोडियम साल्ट के आक्सीडेशन द्वारा किया जाता है। इस उत्पाद का दूसरा व्यापारिक नाम एक्सीलरेटर डीएम है।
- ii. जांच को एक उत्पाद तक सीमित करने का कोई प्रतिबंध नहीं है जैसा कि प्राधिकारी ने मूल जांच के अंतिम जांच परिणाम में उल्लिखित किया है।
 - iii. पीएक्स-13, टीडीक्यू और एमओआर का प्रयोग विभिन्न रबड़ उत्पादों के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त अन्य सिंथेटिक रबड़ आधारित सम्मिश्रणों तथा प्राकृतिक रबड़, सिंथेटिक रबड़ (एसबीआर, बुटाडीन रबड़, नाइट्रिक रबड़ और कार्बोक्सिलेटेड रबड़) का शोधन करने में व्यापक रूप से किया जाता है। तथापि, एमबीटीएस का प्रयोग आटोमेटिव टायर एवं ट्यूब उद्योग में तथा अन्य के साथ-साथ कन्वेयर बेल्टिंग और फुटवियर उद्योग में भी किया जाता है।
 - iv. संबद्ध समानों के लिए कोई विशिष्ट आईटीसीएचएस वर्गीकरण नहीं है और विचाराधीन उत्पाद सीमा शुल्क अधिनियम और आईटीसीएसएस वर्गीकरण के सीमा-शुल्क वर्गीकरण शीर्षों के विभिन्न उप शीर्षों 38.12.10, 30.12.20 और 38.12.30 तथा 29.34.20 और 29.25.20 (छह अंकों के स्तर पर) के तहत वर्गीकृत हैं। तथापि इन उत्पादों को संबंधित व्यापारिक नामों तथा ऊपर दिए गए रासायनिक विवरणों से जाना जाता है। अतः ऊपर दर्शाए गए सीमा-शुल्क एवं आईटीसी एवं एस वर्गीकरण केवल संकेतात्मक हैं और वे किसी भी तरह वर्तमान जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं हैं।
 - v. लगाई गई प्रौद्योगिकी और घरेलू एवं आयातित उत्पाद की गुणवत्ता में कोई अंतर नहीं है। वर्तमान जांच एक समीक्षा जांच है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के मुद्दे की जांच की है, जिस पर विश्वास किया गया है।
 - vi. घरेलू उद्योग और संबद्ध देश के उत्पादकों द्वारा लगाई गई प्रौद्योगिकी और संबंधित संबद्ध देशों से निर्यातित रबड़ रसायनों में ज्यादा अंतर नहीं है तथा वे तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों का प्रयोग परस्पर-परिवर्तनीय रूप से कर रहे हैं।
 - vii. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित प्रत्येक संबद्ध रबड़ रसायन संबंधित संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध प्रत्येक रबड़ रसायन से भौतिक एवं रसायन विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत, वितरण एवं विपणन और सामानों के प्रशुल्क वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संदर्भ में अलग-अलग तुलनीय है।
 - viii. याचिकाकर्ता कम्पनी द्वारा उत्पादित प्रत्येक संबद्ध रबड़ रसायन पाटनरोधी नियमावली के अभिप्राय संबंधित संबद्ध देशों से आयातित प्रत्येक रबड़ रसायन की समान वस्तु है।
 - ix. वर्तमान जांच एक समीक्षा जांच है निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के मुद्दे की जांच की है जिस पर विश्वास किया गया है।

ग. 2. हितबद्ध पक्षकारों के विचार

12. किसी भी उत्पादक/निर्यातक/आयातक/अन्य हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई अनुरोध नहीं किए हैं।

ग. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच

13. जिन उत्पादों पर शुल्क लागू है वे रबड़ उत्पादों के विनिर्माण में प्रयुक्त विचार विशिष्ट प्रकार के रबड़ रसायन हैं अर्थात् पीएक्स-13, टीडीक्यू, एमओआर एवं एमबीटीएस। इस समीक्षा में इन चार विशिष्ट रबड़ रसायनों को ही शामिल किया गया है और यहां नीचे उन्हें संबद्ध समान कहा गया है।
14. वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच होने के नाते तथा प्राधिकारी द्वारा पहले सिफारिश किया गया पाटनरोधी शुल्क संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयात पर लागू होने के नाते प्राधिकारी मानते हैं कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र वही रहता है जो मूल एवं बाद की समीक्षा जांचों में है। पूर्व की जांचों में परिभाषित विचाराधीन उत्पाद निम्नलिखित है।
 - एमओआर: एन-ओक्सीडिथाइलीन-2-बेंजोथायाजोल सल्फेनामाइड (2- मोरफुलिनोथियोबेनोथायाजोल) (एमबीएस)। एमओआर मर्काप्टोबेंजोथायाजोलडिसल्फाइड की मोर्फोलिन और सोडियम हाइपोक्लोराइड से अभिक्रिया की जाती है। यह अभिक्रिया आइसोप्रोपिल की मौजूदगी में की जाती है। उत्पाद को छाना जाता है, धोया जाता है और फिर पेलेट रूप में निकाला जाता है जिन्हें सुखाया जाता है और फिर पैक किया जाता है। आइसोप्रोपिल अल्कोहल निकाल दिया जाता है और फिर रिसाइकिल किया जाता है।
 - पीएक्स 13: एन-1, 3-डिमेथिल बुटील-एन'फेनीलपराफीनाइलेनेडायामीन (6 पीपीडी)। पीएक्स- 13 का उत्पादन एक आदर्श धात्विक उत्प्रेरक की मौजूदगी में आदर्श रूप से उच्च तापमान पर ऑटोक्लेव में 4- नाइट्रोडिफेनालेमीन और मीथाइल आइसोबुटिल केटोन के मिश्रण के हाइड्रोजनीकरण के द्वारा किया जाता है। परिणामी अभिक्रिया संचयन जिसमें अभिक्रियाहीन केटोन, सह उत्पाद आदि होते हैं को उत्प्रेरक को हटाने के लिए छाना जाता है जिसे फिर रिसाइकिल किया जाता है। छाने गए पदार्थ को निम्न बायलर को समाप्त करने के लिए डिस्टिल किया जाता है और फिर परिष्कृत उत्पाद देने के लिए लिया जाता है। निम्न बायलर को अभिक्रियाहीन केटोन लेने के लिए पुनः डिस्टिल किया जाता है। उत्प्रेरक को तब तक रिसाइकिल किया जाता है जब तक क्रिया कम न हो। फिर उसे प्रणाली से हटा दिया जाता है।
 - टीडीक्यू: पोलिमेराइज्ड 2, 2, 4-ट्रिमिथाइल 1-1, 2 डाइ-हाइड्रोक्सीनोलिन। टीडीक्यू आइसीटोन और एनिलीन को एसिड उत्प्रेरक की मौजूदगी में संघनित किया जाता है। परिणामी मास को फिर अपेक्षित डिग्री तक पोलिमेराइज्ड किया जाता है "अतिरिक्त एसिड को कास्टिक घोल के साथ निष्क्रिय किया जाता है और पानी से धोया जाता है। यह सामग्री फिर निम्न बायलर प्राप्त करने के लिए निर्वात के तहत उच्च तापमान में स्ट्रिप की जाती है इस उत्पाद को फिर पेस्टिलाइज्ड किया जाता है और थैलों में रख दिया जाता है। इन रबड़ रसायनों को व्यापक प्रयोग प्राकृतिक रबड़, सिंथेटिक रबड़ (एसबीआर बूटाडीन रबड़, नाइट्राइल रबड़, कार्बोक्सीलेटिड रबड़) के शोधन में तथा विभिन्न रबड़ उत्पादों के विनिर्माण में प्रयुक्त अन्य सिंथेटिक रबड़ आधारित संमिश्रणों में किया जाता है।
 - एमबीटीएस: डाइबेंजोथायाजोलडिसल्फाइड जिसे एक्सीलेरेटर डीएम के रूप में भी जाना जाता है। एमबीटीएस का विनिर्माण उपयुक्त आक्सीडाइजीन कारकों का प्रयोग करके एमबीटी के सोडियम साल्ट के आक्सीडेसन द्वारा किया जाता है। एमबीटीएस का प्रयोग विभिन्न रबड़ उत्पादों के विनिर्माण में व्यापक रूप से किया जाता है। यह एक एक्सीलीरेटर है और इसका प्रयोग आटोमोटिव टायरों, कन्वेयर बेल्टों के विनिर्माण और फुटवेयर उद्योग में भी किया जाता है।
15. रिकार्ड में सूचना पर विचार करने के बाद प्राधिकारी मानते हैं कि संबद्ध देश से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबंधित उत्पाद समानों की भौतिक एवं रसायन विशेषताओं, प्रकार्यों एवं प्रयोग उत्पाद विनिर्देशनों, वितरण एवं विपणन तथा प्रशुल्क वर्गीकरण के संदर्भ में विचाराधीन उत्पाद से तुलनीय है।
16. इस प्रकार प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद पाटनरोधी नियमावली के अनुसार विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु है।
17. प्राधिकारी ने अपनी मूल जांच में नोट किया कि संबद्ध समानों के लिए कोई अलग से आईटीएस एचएस वर्गीकरण नहीं है तथा विचाराधीन उत्पाद सीमा-शुल्क अधिनियम और आईटीएस एचएस वर्गीकरण के सीमा शुल्क

वर्गीकरणों शीर्षों के विभिन्न उप-शीर्षों 38.12.10, 38.12.20 और 38.12.30 तथा 29.34.20 और 29.25.20 (6 अंक के स्तर पर) के तहत वर्गीकृत हैं। अतः ऊपर दर्शाए गए सीमा शुल्क एवं आईटीएस एचएस वर्गीकरण केवल संकेतात्मक हैं और किसी भी तरह वर्तमान जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं हैं।

घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र एवं आधार

घ.1. घरेलू उद्योग के विचार

18. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. यह याचिका विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उत्पादक के रूप में मैसर्स एनओसीआईएल लिमिटेड मुम्बई द्वारा दायर की गई थी। याचिकाकर्ता के अलावा भारत में संबद्ध रबड़ रसायनों के निम्नलिखित उत्पादक हैं:
 - पीएक्स-13: पीएमसी रबड़ कैमिकल, लेंक्सेस इंडिया
 - टीडीक्यू: लेंक्सेस इंडिया, मरकेम लिमिटेड
 - एमओआर: पीएमसी रबड़ कैमिकल, मरकेम लिमिटेड
 - एमबीटीएस: मरकेम लिमिटेड
- ii. याचिकाकर्ता का भारतीय उत्पादन में बहुत बड़ा अनुपात है उसने न तो संबद्ध रबड़ रसायनों का आयात किया है और न ही वह संबद्ध देशों में संबद्ध उत्पाद के किसी आयातक से अथवा भारत में किसी आयातक से संबंध रखता है।
- iii. अन्य भारतीय उत्पादकों के उत्पादन के संबंध में कोई प्रकाशित सूचना उपलब्ध नहीं है याचिकाकर्ता ने अन्य भारतीय उत्पादकों के उत्पादन का निर्धारण उनकी कच्ची सामग्री, घरेलू बिक्री के आयातों और अलग-अलग कम्पनियों द्वारा किए गए निर्यातों के आधार पर किया है।

घ. 2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

19. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों के संबंध निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. याचिकाकर्ता द्वारा अन्य भारतीय उत्पादकों द्वारा पीएक्स-13 के उत्पादन के संबंध में और/अथवा ऐसे मूल्यांकन के सिद्धांत के संबंध में कोई सूचना नहीं दी है।
- ii. विभिन्न उत्पादकों के उत्पादन स्तरों की कच्ची सामग्री की खपत की मात्रा से नहीं नापा जा सकता क्योंकि पीएक्स-13 के विभिन्न भारतीय उत्पादकों की भिन्न-भिन्न उत्पादन प्रक्रियाएं और दक्षता स्तर हैं।
- iii. वर्तमान याचिका का अन्य घरेलू उत्पादकों द्वारा समर्थन नहीं किया जा रहा है और इस प्रकार याचिकाकर्ता का कुल भारतीय उत्पादन में अपने हिस्से का अनुमान वस्तुतः निष्कर्ष रूप अन्य भारतीय उत्पादकों के स्थापित उत्पादन के अभाव में बिना किसी आधार के रह जाता है।

घ. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच

20. पाटन रोधी नियमावली का नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:

“(ख) “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में ‘घरेलू उद्योग’ पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

21. यह आवेदन पत्र एनओसीआईएल द्वारा दायर किया गया है। भारत संबद्ध समानों के अन्य उत्पादक (क) लेंक्सीस इंडिया प्रा. लि. (ख) मर्केम लि. और (ग) पीएमसी रबड़ कैमिकल इंडिया प्रा. लि. हैं।
22. प्राधिकारी रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर नोट करते हैं याचिकाकर्ता ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध समानों का आयात नहीं किया है और संबंधित संबद्ध देशों में संबद्ध समानों की किसी निर्यातक अथवा उत्पादक से

संबंधित नहीं है अथवा नियम 2 (ख) के अभिप्राय के भीतर भारत में विचाराधीन उत्पाद के आयातक अथवा प्रयोक्ता से संबंधित नहीं है।

मी.ट. में यूनिट, प्रतिशतता में हिस्सा	2012-13	2013-14	2014-15	POI
पीएक्स13	***	***	***	***
Lanxess India P Ltd	***	***	***	***
PMC Rubbchem P Ltd	***	***	***	***
Merchem Ltd	***	***	***	***
NOCIL (Petitioner)	***	***	***	***
Total Indian Production	***	***	***	***
Share of Domestic Industry	60-70	65-75	70-80	70-80
TDQ				
Lanxess India P Ltd	***	***	***	***
PMC Rubbchem P Ltd	***	***	***	***
Merchem Ltd	***	***	***	***
NOCIL (Petitioner)	***	***	***	***
Total Indian Production	***	***	***	***
Share of Domestic Industry	60-70	70-80	70-80	70-80
MOR				
Lanxess India P Ltd	***	***	***	***
PMC Rubbchem P Ltd	***	***	***	***
Merchem Ltd	***	***	***	***
NOCIL (Petitioner)	***	***	***	***
Total Indian Production	***	***	***	***
Share of Domestic Industry	55-65	80-90	90-100	90-100
MBTS				
Lanxess India P Ltd	***	***	***	***
PMC Rubbchem P Ltd	***	***	***	***
Merchem Ltd	***	***	***	***
NOCIL (Petitioner)	***	***	***	***
Total Indian Production	***	***	***	***
Share of Domestic Industry	70-80	80-90	90-100	90-100

टिप्पणी : अन्य भारतीय उत्पादकों का अनुमानित उत्पादन (याचिकाकर्ता – एनओसीआईएल के सिवाय)

टिप्पणी : जांच की अवधि अप्रैल 15 से मार्च 16 है।

23. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि किसी भी अन्य घरेलू उत्पादक ने याचिका का समर्थन नहीं किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी को इस बात की जांच करनी होती है कि क्या (क)

घरेलू उत्पादक घरेलू उद्योग द्वारा समान वस्तु के कुल उत्पादन के 25 प्रतिशत के अधिक के लिए आवेदन पत्र का खुलकर समर्थन कर रहे हैं; और (ख) और आवेदन पत्र का उन घरेलू उत्पादकों ने समर्थन किया है जिनका सामूहिक उत्पादन आवेदन का समर्थन करने वाले अथवा विरोध करने वाले घरेलू उद्योग के उस अनुपात द्वारा उत्पादित समान वस्तु के कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत से अधिक है। आवेदक का प्रत्येक संबद्ध रबड़ रसायन में कुल घरेलू उत्पादन का ***% से अधिक है।

24. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि कुल भारतीय उत्पादन का निर्धारण अन्य भारतीय उत्पादक के उत्पादन की सूचना के अभाव में बिना आधार के है, यह नोट किया जाता है कि किसी भी अन्य भारतीय उत्पादक ने प्राधिकारी द्वारा उन्हें जारी पत्रों का उत्तर नहीं दिया। इसके अतिरिक्त विरोधी हितबद्ध पक्षकारों ने भी कुल भारतीय उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग के दावों का खंडन करते हुए कोई सूचना प्रदान नहीं की है। प्राधिकारी ने किसी सूचना के अभाव में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर विश्वास किया है। साथ ही वर्तमान जांच निर्णायक समीक्षा जांच होने के नाते तथा चूंकि सभी पूर्व की जांचों में एनओसीआईएल लिमिटेड को घरेलू उद्योग माना गया था, उनके स्तर में कोई भारी परिवर्तन का साक्ष्य नहीं था और इस संबंध में प्राधिकारी की जानकारी में नहीं लाया गया था, अतः यह मानना उपयुक्त है कि याचिकाकर्ता वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग है।
25. उपर्युक्त के मद्देनजर और उचित जांच के बाद प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदक अलग-अलग संबद्ध रबड़ रसायनों के लिए आधार की शर्तें पूरी करता है तथा पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) के तहत घरेलू उद्योग है।

ड. गोपनीयता

ड.1. घरेलू उद्योग के विचार

26. गोपनीयता के संबंध में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
 - i. उत्तरदायी निर्यातक ने प्रश्नावली के उत्तर की फाइल में अत्यधिक गोपनीयता का सहारा लिया है। विनिर्माण स्थल के पते जैसी बहुत ही आधारभूत सूचना अन्य सूचनाओं के साथ गोपनीय रखी गई है। निर्यातक ने अगोपनीय सार उचित रूप से नहीं दिया है।
 - ii. यहां तक कि यदि जब पक्षकार ने जांच में भाग लिया है परंतु प्राधिकारी द्वारा मांगी गई उपलब्ध सूचना नहीं दी है तो पक्षकार प्राधिकारी द्वारा सहयोगी माना जा सकता है।

ड. 2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

27. गोपनीयता के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
 - i. याचिकाकर्ता ने अत्यधिक गोपनीयता बनाए रखी है। घरेलू उद्योग ने बिक्री कीमत, लाभ और निर्यात बिक्री सहित अन्य आर्थिक संकेतकों के संबंध में गोपनीयता का दावा किया है जबकि उसी घरेलू उद्योग के समान मानदंडों को रक्षोपाय जांच में गोपनीयता प्रदान नहीं की गई थी।
 - ii. जो सूचना सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध है और शुल्क के भुगतान से प्राप्त की जा सकती है, उसे गोपनीय नहीं रखा जा सकता।
 - iii. निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए घरेलू उद्योग के आंकड़ों को गोपनीयता प्रदान करने के लिए उस समय कोई वैध आधार नहीं हो सकता जब भारत में अन्य जांच प्राधिकारी ने गोपनीयता प्रदान न की हो।
 - iv. संडिस्क इंटरनेशनल लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के संबंध में निर्णय का संदर्भ लेते हुए यह तर्क दिया गया है कि टिप्पणियों का विश्लेषण करने और उन्हें प्रदान करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह दायित्व है कि वह सुनिश्चित करें कि आर्थिक संकेतकों से संबंधित समस्त सूचना हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराई गई है। अन्यथा यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत होगा।
 - v. गोपनीयता का दावा करते समय ऐसे आंकड़ों के अगोपनीय रूपांतर प्रदान किए बिना अथवा “अच्छा कारण” दर्शाए बिना उत्पादन एवं खपत के संबंध में आयात के बाजार हिस्से के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीयता का दावा किया गया है।

- vi. क्षमता, बाजार हिस्सा, उत्पादन और बिक्री तथा घरेलू बिक्री वसूली के लिए वास्तविक आंकड़े नहीं दिए गए हैं जो नियमों और डीजीएडी की पूर्व परिपाटी के विपरीत है।
- vii. यह याचिका अनुबंध-3, 4 का उल्लेख करती है जिसमें मासिक पाटन मार्जिन तथाकथित रूप से परिकलित किया गया है जो अनुबंध-3, 4 में नहीं पाया गया है।।
- viii. आवेदन पत्र में सूचना को इस कार्रवाई की शुरुआत के लिए पर्याप्त नहीं माना जाना चाहिए था।

ड.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

28. सूचना की गोपनीयता के बारे में पाटन-रोधी नियमावली के नियम 7 में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है:-

‘गोपनीय जानकारी:

"गोपनीय सूचना - (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।"

29. गोपनीयता के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध तथा प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोधों की जांच की गई है और तदनुसार इनका समाधान किया गया है। गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संबंध में की गई है। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने गोपनीयता के दावों को जहां आवश्यक समझा, स्वीकार किया है और उस सूचना को गोपनीय माना गया है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां भी संभव हुआ है गोपनीयता के आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना के पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर प्रदान करें। प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जो भी सूचना सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध है उसे गोपनीय नहीं माना जा सकता।
30. जहां तक प्राधिकारी द्वारा रक्षोपाय जांच में सूचना को माने जाने का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना को माना है और उसकी जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई है। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने गोपनीयता के दावों को जहां आवश्यक समझा माना है और वह सूचना गोपनीय मानी गई है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है।

च. विविध मुद्दे

च.1. घरेलू उद्योग के विचार

31. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं:

- i. टीडीक्यू, एमओआर और एमबीटीएस के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा जारी प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है और किसी भी रूप में उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

- ii. पीएक्स-13 की घरेलू बिक्री के संबंध में पृष्ठ सं. 29 पर याचिका में टंकण की त्रुटि थी और पृष्ठ सं. 60 में उल्लिखित सही थी।
- iii. भारतीय उद्योग देश में सभी रबड़ रसायनों की पूरी मांग को पूरा करने की स्थिति में है। इस तथ्य के होते हुए भी भारत में खपत भारतीय उत्पादकों की क्षमता से अधिक है, आयातों का औचित्य सिद्ध हो सकता है। तथापि, वह अनुचित पाटन का औचित्य नहीं बनाता।
- iv. कानून में कोई भी अधिकतम समय निर्धारित नहीं है जिसके लिए पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना चाहिए। यदि पाटनरोधी शुल्क बंद किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना के स्पष्ट साक्ष्य हैं तो पाटनरोधी शुल्क जारी रहना चाहिए।
- v. कानून के तहत ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है कि अलग-अलग देशों से दो भिन्न-भिन्न उत्पाद को साथ-साथ नहीं मिलाया जा सकता है, उसकी अपेक्षा उनके लिए दिए गए आंकड़े अलग-अलग दिए जाने चाहिए जोकि याचिकाकर्ता द्वारा किया गया है।

च.2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

32. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं:

- i. अधिनियम, नियमावली और एडीए के तहत अपेक्षित पाटनरोधी शुल्क के जारी रहने के लिए पर्याप्त मामला याचिकाकर्ता द्वारा नहीं बनाया गया है।
- ii. याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आंकड़े रक्षोपाय अंतिम जांच परिणाम के साथ तुलना करने पर गलत हैं।
- iii. याचिकाकर्ता ने याचिकाकर्ता के दो अलग-अलग पृष्ठों पर 6पीपीडी की अपनी घरेलू बिक्री के दो अलग-अलग आंकड़े दिए हैं।
- iv. भारत में घरेलू उत्पादक मांग को पूरा नहीं कर पाए हैं।
- v. यूरोपीय संघ के विरुद्ध शुल्क लगाने से चीन और कोरिया, जहां से पीएक्स-13 का अधिकतर आयात है, से आयातों में कमी नहीं होगी।
- vi. सीमाशुल्क आयुक्त बनाम जीएम एक्सपोर्टर्स (2016) 1 एससीसी 91 में निर्णय और सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 9 क (5) के अनुसार, केन्द्र सरकार पाटनरोधी शुल्क आरंभिक रूप से लगाए जाने की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद उसे नहीं बढ़ा सकती। वर्तमान एसएसआर जांच "विशेष मामले" की श्रेणी में नहीं आता है।
- vii. वर्तमान जांच में दो अलग-अलग पाटनरोधी जांचों को मिलाया गया है जो भिन्न विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देशों से संबंधित हैं, जोकि उचित नहीं है।

च.2. प्राधिकारी द्वारा जांच

33. एक हितबद्ध पक्षकार के इस तर्क के संबंध में कि याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आंकड़े गलत हैं, जब उनकी तुलना रक्षोपाय के अंतिम जांच परिणाम से की गई थी, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के आंकड़ों का स्थल सत्यापन उस सीमा तक किया गया था जहां तक प्राधिकारी ने आवश्यक समझा। केवल आवश्यक संशोधन के साथ उस सत्यापित सूचना, जहां भी लागू हो, पर इस दस्तावेज के प्रयोजन के लिए विश्वास किया गया है।
34. याचिका के दो पृष्ठों में विसंगति के संबंध में याचिकाकर्ता ने स्पष्ट किया है कि वह टंकण की त्रुटि थी। तथापि, प्राधिकारी ने इस दस्तावेज के प्रयोजन के लिए सत्यापित आंकड़ों को अपनाया है।
35. जहां तक इस तर्क का संबंध है, कि घरेलू उद्योग के पास देश में विचाराधीन उत्पाद की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यदि देश में मांग एवं आपूर्ति का अंतर है तो विदेशी उत्पादक निश्चित रूप से सस्ती कीमत पर उत्पाद लाकर देश में इस अंतर को पूरा कर सकते हैं। मांग-आपूर्ति का अंतर इस उत्पाद के पाटन का औचित्य नहीं बना सकता।

36. जहां तक पाटनरोधी शुल्क आरंभिक रूप से लगाए जाने की तारीख से 10 वर्षों की समाप्ति के बाद उसे बढ़ाए जाने के तर्क का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून में स्पष्ट परिकल्पना है कि पाटनरोधी शुल्क समय-समय पर आगे बढ़ाया जा सकता है, यदि यह पाया जाए कि पाटनरोधी शुल्क को बंद करने की स्थिति में घरेलू उद्योग को पाटन एवं परिणामी क्षति होने की संभावना है। पाटनरोधी कानून अनुचित व्यापार परिपाटी को समाप्त करने के लिए है और घरेलू उद्योग को एक समान स्तर का व्यापार क्षेत्र प्रदान करने के लिए है। प्राधिकारी कानून के तहत निर्धारित शर्तों का पालन करने के बाद भी पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।
37. जहां तक दो जांचों को मिलाए जाने से संबंधित तर्क का संबंध है, प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी नियमों में तथाकथित कई असमान वस्तुओं के लिए पृथक् रूप से जांच करने की अपेक्षा नहीं है। फिर भी यद्यपि, अलग-अलग रबड़ रसायनों को वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए असमान वस्तु माना गया है तो ये सब रबड़ रसायनों की व्यापक श्रेणी में आते हैं। वस्तुतः निर्धारित मानक इनपु-आउटपुट मानदंड भी एक समूह में "रबड़ रसायनों" के लिए हैं न कि प्रत्येक रबड़ रसायन के लिए अलग-अलग। किसी भी दशा में प्राधिकारी ने किसी संभावित कमी को दूर करने के लिए वर्तमान जांच में प्रत्येक रबड़ रसायन के लिए अलग विश्लेषण किया है।
- छ. बाजार अर्थव्यवस्था उपचार, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन का निर्धारण
38. सीमा शुल्क टेरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क (1) (ग) के अनुसार, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:-

व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा

जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो, अथवा

उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री औश्च सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत:

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

छ.1. घरेलू उद्योग के विचार

39. घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- जांच की अवधि के निर्धारण का प्रयोजन उस अवधि पर विचार करना है जब क्षति पहुंचाने वाले पाटन की मौजूदगी स्थापित है। निर्धारण की तारीख घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटन के प्रश्न को बढ़ाना संगत नहीं है। पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जांच की अवधि के आधार पर निर्धारित किए जाते हैं।
 - उत्तरदायी निर्यातकों को यह सिद्ध करना चाहिए कि सामान्य मूल्य के निर्धारण के संदर्भ में उल्लिखित लागत का घटक जांच के अधीन निर्यातक अथवा उत्पादक द्वारा रखे गए रिकॉर्ड में उचित रूप से और पूर्ण रूप से दर्शाया गया है। इस प्रकार चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए।
 - चीनी उत्पादकों को इस कारण से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनियां माना जाना अपेक्षित है कि चीन में लागत एवं कीमतें बाजार बलों को पर्याप्त रूप से नहीं दर्शाती हैं। अनुबंध-1 के पैरा-8 में उन मानदंडों का उल्लेख है जिनपर बाजार अर्थव्यवस्था स्तर प्रदान किए जाने के लिए विचार किया जाना चाहिए। इसका यह भी अभिप्राय है कि जब तक इन शर्तों को पूरा नहीं किया जाता है, चीनी लागत एवं कीमत को नहीं अपनाया जा सकता।

- iv. बाजार अर्थव्यवस्था के स्तर का विचार जांच की अवधि के दौरान विद्यमान मानदंडों पर आधारित है। चूंकि चीनी लागत और कीमतों को रद्द करने का कारण अनुबंध-1 के पैरा-8 में सूचीबद्ध कारकों के कारण चीन में लागत एवं कीमतों में गिरावट है, अतः यही जांच की अवधि है जो चीनी उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था कंपनियों माने जाने के निर्णय के लिए संगत है।
- v. मूल जांच में भी प्राधिकारी ने नोट किया कि चीन जन.गण. से उत्तरदायी निर्यातक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रहे थे और इसीलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार किया गया था।
- vi. चीनी उत्पादकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के परिवेश के तहत प्रचालन करने वाली कंपनियों के रूप में माना जाना अपेक्षित है और प्राधिकारी अनुबंध-1 के पैरा-7 के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए कार्रवाई कर सकते हैं।
- vii. सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य के आधार पर इस कारण से निर्धारित नहीं किया जा सकता कि संगत सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। याचिकाकर्ता ने विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य पर विचार किए जाने का दावा किया है।
- viii. याचिकाकर्ता यूरोपीय संघ में टीडीक्यू की घरेलू बिक्री के बीजक लेने में सक्षम है और इस प्रकार याचिकाकर्ता ने पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए सामान्य मूल्य के रूप में उस कीमत पर विचार किया।
- ix. पीएक्स-13 के संबंध में सोलूटिया यूरोप द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली का उत्तर अपूर्ण है क्योंकि इसका मोनसांटो यूरोप एनवी के साथ एक मास्टर ऑपरेटिंग एग्रीमेंट है जिसके तहत मोनसान्टो सोलूटिया यूरोप के लिए संबद्ध उत्पाद के एक बड़े विनिर्माण/प्रसंस्करण एजेंट के रूप में कार्य करता है और मोनसान्टो ने कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।
- x. लागत का घटक यद्यपि निर्यातक द्वारा रखे गए रिकॉर्ड के आधार पर हो सकता है फिर भी उसका अभिप्राय यह नहीं है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी बिना संतुष्ट हुए निर्यातक के उत्पादन की लागत को स्वीकार करने के लिए बाध्य हो, चाहे वह विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और बिक्री से जुड़ी लागत को पर्याप्त रूप से दर्शाए।
- xi. यदि कोई सामग्री संबंधित आपूर्तिकर्ता से अथवा कैप्टिव उत्पादन के भाग के रूप में खरीदी जाती है तो सोलूटिया को निम्नलिखित सूचना देना अपेक्षित है :

क. मानी गई सामग्री की कीमत का आधार

ख. निर्यातक यह कैसे मानता है कि विचार की गई कीमत दर्शाने योग्य है और वह सस्ती बाजार कीमत की प्रतिनिधिकारक है।

ग. किसी सामान अथवा तुलनीय इनपुट उत्पाद के लिए स्वतंत्र पक्षकारों से खरीद कीमतें दें। कैप्टिव रूप से खरीदी गई अथवा संबद्ध आपूर्तिकर्ता से खरीदी गई मद के उत्पादन की लागत दें।

- xii. मै. सोलूटिया का उत्तर यह दर्शाता है कि वह 4एडीपीए का विनिर्माता है और याचिकाकर्ता की बाजार सूचना के अनुसार मै. सोलूटिया को 4 एडीपीए के व्यापार में हानि हो रही है। प्राधिकारी को यह नोट करना चाहिए और सोलूटिया द्वारा किए गए 4 एडीपीए के मूल्यांकन का सत्यापन करना चाहिए।

छ.2. हितबद्ध पक्षकारों के विचार

40. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- क. घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित सामान्य मूल्य पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए क्योंकि याचिकाकर्ता यह दर्शाने में विफल रहे हैं कि यूरोपीय संघ में एक ऐसी विशेष बाजार स्थिति मौजूद है जो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए समुचित तुलना किए जाने की अनुमति नहीं देता।
- ख. स्वच्छ एवं पर्याप्त निर्मित सामान्य मूल्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सामान्य मूल्य के निर्माण के लिए प्रयुक्त घटकों को भारत की अपेक्षा उस निर्यातक देश के बाजार से प्रमुखतः संबंधित होना चाहिए।

- ग. उसके अधिसंख्य ग्राहकों को दिए गए दस्तावेज को उसके द्वारा दिए गए आंकड़ों पर आधारित सामान्य मूल्य का निर्धारण करते समय ध्यान में रखा जाना चाहिए।
- घ. निर्यात कीमत परिकलन की कटौतियों को पुष्ट करने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है। ये कटौतियां पिछले एसएसआर में की गई कटौतियों की तुलना में अधिक बताई गई प्रतीत होती हैं।
- ङ. निर्यातक ने भारत में पीएक्स-13 के निर्यात के लिए अपनी वास्तविक कीमत दी है, उस पर विचार किया जाना चाहिए।
- च. सोलूटिया ने निर्यात कीमत के संबंध में तथा सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अन्य आवश्यक सूचना के संबंध में रिकॉर्ड दिए हैं और इसीलिए डीजीएडी को चाहिए कि वे इस सूचना के अनुसार ही पाटन मार्जिन निर्धारित करें।
- छ. खपत मानदंडों के लिए घरेलू दरों का प्रयोग किया गया है जबकि यूरोपीय संघ में उत्पादकों का भिन्न लागत ढांचा होने की संभावना है।
- ज. यह तथ्य कि भारतीय याचिकाकर्ता ने 2012-13 से जांच की अवधि तक पीएक्स-13 के लिए क्षमता बढ़ाई है, ही उनकी दक्षता के स्तर के संबंध में संदेह बनाता है और जो परिवर्तन दरें सामान्य मूल्य के निर्माण के लिए लागू की गई हैं, उनके संबंध में भी संदेह बनता है।
- झ. आयोग को सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन सिद्ध करने के लिए प्रयुक्त आंकड़ों की पर्याप्तता तथा सिद्धांत के संबंध में गंभीर संदेह हैं।
- ञ. सोलूटिया में मोनसाल्टो द्वारा प्रचालित सुविधा में उत्पादन लागत सहित पीएक्स-13 के उत्पादन की अपनी लागत के विस्तृत ब्यौरे और प्रश्नावली के पूर्ण उत्तर दिए हैं। इस प्रकार, पीएक्स-13 के उत्पादन के लिए लागत के संबंध में सोलूटिया का उत्तर पूरा है।
- ट. जैसा कि घरेलू उद्योग के दावे का विरोध किया गया है, 4 एडीपीए का मूल्यांकन वर्तमान जांच में महत्वहीन है। इस प्रकार, खुले बाजार में 4 एपीडीए की लागत शीट तथा इस उत्पाद के लिए बाजार कीमत संगत नहीं है।

छ.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

चीन में सामान्य मूल्य

41. चाइनीज एसेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नलिखित प्रावधान है:

"जीएटीटी का अनुच्छेद-VI, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता, 1994 ("पाटनरोधी समझौता") के अनुच्छेद-VI के कार्यान्वयन पर समझौता तथा एससीएम समझौता निम्नलिखित के अनुरूप डब्ल्यूटीओ सदस्यों में चीन मूल के आयातों वाली कार्यवाहियों पर लागू होंगे:

(क) जीएटीटी 1994 के अनुच्छेद-VI और पाटनरोधी समझौते के तहत मूल्य की तुलना का निर्धारण करने में आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे या उस पद्धति को उपयोग करेंगे जो निम्नलिखित के आधार पर चीन में घरेलू मूल्यों अथवा लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने में आधारित नहीं है:

(i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा;

(ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।

- (ख) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।
- (ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सब्सिडीज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।

आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क)(ii) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।"

42. अनुच्छेद-15 का अभिप्राय है कि एक उप-पैरा के प्रावधान चीनी एसेसन की तारीख से 15 वर्ष में समाप्त हो जाएंगे। इस पैराग्राफ के प्रावधान 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गए। चूंकि घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटन का तथ्य जांच की अवधि के आधार पर सिद्ध है, अतः अकेले जांच की अवधि के दौरान विद्यमान स्थितियां संगत, उपयुक्त और वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए आवश्यक हैं। वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि (पीओआई) अप्रैल 2015 से मार्च, 2015 है। चूंकि अनुच्छेद-15 का उप पैरा जांच की अवधि के दौरान अस्तित्व में था, अतः प्राधिकारी एक ऐसे सिद्धांत का प्रयोग कर सकते हैं जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों की सख्त तुलना पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक यह स्पष्ट रूप से न दर्शा सके कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां विद्यमान हैं।
43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में चीन जन.गण. को भारत और अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। चीन जन.गण. को नियमावली के अनुसार निर्यातक देश अथवा अलग-अलग निर्यातक द्वारा अवधारणा के खंडन के अध्यधीन गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है।
44. किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था प्रचनावली का उत्तर दायर नहीं किया है। उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर और किसी भी चीनी निर्यातक कंपनी द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का खंडन न किए जाने की स्थिति में प्राधिकारी वर्तमान जांच में चीन जन.गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानना उपयुक्त समझते हैं तथा चीन जन.गण. के मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार कार्रवाई करने का प्रस्ताव करते हैं।

एमओआर:

चीन जन.गण. से सभी उत्पादक/निर्यातक

45. चूंकि चीन जन.गण. से किसी भी एमओआर के उत्पादक ने इस जांच में सहयोग नहीं किया है और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार गैर-बाजार व्यवहार का खंडन करने के लिए कोई सूचना नहीं दी है। अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-8(2) के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा खंडनरहित बनी रहती है। अतः प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के

पैरा 7 के अनुसार किया है। अन्य पद्धतियों जैसाकि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उल्लिखित हैं, के संबंध में रिकॉर्ड में पर्याप्त सूचना के अभाव में प्राधिकारी ने "कोई भी अन्य उपयुक्त आधार" पद्धति अपनाकर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

46. अतः प्राधिकारी ने रिकॉर्ड में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर विचार करते हुए एमओआर के प्रयोजन के लिए चीन जन. गण. के वास्ते सामान्य मूल्य निर्मित किया है।

एमबीटीएस:

चीन जन.गण. के सभी उत्पादक/निर्यातक

47. चूंकि चीन जन.गण. से किसी भी एमबीटीएस के उत्पादक ने इस जांच में सहयोग नहीं किया है और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार गैर-बाजार व्यवहार का खंडन करने के लिए कोई सूचना नहीं दी है। अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-8(2) के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा खंडनरहित बनी रहती है। अतः प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किया है। अन्य पद्धतियों जैसाकि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उल्लिखित हैं, के संबंध में रिकॉर्ड में पर्याप्त सूचना के अभाव में प्राधिकारी ने "कोई भी अन्य उपयुक्त आधार" पद्धति अपनाकर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।
48. अतः प्राधिकारी ने रिकॉर्ड में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर विचार करते हुए एमओआर के प्रयोजन के लिए चीन जन. गण. के वास्ते सामान्य मूल्य निर्मित किया है।

यूरोपीय संघ से निर्यातक/उत्पादक, मै. सोलूटिया यूरोप बीबीबीए/एसपीआरएल,

49. मै. सोलूटिया यूरोप बीबीबीए/एसपीआरएल ने घरेलू बाजार में संबद्ध सामानों की अपनी बिक्री के लेन-देनवार व्यौरों के संबंध में सूचना प्रदान की है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजन के लिए कंपनी द्वारा उत्पादित सामानों की घरेलू बिक्री को ध्यान में रखा गया है। यह देखा गया था कि घरेलू बिक्री सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अपनाई जा सकती है क्योंकि उसने व्यापार परीक्षण के सामान्य काल तथा पर्याप्तता के सभी स्तर पास किए हैं। समायोजनों की स्थल सत्यापन के दौरान सत्यापित के रूप में अनुमति दी गई है। समायोजनों के बाद सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।

यूरोपीय संघ के सभी अन्य निर्यातक/उत्पादक

50. यूरोपीय संघ के सभी असहयोगी निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने रिकॉर्ड में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर विचार कर सामान्य मूल्य निर्मित किया है।

टीडीक्यू

यूरोपीय संघ के सभी उत्पादक/निर्यातक

51. यूरोपीय संघ के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने इस जांच में प्राधिकारी को सहयोग नहीं किया है। यूरोपीय संघ में निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा असहयोग के मद्देनजर प्राधिकारी ने रिकॉर्ड में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर विचार करके सामान्य मूल्य निर्मित किया है।

निर्यात कीमत का निर्धारण

52. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. सोलूटिया यूरोप बीबीबीए/एसपीआरएल. को छोड़कर पीएक्स 13 के लिए संबद्ध सामानों के लिए यूरोपीय संघ और चीन जन.गण. से किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने इस जांच में प्राधिकारी का सहयोग नहीं किया है। निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा सहयोग न किए जाने के मद्देनजर प्राधिकारी ने रिकॉर्ड में "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर "निर्यात कीमत" पर विचार किया है।
53. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग ने आईबीआईएस द्वारा दी गई सूचना के आधार पर मात्रा, मूल्य और आयात कीमत का दावा किया है। प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से आंकड़ों की मांग भी की है। प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस द्वारा दी गई सूचना के आधार पर विचाराधीन उत्पाद के लिए भारित औसत आयात कीमत निर्धारित की है।

पीएक्स-13:**यूरोपीय संघ के निर्यातक/उत्पादक मै. सोलूटिया यूरोप बीवीबीए/एसपीआरएल के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण**

54. मै. सोलूटिया यूरोप बीवीबीए/एसपीआरएल ने अपनी निवल निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए भारत को निर्यात बिक्री के संबंध में लेनदेनवार सूचना प्रदान की है। मै. सोलूटिया यूरोप बीवीबीए/एसपीआरएल द्वारा किए गए खर्चों को किए गए सत्यापन के अनुसार समायोजित कर दिया गया है। ये कटौतियां करके निवल निर्यात लागत का परिकलन किया गया है।

यूरोपीय संघ के अन्य सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

55. यूरोपीय संघ के किसी भी निर्यातक ने निर्यात कीमत के ब्यौरे देते हुए कोई सूचना प्रदान नहीं की है। अतः प्राधिकारी ने यूरोपीय संघ के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण डी जी सी आई एंड एस के लेनदेनवार आंकड़ों के आधार पर किया है। तदनुसार, यूरोपीय संघ के सभी निर्यातकों के संबंध में कारखानागत स्तर पर भारित औसत निवल निर्यात कीमत का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पत्तन व्यय, बैंक प्रभार, कमीशन और अंतरदेशीय भाड़े के लिए उचित समायोजन करने के बाद किया गया है।

टीडीक्यू:**यूरोपीय संघ के अन्य सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण**

56. यूरोपीय संघ के किसी भी निर्यातक ने निर्यात कीमत के ब्यौरे देते हुए कोई सूचना प्रदान नहीं की है। अतः प्राधिकारी ने यूरोपीय संघ के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण डी जी सी आई एंड एस के लेनदेनवार आंकड़ों के आधार पर किया है। तदनुसार, यूरोपीय संघ के सभी निर्यातकों के संबंध में कारखानागत स्तर पर भारित औसत निवल निर्यात कीमत का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पत्तन व्यय, बैंक प्रभार, कमीशन और अंतरदेशीय भाड़े के लिए उचित समायोजन करने के बाद किया गया है।

एमओआर:**चीन जन.गण. के अन्य सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण**

57. चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक ने निर्यात कीमत के ब्यौरे देते हुए कोई सूचना प्रदान नहीं की है। अतः प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण डी जी सी आई एंड एस के लेनदेनवार आंकड़ों के आधार पर किया है। तदनुसार, चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों के संबंध में कारखानागत स्तर पर भारित औसत निवल निर्यात कीमत का निर्धारण पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखितानुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पत्तन व्यय, बैंक प्रभार, कमीशन और अंतरदेशीय भाड़े के लिए उचित समायोजन करने के बाद किया गया है।

एमबीटीएस:**चीन जन.गण. के अन्य सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण**

58. चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक ने निर्यात कीमत के ब्यौरे देते हुए कोई सूचना प्रदान नहीं की है। अतः प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण डी जी सी आई एंड एस के लेनदेनवार आंकड़ों के आधार पर किया है। तदनुसार, चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों के संबंध में कारखानागत स्तर पर भारित औसत निवल निर्यात कीमत का निर्धारण पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखितानुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पत्तन व्यय, बैंक प्रभार, कमीशन, अंतरदेशीय भाड़े और वैट की वापसी के लिए उचित समायोजन करने के बाद किया गया है।

पाटन मार्जिन का निर्धारण

59. संबंधित संबद्ध देशों के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए जांच की अवधि के दौरान पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका में दिए गए अनुसार किया गया है:

पीएक्स-13

क्र.सं.	निर्यातक	देश	सामान्य मूल्य अम.डॉ./मी.ट.	निर्यात कीमत अम.डॉ./मी.ट.	पाटन मार्जिन अम.डॉ./मी.ट.	पाटन मार्जिन (%)
1	मै. सोलुटिया यूरोपी बीबीबीए/एसपीआरएल	ईयू	***	***	***	10-20
2	उपर्युक्त के सिवाए ई यू के सभी अन्य निर्यातक/उत्पादक	ईयू	***	***	***	35-45

टीडीक्यू:

क्र. सं.	निर्यातक	देश	सामान्य मूल्य अम.डॉ./मी.ट.	निर्यात कीमत अम.डॉ./मी.ट.	पाटन मार्जिन अम.डॉ./मी.ट.	पाटन मार्जिन (%)
1	ईयू के सभी निर्यातक/उत्पादक	ईयू	***	***	***	नकारात्मक

एमओआर:

क्र. सं.	निर्यातक	देश	सामान्य मूल्य अम.डॉ./मी.ट.	निर्यात कीमत अम.डॉ./मी.ट.	पाटन मार्जिन अम.डॉ./मी.ट.	पाटन मार्जिन (%)
1	चीन जन.गण. के सभी निर्यातक/उत्पादक	चीन.जन. गण	***	***	***	20-30

एमबीटीएस:

क्र.सं.	निर्यातक	देश	सामान्य मूल्य अम.डॉ./मी.ट.	निर्यात कीमत अम.डॉ./मी.ट.	पाटन मार्जिन अम.डॉ./मी.ट.	पाटन मार्जिन (%)
1	चीन जन.गण. के सभी निर्यातक/उत्पादक	चीन जन.गण.	***	***	***	नकारात्मक

ज. क्षति निर्धारण**ज.1. घरेलू उद्योग के विचार**

60. घरेलू उद्योग ने सभी संबद्ध रबड़ रसायनों के मामले में क्षति एवं कारणात्मक संबंध के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- आयात अब भी जारी हैं और कम एवं पाटित कीमतों पर बताए जा रहे हैं।
 - सभी विचाराधीन उत्पाद का आयात पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद पूरी क्षति अवधि में काफी रहे हैं।
 - पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में काफी कटौती हो रही है। बिना पाटनरोधी शुल्क के कीमत कटौती प्रत्येक संबद्ध रबड़ रसायन के लिए सकारात्मक है और पाटनरोधी शुल्क सहित जांच अवधि में एमबीटीएस तथा एमओआर के मामले में वह सकारात्मक और काफी है।
61. विशेष रूप से पीएक्स-13 के लिए घरेलू उद्योग ने क्षति और कारणात्मक संपर्क के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- पीएक्स-13 के लिए मांग पूरी क्षति अवधि में सकारात्मक वृद्धि दर्शाती है।
 - विचाराधीन उत्पाद का आयात इस अवधि में कम हुआ है परंतु पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में आयात आ रहे हैं।

- iii. भारत में कुल आयात के संबंध में संबद्ध देशों के आयात का हिस्सा 2014-15 तक कम हुआ है और उसके बाद जांच की अवधि में बढ़ा है।
 - iv. पीएक्स-13 के लिए घरेलू उद्योग यूरोपीय संघ से पाटित कीमत के कारण लागत की सीमा तक भी बिक्री कीमत बढ़ाने में असमर्थ है। यूरोपीय संघ से आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का ह्रास एवं न्यूनीकरण कर रहे हैं।
 - v. क्षमता उपयोग पूरी क्षति अवधि में घटता-बढ़ता रहा। वह 2013-14 में काफी कम हुआ और फिर 2014-15 में बढ़ गया तथा उसके बाद वह पुनः जांच की अवधि में कम हो गया। तथापि, उत्पादन जांच की अवधि में कम हुआ है।
 - vi. बिक्री ने सकारात्मक वृद्धि दर्शायी है जोकि 2013-14 में आंशिक रूप से कम हुई। घरेलू उद्योग बाजार में बने रहने के लिए उप वैकल्पिक कीमतों पर उत्पाद पेश कर रहा है। परिणामस्वरूप उत्पादन, बिक्री और बाजार हिस्सा बढ़ा है परंतु घरेलू बाजार को भारी हानियां हो रही हैं।
 - vii. घरेलू उद्योग का मालसूची स्तर पूरी अवधि में बढ़ा है।
 - viii. घरेलू उद्योग को पूरी क्षति अवधि में नकद हानियों, नकारात्मक पीबीटी, पीबीआईटी और निवेश पर आय के साथ भारी हानियां हो रही हैं।
62. विशेष रूप से टीडीक्यू के लिए घरेलू उद्योग ने क्षति एवं कारणात्मक संपर्क के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- i. वर्ष 2014-15 तक मांग बढ़ी है और फिर जांच की अवधि के दौरान घटी है।
 - ii. वर्ष 2014-15 तक टीडीक्यू का आयात बढ़ा है और केवल जांच की अवधि में कम हुआ है।
 - iii. भारत में कुल आयात, खपत और उत्पादन के संबंध में आयात वर्ष 2014-15 तक बढ़े हैं और उसके बाद जांच की अवधि में कम हुए हैं।
 - iv. याचिकाकर्ता का उत्पादन क्षमता उपयोग तथा घरेलू बिक्री 2014-15 तक बढ़ी है; उसके बाद जांच की अवधि में कम हुई है।
 - v. घरेलू उद्योग का मालसूची स्तर क्षति अवधि में बढ़ा है।
 - vi. प्रति कर्मचारी उत्पादकता क्षति अवधि में कम हुई है।
 - vii. बिक्री तथा उत्पादन में नकारात्मक वृद्धि हुई है।
63. विशेष रूप से एमओआर के लिए घरेलू उद्योग ने क्षति एवं कारणात्मक संपर्क के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- i. एमओआर के स्थान पर एनएस/टीबीबीएस आ जाने के कारण उसी अवधि में एमओआर के मामले में मांग कम हुई है। तथापि, एमओआर के लिए मांग मोटे क्रॉस सेक्सन टायरों, ओटीआर, ट्रक और ट्रैक्टर के लिए अब भी काफी है।
 - ii. आयात पूरी क्षति अवधि में काफी बढ़े हैं।
 - iii. भारत में कुल आयात, उत्पादन और खपत के संबंध में आयात पूरी क्षति अवधि में काफी बढ़े हैं।
 - iv. याचिकाकर्ता का उत्पादन एवं क्षमता उपयोग वर्ष 2014-15 तक बढ़ा है; उसके बाद जांच की अवधि में कम हुआ था।
 - v. घरेलू उद्योग की बिक्री 2013-14 में बढ़ी परंतु 2014-15 में कम हो गई और प्रस्तावित जांच की अवधि में और कम हो गई।
 - vi. मालसूची स्तर वर्ष 2013-14, में कम हो गया और उसके बाद वह 2014-15 में बढ़ गया। वह फिर जांच की अवधि में कम हो गया।
 - vii. भारतीय मांग में आयात का बाजार हिस्सा पूरी क्षति अवधि में काफी बढ़ा।
 - viii. बिक्री तथा उत्पादन में नकारात्मक वृद्धि हुई है।

64. विशेष रूप से एमबीटीएस के लिए घरेलू उद्योग ने क्षति एवं कारणात्मक संपर्क के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- i. वर्ष 2013-14 के दौरान मांग कम हुई है परंतु उसके बाद प्रस्तावित जांच की अवधि के दौरान काफी बढ़ी है।
- ii. वर्ष 2013-14 में आयात कम हुए हैं और उसके बाद जांच की अवधि के दौरान आयात में काफी और सतत वृद्धि हुई है।
- iii. भारत में कुल आयात, खपत और उत्पादन के संबंध में आयात वर्ष 2013-14 के दौरान कम हुए हैं और उसके बाद जांच की अवधि में काफी वृद्धि हुई है।
- iv. याचिकाकर्ता का उत्पादन क्षमता उपयोग वर्ष 2014-15 तक बढ़ा है; उसके बाद जांच की अवधि में कम हुआ है।
- v. घरेलू उद्योग की बिक्री पूरी क्षति अवधि में बढ़ी है।
- vi. मालसूची स्तर 2013-14 के दौरान कम हुए हैं और 2014-15 तक समान रहे हैं। उसके बाद जांच की अवधि के दौरान वे काफी बढ़े हैं।
- vii. बिक्री में सकारात्मक वृद्धि हुई है तथापि, उत्पादन में नकारात्मक वृद्धि हुई है।

ज.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

65. घरेलू उद्योग को क्षति के संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे :-

- i. अधिकतर आर्थिक मानदंड या तो सकारात्मक प्रवृत्ति दर्शाते हैं अथवा लागू पाटनरोधी शुल्क के परिणामस्वरूप स्थिर हैं।
- ii. वर्ष 2012-13 के लिए एनओसीआईएल की संस्थापित क्षमता इस टिप्पणी के साथ महानिदेशक, रक्षोपाय द्वारा 8500 मी.ट./वर्ष पाई गई थी कि उसके द्वारा किए गए दावे के अनुसार बढ़ी हुई क्षमता 8,500 मी.ट. से 14,00 मी.ट. तक के संबंध में कोई भौतिक परिवर्तन उसने नहीं किए थे।
- iii. अन्य तीन उत्पादकों मर्केम लेंगसस और पीएमसी की उत्पादन क्षमता रक्षोपाय के अंतिम जांच परिणाम में उल्लिखित किए गए अनुसार अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा दी गई सूचना के अनुरूप क्रमशः 8,500, 2000 और 1000 मी.ट./वर्ष है।
- iv. मांग के परिकलन अथवा याचिकाकर्ता द्वारा स्पष्ट उपभोग के लिए किए गए परिकलन इस कारण "सभी स्रोतों से आयात" को "सभी स्रोतों से आयात बिक्री" के बराबर करके सही नहीं है कि यह आवश्यक नहीं है कि सभी आयात एक दिए गए वर्ष में किए गए हैं।
- v. जांच की शुरुआत की अधिसूचना-रक्षोपाय तथा अंतिम जांच परिणाम- रक्षोपाय में सूचना के आधार पर सोलूटिया, यूरोप द्वारा निर्मित आंकड़ों के अनुसार जांच की अवधि के दौरान अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री में काफी कमी आई है जबकि वर्तमान जांच में याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए सूचीबद्ध आंकड़े यह दर्शाते हैं कि अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री में वृद्धि हुई है।
- vi. टीडीक्यू के लिए बिक्री 28 प्रतिशत तक बढ़ी जबकि उपभोग स्थिर था। तदनुरूपी बाजार हिस्सा बढ़ा।
- vii. पीएक्स-13 के आयातों ने याचिकाकर्ता से बाजार हिस्सा नहीं लिया क्योंकि आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में मांग 20 सूचीबद्ध प्वाइंट तक सकारात्मक वृद्धि दर्शाती है और यूरोपीय संघ से पीएक्स-13 का आयात उसी अवधि के लिए 48 सूचीबद्ध प्वाइंट तक पूरी क्षति अवधि में घटा है। भारत में यूरोपीय संघ से पीएक्स-13 का कोई पाटन नहीं हुआ है।
- viii. यहां तक कि जब वर्ष 2012-13 से 2015-16 तक आयात की पहुंच कीमत काफी बढ़ी है, याचिकाकर्ता की बिक्री कीमत 2015-16 के दौरान घटी है जो यह बताती है कि पीएक्स-13 के संबंध में कोई कीमत कटौती नहीं है।

- ix. घरेलू उद्योग मात्रा में घरेलू बिक्री में वृद्धि के साथ घरेलू बिक्री कीमत में वृद्धि कर पाया है जो यह स्पष्ट रूप से सिद्ध करता है कि कीमत कटौती का कोई मामला नहीं है
- x. पीएक्स-13 के लिए कोई कीमतह्रास/न्यूनीकरण नहीं है क्योंकि याचिकाकर्ता ने उस समय भी अपनी बिक्री कीमत बढ़ाई तब बिक्री लागत कम हो गई थी। इसके साथ ही याचिकाकर्ता अपनी घरेलू बिक्री मात्रा में बढ़ाने में सक्षम रहा है। याचिकाकर्ता कीमत ह्रास/न्यूनीकरण दर्शाने में विफल रहा है।
- xi. घरेलू उद्योग ने अपनी याचिका में यह स्वीकार किया है कि एमओआर, टीडीक्यू और एमबीटीएस के संबंध में आयात न तो ह्रासमान हैं और न वे घरेलू उद्योग की कीमतों का न्यूनीकरण कर रहे हैं।
- xii. कीमत कटौती, कीमत ह्रास तथा कीमत न्यूनीकरण न होने की स्थिति में यह सिद्ध है कि कीमत संबंधी क्षति का कोई मामला वर्तमान जांच में नहीं बनता है।
- xiii. पीएक्स-13 और टीडीक्यू के लिए आयातों की पहुंच कीमत आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में क्रमशः 27 और 20 सूचकांक तक बढ़ी है।
- xiv. जांच की अवधि में याचिकाकर्ता की संस्थापित क्षमता में वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ता का उत्पादन स्तर जांच की अवधि के दौरान आंशिक कमी के साथ जांच की अवधि के लिए निरंतर बढ़ा है परंतु वह आधार वर्ष के दौरान उत्पादन स्तरों की तुलना में अधिक है तथा यही स्थिति आधार वर्ष से तुलना करके क्षमता उपयोग के मामले में भी है।
- xv. घरेलू उद्योग ने अपना उत्पादन बढ़ाया है और पीएक्स-13, एमओआर और एमबीटीएस के लिए 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता उपयोग कर रहा है।
- xvi. महत्वपूर्ण आर्थिक संकेतकों के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा गलत आंकड़े दिया जाना विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यवहारिक आंकड़ों के समुचित विश्लेषण में बाधा डालने का प्रयास है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को चाहिए कि वह सभी घरेलू बिक्री संबंधी आंकड़ों का सत्यापन करे और फिर सार्थक टिप्पणियां प्रदान करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान करे।
- xvii. वर्ष 2012-13 से 2013-14 तक घरेलू बिक्री में मामूली कमी को छोड़कर पूरी जांच की अवधि और जांच की अवधि में घरेलू बिक्री में काफी वृद्धि हुई है।
- xviii. बिक्री कीमत में वृद्धि हुई है जबकि बिक्री लागत में साथ-साथ कमी आई है।
- xix. टीडीक्यू के लिए बिक्री लागत 11 प्रतिशत तक कम हुई जबकि जांच की अवधि में बिक्री कीमत 12 प्रतिशत तक बढ़ी जिससे लाभप्रदता में और सुधार हुआ। यद्यपि, उत्पादन एवं क्षमता उपयोग सापेक्ष रूप से स्थिर रहे, तथापि, रोजगार 11 प्रतिशत तक बढ़ा।
- xx. शुल्क 11 वर्ष से अधिक तक लागू रहे हैं और उनसे घरेलू उद्योग को कई वर्षों तक वृद्धि करने में मदद मिली है।
- xxi. आधार वर्ष से तुलना करने पर वर्ष 2013-14 और 2014-15 के लिए लाभप्रदता बढ़ी है जबकि जांच की अवधि के दौरान लाभ में कमी आयात में काफी कमी के अनुरूप है जो यह स्पष्ट करता है कि पीएक्स-13 के संबंध में याचिकाकर्ता को हुई हानि आयातों के कारण नहीं है।
- xxii. याचिकाकर्ता की वार्षिक रिपोर्ट यह दर्शाती है कि समग्र लाभप्रदता में काफी सुधार आया है; कुल आय और लाभ में वृद्धि हुई है और बिक्री की मात्रा की दृष्टि से भी वह अच्छा चल रहा है।
- xxiii. घरेलू उद्योग की वर्ष 2015-16 की वार्षिक रिपोर्ट यह दर्शाती है कि याचिकाकर्ता की निर्यात बिक्री में उसकी कुल बिक्री की प्रतिशतता के रूप में निरंतर कमी आयी है। वह जानबूझकर भारत से बाहर अपनी निर्यात बिक्री के कारण होने वाली हानियों को अलग करने और घरेलू बिक्री के कारण हानि होना दर्शाने में विफल रहा है।
- xxiv. क्षति की अवधि तथा जांच की अवधि में ब्याज लागत और मूल्यह्रास लागत काफी बढ़े हैं तथा वे क्षति पहुंचा रहे हैं और इस प्रकार कारणात्मक संबंध टूट गया है।

- xxv. याचिकाकर्ता का बाजार हिस्सा और अन्य भारतीय उत्पादकों का बाजार हिस्सा कुल भारतीय मांग में बढ़ा है।
- xxvi. याचिकाकर्ता के लिए रोजगार स्तर और मजदूरी जांच की अवधि में आधार वर्ष की तुलना में बढ़ी है।
- xxvii. बढ़ी हुई क्षमता के उपयोग स्तर के साथ लेकर संस्थापित क्षमता और उत्पादन स्तर में काफी वृद्धि होना घरेलू उद्योग की बढ़ी हुई मालसूची के लिए जिम्मेदार है।
- xxviii. पीओआई और जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की निरंतर वृद्धि हुई है। बिक्री मात्रा में आरओसीई तथा वृद्धि ने भी निरंतर सुधार दर्शाया है। मई, 2016 में याचिकाकर्ता द्वारा प्रकाशित निवेशक प्रस्तुति जांच की अवधि के दौरान सभी क्षति मानदंडों में निरंतर सुधार दर्शाता है।
- xxix. याचिकाकर्ता की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता काफी प्रबल रही है। सी ए आर ई रेटिंग जैसी स्वतंत्र क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने याचिकाकर्ता को निरंतर अनुकूल रखा है तथा दिसंबर, 2015 में याचिकाकर्ता की दीर्घावधि बैंक सुविधाओं को पुनः पुष्ट किया है जो एए- की दर पर थी तथा याचिकाकर्ता की अल्पावधि बैंक सुविधाएं ए1 + की दर पर थी।
- xxx. कोई क्षति नहीं है और इसीलिए वर्तमान जांच को समाप्त किया जाना चाहिए।
- xxxi. यद्यपि, जांच की अवधि और पीओआई के दौरान संबद्ध देशों से आयात कम हुए हैं तथापि, याचिकाकर्ता ने जांच की अवधि में उत्पादन, बिक्री और क्षमता निरंतर बढ़ाई है और अपना बाजार हिस्सा भारत में घरेलू मांग की प्रतिशतता के रूप में बढ़ाया है। यह दर्शाता है कि तथाकथित पाटन और क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध स्थापित नहीं किया जा सकता।
- xxxii. यदि कोई क्षति है तो वह कमजोर प्रबंधन तथा याचिकाकर्ता की उत्पादन प्रक्रियाओं में अदक्षताओं के कारण ही है। रक्षोपाय के मामले का संदर्भ दिया जाता है जिसमें यह पाया गया था कि एनओसीआईएल आयातों के प्रति लागत प्रतिस्पर्धी होने में विफल रहा और यह कि यह उसकी उच्च उत्पादन लागत के कारण था।
- xxxiii. मौखिक सुनवाई के दौरान घरेलू उद्योग ने यह तर्क देने का प्रयास किया कि एसएसआर जांच में क्षति विश्लेषण का कोई संबंध नहीं है और यह बिना किसी कानूनी आधार के है।
- xxxiv. इस तर्क के संबंध में कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है कि एनएस, टीबीबीएस द्वारा प्रतिस्थापन के कारण एमओआर की मांग में कमी हुई है और एमओआर की कुछ वर्गों के लिए अब भी मांग है।
- xxxv. कीमत आकर्षकता : घरेलू उद्योग ने स्वयं ही स्वीकार किया है कि एमओआर, टीडीक्यू और एमबीटीएस के लिए कोई कीमत ह्रास अथवा न्यूनीकरण नहीं है और इस प्रकार कीमत कटौती का दावा आश्चर्यजनक है।
- xxxvi. विचाराधीन उत्पाद की आयात कीमतें घरेलू उद्योग की कीमतों से अधिक हैं। इस प्रकार कीमत संवेदनशीलता का दावा नहीं बनता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

66. प्राधिकारी द्वारा किए गए क्षति विश्लेषण से निम्नलिखित रूप में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का समाधान हो जाता है।
67. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में किसी क्षति के निर्धारण में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ..." ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से की कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

68. डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3.1 और नियमावली के अनुबंध-II में इन दोनों की तथ्यपरक जांच की व्यवस्था है, (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव। पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में महत्वपूर्ण स्तर तक कमी करना है या ऐसा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा में बढ़ गई होती।
69. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- II के पैरा (IV) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट, सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

70. सीमा प्रशुल्क अधिनियम की धारा 9(क)(5) के अनुसार लगाया गया पाटनरोधी शुल्क, तब तक कि उसे पहले हटाया न गया हो, उसे लगाए जाने की तारीख से, 5 वर्षों की समाप्ति पर लागू होना बंद हो जाएगा बशर्ते कि केन्द्र सरकार किसी समीक्षा में यह मत रखती हो कि इस शुल्क को बंद करने से पाटन एवं क्षति जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना है वह समय-समय पर अगले 5 वर्षों की अवधि के लिए उसे लगाए जाने की अवधि बढ़ा सकती है और यह अगली अवधि इस अवधि की वृद्धि का आदेश जारी करने की तारीख से शुरू होगी।

71. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच के लिए प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-2(iv) के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि के रूप में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले ऐसे तथ्यों पर विचार किया है।

72. इस संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों पर विचार करते हुए प्राधिकारी संबद्ध देश से आयातों के कारण पाटन एवं क्षति के संभावित पहलुओं की जांच करने की कार्यवाही से पूर्व घरेलू उद्योग को यदि कोई क्षति हो रही है तो वर्तमान क्षति की जांच करने के लिए कार्रवाई करते हैं। यह निम्नलिखित है :-

पीएक्स-13

(i) मांग/स्पष्ट खपत का मूल्यांकन

73. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए सभी स्रोतों से भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री की मात्रा तथा आयातों की मात्रा के रूप में भारत में उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत को परिभाषित किया है।

74. पीएक्स-13 के लिए मांग निम्नलिखित तालिका में दी गई है :-

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पी ओ आई
ईयू – संबद्ध देश	मी.ट.	1,925	1,575	1,342	1,356
अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	मी.ट.	6,597	9,471	7,320	5,247
अन्य देश	मी.ट.	10	198	162	588
घरेलू उद्योग	मी.ट.	3,537	3,473	6,006	8,670
अन्य भारतीय उत्पादक	मी.ट.	2,343	2,202	2,773	2,898
कुल मांग	मी.ट.	14,412	16,920	17,604	18,760

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीएक्स-13 के लिए मांग ने पूरी क्षति अवधि के दौरान सकारात्मक वृद्धि दर्शाई है। संबद्ध देश से आयातों में जांच की अवधि में मामूली वृद्धि के साथ क्षति की अवधि के दौरान गिरावट आई है।

(ii) पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

76. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में बहुत अधिक वृद्धि स्वतंत्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में हुई है।

77. निम्नलिखित तालिका में आयात की मात्रा और बाजार हिस्से के संबंध में वास्तविक स्थिति का सारांश दिया गया है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
यूरोपीय संघ से आयात - संबद्ध देश	मी. टन	1,925	1,575	1,342	1,356
वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगता है, से आयात	मी. टन	6,597	9,471	7,320	5,247
अन्य देश से आयात	मी. टन	10	198	162	588
कुल आयात	मी. टन	8,532	11,244	8,824	7,191
की तुलना में आयात का हिस्सा					
▪ कुल आयात	%	22.56	14.01	15.21	18.86
▪ उत्पादन	%	***	***	***	***
▪ खपत	%	***	***	***	***

78. उपर्युक्त के आधार पर, प्राधिकारी नीचे दिए गए अनुसार नोट करते हैं:

(क) पीएक्स-13 के आयात में क्षति की पूरी अवधि के दौरान गिरावट आई है।

(ख) उत्पादन और खपत की तुलना में पीएक्स-13 के आयात में गिरावट आई है।

(iii) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

(क) कीमत कटौती

79. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस पर विचार करे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों में बहुत अधिक सीमा तक कटौती होने वाली है अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाने वाली है जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक सीमा तक हुई होती। इस संबंध में, इस उत्पाद के पहुँच मूल्य और घरेलू उद्योग के औसत बिक्री मूल्य, जिसमें व्यापार के उसी स्तर पर सभी छूट और कर का निवल शामिल है, के बीच तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतों का निर्धारण कारखानागत स्तर पर किया गया था।

80. कीमत कटौती का निर्धारण निर्यात कीमत की तुलना संबद्ध वस्तुओं का भारत में घरेलू बिक्री कीमत से करते हुए की गई है।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
संबद्ध देश की आधार कीमत	रु./मी. टन	170957	205175	215316	191000
निवल बिक्री वसूली	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	20-30	15-25	10-20	10-20

81. उपर्युक्त से, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूरोपीय संघ से पीएक्स-13 के आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से कम है। यूरोपीय संघ से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में कटौती हो रही है।

(ख) कीमत ह्रास/मंदी

82. यह निर्धारण करने के उद्देश्य से कि क्या पाटित आयातों के कारण घरेलू कीमतों में ह्रास हो रहा है अथवा मंदी आ रही है और क्या इस प्रकार के आयातों के कारण बहुत अधिक सीमा तक कीमतों में ह्रास होने वाला है अथवा कीमतों में वृद्धि रुक जाने वाली है जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक सीमा तक हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति की अवधि के दौरान लागतों और कीमतों में परिवर्तनों पर विचार किया है। यह स्थिति नीचे दी गई तालिका के अनुसार दर्शाई गई है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	124	108	93
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	117	102
पाटनरोधी शुल्क के बिना आधार कीमत	रु./मी. टन	170957	205175	215316	217094
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	126	127
पाटनरोधी शुल्क के साथ आधार कीमत	रु./मी. टन	215226	254464	265287	270480
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	123	125

83. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों की पहुँच कीमत प्रारंभ में घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत से कम है परंतु क्षति की अवधि के पिछले दो वर्षों में इस प्रवृत्ति में सुधार हुआ है। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत पर कीमत ह्रास/मंदी का प्रभाव नगण्य है।

घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मानदंड

84. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में इस प्रकार के उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। इस प्रकार के उत्पादों पर घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों, जिसका बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर लाभ अथवा क्षमता का उपयोग सहित घरेलू उद्योग की स्थिति, घरेलू कीमतों/पाटन मार्जिन की मात्रा, पर प्रभाव डालने वाले कारकों; नकद प्रवाह, माल भंडार, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों पर प्रभाव पड़ता हो।

85. तदनुसार, घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मानदंडों का विश्लेषण यहां नीचे किया गया है:

(क) उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा

86. घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री, क्षमता एवं क्षमता उपयोग नीचे दर्शाए गए अनुसार रहा है:

पीएक्स-13

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
संस्थापित क्षमता	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	171	171	171
उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	204	188
क्षमता उपयोग (%)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	69	120	110
घरेलू बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	170	245

87. उपर्युक्त से यह नोट किया गया है कि पीएक्स-13 का घरेलू उद्योग का उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री में आधार वर्ष की तुलना में स्वतंत्र रूप में वृद्धि रही है।

(ख) मांग में बाजार हिस्सा

88. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में नीचे दर्शाए गए अनुसार रही है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
यूरोपीय संघ - संबद्ध देश	%	13.36	9.31	7.62	7.23
वे अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगता है	%	45.77	55.98	41.58	27.97
अन्य देश	%	0.07	1.17	0.92	3.13
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
कुल मांग	%	100.00	100.00	100.00	100.00

89. उपर्युक्त से यह देखा जाएगा कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 2013-14 में गिरावट के साथ क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। यूरोपीय संघ से पीएक्स-13 के आयातों के बाजार हिस्से में क्षति की अवधि के दौरान गिरावट आई है।

(ग) लाभप्रदता, निवेश पर लाभ और नकद लाभ

90. लाभ, निवेश पर लाभ और नकदी के प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन नीचे दिए गए अनुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
पीबीटी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(180)	(103)	(92)
पीबीआईटी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(108)	(29)	(41)
नकद लाभ - पीबीआईटी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(196)	(109)	(93)
आरओसीई	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(98)	(20)	(27)

91. घरेलू उद्योग को क्षति की पूरी अवधि के दौरान हानि हो रही है। घरेलू उद्योग को क्षति की अवधि के दौरान नकद हानि तथा नकारात्मक पीबीआईटी हुआ है। घरेलू उद्योग को क्षति की अवधि के दौरान निवेश पर नकारात्मक लाभ का सामना करना पड़ा है। हालांकि, आधार वर्ष तथा पूर्व वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में हानि में कमी आई है। उसी प्रकार से, जांच की अवधि के दौरान लाभ की दर आधार वर्ष की तुलना में बेहतर थी।

(घ) माल सूची

92. घरेलू उद्योग के पास माल सूची नीचे दिए गए अनुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
औसत स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	281	331

93. पीएक्स-13 में घरेलू उद्योग की माल सूची के स्तर में इस पूरी अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

(ङ) रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

94. रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन नीचे दिए गए अनुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	156	156	156
मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	246	262	344
उत्पादकता/दिन	मी. टन	***	***	***	***
उत्पादकता/कर्मचारी	मी. टन	***	***	***	***

95. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी नीचे दिए अनुसार नोट करते हैं:

- रोजगार के स्तर में वर्ष 2013-14 में वृद्धि हुई तथा उसके बाद वह स्थिर रहा।
- भुगतान की गई मजदूरी ने क्षति की अवधि के दौरान की वृद्धि दर्शाई है।
- प्रति दिन उत्पादकता तथा प्रति कर्मचारी उत्पादकता के संबंध में उत्पादकता ने भी आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि दर्शाई है।

(च) वृद्धि

96. पूर्व वर्षों की तुलना में वृद्धि के संबंध में घरेलू उद्योग का उत्पादन नीचे दिए गए अनुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
उत्पादन	%	आधार वर्ष	***	***	***
घरेलू बिक्री मात्रा	%	आधार वर्ष	***	***	***
प्रति कि. ग्रा. बिक्री कीमत	%	आधार वर्ष	***	***	***
प्रति कि. ग्रा. बिक्री की लागत	%	आधार वर्ष	***	***	***
आरओसीई	%	आधार वर्ष	***	***	***

97. यह नोट किया जाता है कि उत्पादन के मामले में घरेलू उद्योग की वृद्धि ने 2014-15 तक एक सकारात्मक प्रवृत्ति दर्शाई है जो जांच की अवधि के दौरान नकारात्मक हो गई। बिक्री ने एक सकारात्मक वृद्धि दर्शाई है। घरेलू उद्योग को हानि हो रही है और इसे नकद हानि तथा निवेश पर नकारात्मक लाभ का सामना करना पड़ रहा है।

(iv) क्षति विश्लेषण

प्राधिकारी नीचे दिए गए अनुसार नोट करते हैं:

- i. **पीएक्स-13-** यूरोपीय संघ से पीएक्स-13 का आयात मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद भारत में आयातों, उत्पादन और खपत की तुलना में बहुत अधिक रहा। कीमत प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि इन आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही थी और घरेलू उद्योग अपनी बिक्री कीमत को लागत के स्तरों तक बढ़ाने में सक्षम नहीं है। पीएक्स-13 में घरेलू उद्योग के माल सूची स्तर में इस पूरी अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। इन आयातों के कारण घरेलू कीमतों का ह्रास हो रहा था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को यूरोपीय संघ से पीएक्स-13 के पाटित आयातों के कारण क्षति हुई है।

क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

98. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यथा निर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की क्षति रहित कीमत की तुलना जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देश से इन निर्यातों के पहुँच मूल्य से की गई है और इस प्रकार से निर्धारित क्षति मार्जिन नीचे दिया गया है:

विवरण	यूनिट	पीएक्स-13	
		सोलुटिया	यूरोपीय संघ अन्य
क्षति रहित कीमत (एनआईपी)	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	***	***
पाटनरोधी शुल्क के बिना आधार मूल्य	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	3085.34	2665.71
क्षति मार्जिन	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	***	***
क्षति मार्जिन	%	***	***
क्षति मार्जिन	% रेंज	35-45	55-65

टीडीक्यू**(i) मांग का मूल्यांकन/प्रत्यक्ष खपत**

99. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के उद्देश्य से भारत में इस उत्पाद की मांग अथवा प्रत्यक्ष खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री तथा सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में परिभाषित किया है।

100. टीडीक्यू के लिए मांग नीचे तालिका में दी गई है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
यूरोपीय संघ - संबद्ध देश	मी. टन	10	51	473	244
वे अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगता है	मी. टन	781	1,220	1,878	983
अन्य देश	मी. टन	464	500	221	557
घरेलू उद्योग	मी. टन	3,677	4,714	4,850	4,693
अन्य भारतीय उत्पादक	मी. टन	4,095	2,688	2,404	2,600
कुल मांग	मी. टन	9,027	9,173	9,826	9,077

101. प्राधिकारी नोट करते हैं कि टीडीक्यू के लिए मांग में 2014-15 तक वृद्धि हुई है, परंतु जांच की अवधि के दौरान इसमें थोड़ी गिरावट आई थी जिसके फलस्वरूप मांग का पैटर्न समग्र रूप से स्थिर रहा।

(ii) पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभावआयात मात्रा और बाजार हिस्सा

102. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में बहुत अधिक वृद्धि स्वतंत्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में हुई है।
103. निम्नलिखित तालिका में आयात की मात्रा और बाजार हिस्से के संबंध में वास्तविक स्थिति का सारांश दिया गया है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
यूरोपीय संघ से आयात - संबद्ध देश	मी. टन	10	51	473	244
वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगता है, से आयात	मी. टन	781	1,220	1,878	983
अन्य देश से आयात	मी. टन	464	500	221	557
कुल आयात	मी. टन	1,255	1,771	2,571	1,784
की तुलना में आयात का हिस्सा					
▪ कुल आयात	%	0.76	2.91	18.38	13.65
▪ उत्पादन	%	***	***	***	***
▪ खपत	%	***	***	***	***

104. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी नीचे दिए गए अनुसार नोट करते हैं:

- (क) टीडीक्यू के आयातों में 2014-15 तक स्वतंत्र रूप से बहुत अधिक वृद्धि हुई है और उसके बाद जांच की अवधि में गिरावट आई।
- (ख) तुलनात्मक रूप में टीडीक्यू के आयातों की वही प्रवृत्ति रही है जो स्वतंत्र रूप में रही है।

(iii) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव(क) कीमत कटौती

105. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस पर विचार करे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों में बहुत अधिक सीमा तक कटौती होने वाली है अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाने वाली है जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक सीमा तक हुई होती। इस संबंध में, इस उत्पाद के पहुँच मूल्य और घरेलू उद्योग के औसत बिक्री मूल्य, जिसमें व्यापार के उसी स्तर पर सभी छूट और कर का निवल शामिल है, के बीच तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतों का निर्धारण कारखानागत स्तर पर किया गया था।
106. कीमत कटौती का निर्धारण निर्यात कीमत की तुलना संबद्ध वस्तुओं का भारत में घरेलू बिक्री कीमत से करते हुए की गई है।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
संबद्ध देश की आधार कीमत	रु./मी. टन	172505	170809	162159	164722
निवल बिक्री वसूली	रु./ मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./ मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	नकारात्मक	0-10	15-25	0-10

107. उपर्युक्त से, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूरोपीय संघ से टीडीक्यू के आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से कम है। यूरोपीय संघ से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में कटौती हो रही है।

(ख) कीमत ह्रास/मंदी

108. यह निर्धारण करने के उद्देश्य से कि क्या पाटित आयातों के कारण घरेलू कीमतों में ह्रास हो रहा है अथवा मंदी आ रही है और क्या इस प्रकार के आयातों के कारण बहुत अधिक सीमा तक कीमतों में ह्रास होने वाला है अथवा कीमतों में वृद्धि रुक जाने वाली है जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक सीमा तक हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति की अवधि के दौरान लागतों और कीमतों में परिवर्तनों पर विचार किया है। यह स्थिति नीचे दी गई तालिका के अनुसार दर्शाई गई है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	113	89
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	132	112
पाटनरोधी शुल्क के बिना आधार कीमत	रु./मी. टन	172505	170809	162159	164722
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	94	95
पाटनरोधी शुल्क सहित आधार कीमत	रु./मी. टन	186824	186752	178322	181990
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99.9	95.7	97.6

109. प्राधिकारी नोट करते हैं कि टीडीक्यू की निवल बिक्री कीमत में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई। इस प्रकार से घरेलू उद्योग की कीमतों का कीमत ह्रास/मंदी बिक्री की लागत में गिरावट के बावजूद नगण्य है।

घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मानदंड

110. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में इस प्रकार के उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। इस प्रकार के उत्पादों पर घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों, जिसका बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर लाभ अथवा क्षमता का उपयोग सहित घरेलू उद्योग की स्थिति, घरेलू कीमतों, पाटन मार जिन की मात्रा पर प्रभाव डालने वाले कारकों; नकद प्रवाह, माल भंडार, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों पर प्रभाव पड़ता हो।
111. तदनुसार, घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मानदंडों का विश्लेषण यहां नीचे किया गया है:

(क) उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा

112. घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री, क्षमता एवं क्षमता उपयोग नीचे दर्शाए गए अनुसार रहा है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
संस्थापित क्षमता	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	111	111
उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	104	98
क्षमता उपयोग(%)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	94	89
घरेलू बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	128	132	128

113. उपर्युक्त से नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के पाटन और क्षमता उपयोग में आधार वर्ष की तुलना में गिरावट आई है। इसका कारण संस्थापित क्षमता में वृद्धि हो सकती है। हालांकि, टीडीक्यू की घरेलू उद्योग की बिक्री में स्वतंत्र रूप में वृद्धि हुई है।

(ख) मांग में बाजार हिस्सा

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
यूरोपीय संघ - संबद्ध देश	%	0.11	0.56	4.81	2.68
पाटनरोधी शुल्क लगने वाले देश	%	8.66	13.30	19.11	10.83
अन्य देश	%	5.14	5.45	2.25	6.14
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
कुल मांग	%	100.00	100.00	100.00	100.00

114. उपर्युक्त से यह देखा जा सकता है कि यूरोपीय संघ से टीडीक्यू के आयातों का बाजार हिस्से में 2014-15 तक वृद्धि हुई है, लेकिन जांच की अवधि के दौरान इसमें गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई।

(ग) लाभप्रदता, निवेश पर लाभ और नकद लाभ

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
पीबीटी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	111	111
पीबीआईटी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	694	1,304	1,420
नकद लाभ - पीबीटी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	578	1,060	1,216
आरओसीई	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	463	934	830

115. प्राधिकारी नोट करते हैं कि टीडीक्यू के लिए घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में क्षति की अवधि के दौरान कई गुना सुधार आया है और घरेलू उद्योग को लाभ हुआ है। पीबीआईटी, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर लाभ में भी क्षति की अवधि के दौरान बहुत अधिक सुधार हुआ है।

(घ) माल सूची

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
औसत स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	82	104

116. टीडीक्यू में घरेलू उद्योग का माल सूची स्तर 2014-15 में मामूली गिरावट के साथ सतत रहा है।

(ड) रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	111	111
मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	158	152	234
उत्पादकता/दिन	मी. टन	***	***	***	***
उत्पादकता/कर्मचारी	मी. टन	***	***	***	***

117. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी नीचे दिए गए अनुसार नोट करते हैं:

- वर्ष 2013-14 में रोजगार के स्तर में वृद्धि हुई और उसके बाद यह स्थिर रहा।
- भुगतान की गई मजदूरी में आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है।
- प्रति दिन उत्पादकता क्षति की अवधि के दौरान स्थिर रही है, जबकि प्रति उत्पादकता कर्मचारी में क्षति की अवधि के दौरान गिरावट आई है।

(च) वृद्धि

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
उत्पादन	%	आधार वर्ष	***	***	***
घरेलू बिक्री मात्रा	%	आधार वर्ष	***	***	***
प्रति कि. ग्रा. बिक्री कीमत	%	आधार वर्ष	***	***	***
प्रति कि. ग्रा. बिक्री की लागत	%	आधार वर्ष	***	***	***
आरओसीई	%	आधार वर्ष	***	***	***

118. यह नोट किया जाता है कि बिक्री और उत्पादन के मामले में घरेलू उद्योग की बिक्री जांच की अवधि के दौरान नकारात्मक रही है। बिक्री की कीमत में गिरावट बिक्री कीमत में गिरावट से अधिक हुई है जिसके फलस्वरूप लाभ हुआ है। घरेलू उद्योग ने लाभ और नियोजित पूंजी पर लाभ में वृद्धि दर्शाई है।

119. क्षति विश्लेषण

प्राधिकारी नीचे दिए गए अनुसार नोट करते हैं:

120. टीडीक्यू: यूरोपीय संघ से टीडीक्यू का आयात मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद भारत में आयातों, उत्पादन और खपत की तुलना में बहुत अधिक रहा। कीमत प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि इन आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही थी। तथापि, घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में उत्पादन, लाभ, पीबीआईटी, नकद लाभ और निवेश पर लाभ के मामले में क्षति की अवधि के दौरान सुधार हुआ है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

I. क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

121. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यथा निर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की क्षति रहित कीमत की तुलना जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देश से इन निर्यातों के पहुँच मूल्य से की गई है और इस प्रकार से निर्धारित क्षति मार्जिन नीचे दिया गया है:

विवरण	यूनिट	टीडीक्यू
		यूरोपीय संघ
	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	***
पाटनरोधी शुल्क के बिना आधार मूल्य	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	2499.25
क्षति मार्जिन	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	***
क्षति मार्जिन	%	***
क्षति मार्जिन	% रेंज	नकारात्मक

एमओआर

(i) मांग का मूल्यांकन/प्रत्यक्ष खपत

122. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के उद्देश्य से भारत में इस उत्पाद की मांग अथवा प्रत्यक्ष खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री तथा सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में परिभाषित किया है।

123. एमओआर के लिए मांग नीचे तालिका में दी गई है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
चीन जन गण - संबद्ध देश	मी. टन	334	421	533	519
अन्य देश	मी. टन	701	623	38	2
घरेलू उद्योग	मी. टन	1,416	1,535	1,494	1,441
अन्य उत्पादक	मी. टन	928	274	80	86
कुल मांग	मी. टन	3,378	2,853	2,144	2,049

1. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एमओआर के लिए मांग में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है:

(ii) पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

124. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में बहुत अधिक वृद्धि स्वतंत्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में हुई है।

125. निम्नलिखित तालिका में आयात की मात्रा और बाजार हिस्से के संबंध में वास्तविक स्थिति का सारांश दिया गया है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
चीन जन गण से आयात – संबद्ध देश	मी. टन	334	421	533	519
अन्य देश से आयात	मी. टन	701	623	38	2
कुल आयात	मी. टन	1,035	1,044	571	521
की तुलना में आयात का हिस्सा					
▪ कुल आयात	%	32.25	40.31	93.36	99.57
▪ उत्पादन	%	***	***	***	***
▪ खपत	%	***	***	***	***

2. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी नीचे दिए गए अनुसार नोट करते हैं:

(क) एमओआर के आयातों में स्वतंत्र रूप में क्षति की पूरी अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

(ख) इसके अलावा, सापेक्ष रूप में आयातों की वही प्रवृत्ति रही है जो स्वतंत्र रूप में रही है।

(iii) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

(क) कीमत कटौती

126. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस पर विचार करे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों में बहुत अधिक सीमा तक कटौती होने वाली है अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाने वाली है जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक सीमा तक हुई होती। इस संबंध में, इस उत्पाद के पहुँच मूल्य और घरेलू उद्योग के औसत बिक्री मूल्य, जिसमें व्यापार के उसी स्तर पर सभी छूट और कर का निवल शामिल है, के बीच तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतों का निर्धारण कारखानागत स्तर पर किया गया था।
127. कीमत कटौती का निर्धारण निर्यात कीमत की तुलना संबद्ध वस्तुओं का भारत में घरेलू बिक्री कीमत से करते हुए की गई है।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
संबद्ध देश की आधार कीमत	रु./मी. टन	235972	255090	268263	242901
निवल बिक्री वसूली	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	10-20	15-25	15-25	15-25

128. उपर्युक्त से, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन से एमओआर के आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से कम है। चीन से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में कटौती हो रही है।

(ख) कीमत ह्रास/मंदी

129. यह निर्धारण करने के उद्देश्य से कि क्या पाटित आयातों के कारण घरेलू कीमतों में ह्रास हो रहा है अथवा मंदी आ रही है और क्या इस प्रकार के आयातों के कारण बहुत अधिक सीमा तक कीमतों में ह्रास होने वाला है अथवा कीमतों में वृद्धि रुक जाने वाली है जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक सीमा तक हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति की अवधि के दौरान लागतों और कीमतों में परिवर्तनों पर विचार किया है। यह स्थिति नीचे दी गई तालिका के अनुसार दर्शाई गई है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	106	98
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	128	117
पाटनरोधी शुल्क के बिना आधार कीमत	रु./मी. टन	235972	255090	268263	242901
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	114	103
पाटनरोधी शुल्क सहित आधार कीमत	रु./मी. टन	278055	301944	315766	293651
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	114	106

130. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जबकि उत्पादन की लागत में गिरावट आई है, एमओआर की निवल बिक्री कीमत में आधार अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। इस प्रकार से घरेलू उद्योग की कीमतों का कीमत ह्रास/मंदी प्रभाव नगण्य रहा है।

घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मानदंड

131. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में इस प्रकार के उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। इस प्रकार के उत्पादों पर घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों, जिसका विक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर लाभ अथवा क्षमता का उपयोग सहित घरेलू उद्योग की स्थिति, घरेलू कीमतों/पाटन मार्जिन की मात्रा, पर प्रभाव डालने वाले कारकों; नकद प्रवाह, माल भंडार, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों पर प्रभाव पड़ता हो।

132. तदनुसार, घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मानदंडों का विश्लेषण यहां नीचे किया गया है:

(क) उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और विक्री मात्रा

133. घरेलू उद्योग का उत्पादन, विक्री, क्षमता एवं क्षमता उपयोग नीचे दर्शाए गए अनुसार रहा है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
संस्थापित क्षमता	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	137	110
क्षमता उपयोग(%)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	137	110
घरेलू विक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	106	102

134. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि उत्पादन और क्षमता उपयोग में 2014-15 तक वृद्धि हुई है लेकिन जांच की अवधि में इसमें गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की विक्री में 2013-14 में वृद्धि हुई है परंतु उसके बाद इसमें गिरावट आई है।

(ख) मांग में बाजार हिस्सा

135. घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा नीचे दिए दर्शाए गए अनुसार रहा है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
चीन जन गण - संबद्ध देश	%	9.88	14.75	24.85	25.33
अन्य देश	%	20.75	21.84	1.77	0.11
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
कुल मांग	%	100.00	100.00	100.00	100.00

136. उपर्युक्त से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग और चीन जन गण से एमओआर के आयातों, दोनों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है।

(ग) लाभप्रदता, निवेश पर लाभ और नकद लाभ

137. लाभ, निवेश पर लाभ और नकदी के प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन नीचे दिए गए अनुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
पीबीटी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	367	652	546
पीबीआईटी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	341	590	480
नकद लाभ - पीबीडीटी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	342	601	505
आरओसीई	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	319	537	577

138. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एमओआर के लिए घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में क्षति की अवधि के दौरान कई गुना सुधार आया है और घरेलू उद्योग को लाभ हुआ है। पीबीआईटी, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर लाभ में भी क्षति की अवधि के दौरान बहुत अधिक सुधार हुआ है।

(घ) माल सूची

139. घरेलू उद्योग के पास माल सूची नीचे दिए गए अनुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
औसत स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	51	68	63

140. एमओआर में घरेलू उद्योग की माल सूची के स्तर में क्षति की अवधि के दौरान उतार-चढ़ाव होता रहा। हालांकि, माल सूची में आधार वर्ष से गिरावट आई है।

(ङ) रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

141. रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन नीचे दिए गए अनुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	101	114
उत्पादकता/दिन	मी. टन	***	***	***	***
उत्पादकता/कर्मचारी	मी. टन	***	***	***	***

142. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी नीचे दिए अनुसार नोट करते हैं:

- रोजगार का स्तर क्षति की अवधि की शेष अवधि के दौरान समान स्तर पर रहा है।
- भुगतान की गई मजदूरी में वर्ष 2014-15 तक गिरावट आई है और उसके बाद जांच की अवधि के दौरान इसमें वृद्धि हुई।

- प्रति दिन उत्पादकता क्षति की अवधि के दौरान सतत रही है जबकि प्रति कर्मचारी उत्पादकता में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है परंतु जांच की अवधि में इसमें गिरावट आई।

(च) वृद्धि

143. पूर्व वर्षों की तुलना में वृद्धि के संबंध में घरेलू उद्योग का उत्पादन नीचे दिए गए अनुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
उत्पादन	%	आधार वर्ष	***	***	***
घरेलू बिक्री मात्रा	%	आधार वर्ष	***	***	***
प्रति कि. ग्रा. बिक्री कीमत	%	आधार वर्ष	***	***	***
प्रति कि. ग्रा. बिक्री की लागत	%	आधार वर्ष	***	***	***
आरओसीई	%	आधार वर्ष	***	***	***

144. यह नोट किया जाता है कि बिक्री और उत्पादन के मामले में घरेलू उद्योग की वृद्धि जांच की अवधि में नकारात्मक रही है। बिक्री की लागत में गिरावट बिक्री कीमत में गिरावट से अधिक हुई है जिसके फलस्वरूप लाभ हुआ है। घरेलू उद्योग ने लाभ और नियोजित पूंजी पर लाभ में सुधार दर्शाया है।

145. क्षति विश्लेषण

प्राधिकारी नीचे दिए गए अनुसार नोट करते हैं:

एमओआर: चीन जन गण से एमओआर का आयात मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद भारत में आयातों, उत्पादन और खपत की तुलना में बहुत अधिक रहा। कीमत प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि इन आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही थी। तथापि, घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में उत्पादन, लाभ, पीबीआईटी, नकद लाभ और निवेश पर लाभ के मामले में क्षति की अवधि के दौरान सुधार हुआ है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

ज. क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

146. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यथा निर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की क्षति रहित कीमत की तुलना जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देश से इन निर्यातों के पहुँच मूल्य से की गई है और इस प्रकार से निर्धारित क्षति मार्जिन नीचे दिया गया है:

विवरण	यूनिट	एमओआर
		चीन जन गण
क्षति रहित कीमत (एनआईपी)	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	***
पाटनरोधी शुल्क के बिना आधार मूल्य	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	3685.42
क्षति मार्जिन	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	***
क्षति मार्जिन	%	***
क्षति मार्जिन	% रेंज	0-10

एमबीटीएस

(i) मांग का मूल्यांकन/प्रत्यक्ष खपत

147. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के उद्देश्य से भारत में इस उत्पाद की मांग अथवा प्रत्यक्ष खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री तथा सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में परिभाषित किया है।

148. एमबीटीएस के लिए मांग नीचे तालिका में दी गई है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
चीन जन गण- संबद्ध देश	मी. टन	673	158	401	617
अन्य देश	मी. टन	386	527	634	440
घरेलू उद्योग	मी. टन	977	1,006	1,097	1,242
अन्य उत्पादक	मी. टन	558	288	45	60
कुल मांग	मी. टन	2,595	1,979	2,176	2,358

प्राधिकारी नोट करते हैं कि एमबीटीएस के लिए मांग में 2013-14 में गिरावट आई है लेकिन उसके बाद 2014-15 से इसमें वृद्धि हुई है। आयातों में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट आई है।

(ii) पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

149. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में बहुत अधिक वृद्धि स्वतंत्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में हुई है।

150. निम्नलिखित तालिका में आयात की मात्रा और बाजार हिस्से के संबंध में वास्तविक स्थिति का सारांश दिया गया है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
चीन जन गण से आयात – संबद्ध देश	मी. टन	673	158	401	617
अन्य देश से आयात	मी. टन	386	527	634	440
कुल आयात	मी. टन	1,059	685	1,034	1,057
की तुलना में आयात का हिस्सा					
• कुल आयात	%	63.57	23.06	38.73	58.37
• उत्पादन	%	***	***	***	***
• खपत	%	***	***	***	***

151. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी नीचे दिए गए अनुसार नोट करते हैं:

(क) एमबीटीएस के आयातों में वर्ष 2013-14 में बहुत अधिक गिरावट आई है लेकिन उसके बाद 2014-15 में इसमें वृद्धि हुई है और उससे आगे जांच की अवधि में भी इसमें वृद्धि हुई है।

(ख) इसके अलावा, सापेक्ष रूप में आयातों की वही प्रवृत्ति रही है जो स्वतंत्र रूप में रही है।

(iii) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

(क) कीमत कटौती

152. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस पर विचार करे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों में बहुत अधिक सीमा तक कटौती होने वाली है अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाने वाली है जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक सीमा तक हुई होती। इस संबंध में, इस उत्पाद के पहुँच मूल्य और घरेलू उद्योग के औसत बिक्री मूल्य, जिसमें व्यापार के उसी स्तर पर सभी छूट और कर का निवल शामिल है, के बीच तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतों का निर्धारण कारखानागत स्तर पर किया गया था।

153. कीमत कटौती का निर्धारण निर्यात कीमत की तुलना संबद्ध वस्तुओं का भारत में घरेलू बिक्री कीमत से करते हुए की गई है।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
संबद्ध देश की आधार कीमत	रु./मी. टन	165952	193457	236375	198154
निवल बिक्री वसूली	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	10-20	15-25	10-20	20-30

154. उपर्युक्त से, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन से एमबीटीएस के आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से कम है। चीन से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में कटौती हो रही है।

(छ) कीमत हास/मंदी

155. यह निर्धारण करने के उद्देश्य से कि क्या पाटित आयातों के कारण घरेलू कीमतों में हास हो रहा है अथवा मंदी आ रही है और क्या इस प्रकार के आयातों के कारण बहुत अधिक सीमा तक कीमतों में हास होने वाला है अथवा कीमतों में वृद्धि रुक जाने वाली है जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक सीमा तक हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति की अवधि के दौरान लागतों और कीमतों में परिवर्तनों पर विचार किया है। यह स्थिति नीचे दी गई तालिका के अनुसार दर्शाई गई है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	104	92
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	140	132
पाटनरोधी शुल्क के बिना आधार कीमत	रु./मी. टन	165952	193457	236375	198154
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	142	119
पाटनरोधी शुल्क सहित आधार कीमत	रु./मी. टन	178522	207452	250564	213313
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	116	140	119

प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन की लागत में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान गिरावट आई है लेकिन 2013-14 और 2014-15 में उसमें वृद्धि हुई थी। एमबीटीएस की निवल बिक्री कीमत सतत रूप से 2014 तक बढ़ी लेकिन जांच की अवधि के दौरान इसमें गिरावट आई। हालांकि, आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की तुलना में कम है। इस प्रकार से घरेलू उद्योग की कीमतों का कीमत हास/मंदी का प्रभाव नगण्य है।

घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मानदंड

156. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में इस प्रकार के उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। इस प्रकार के उत्पादों पर घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों, जिसका बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर लाभ अथवा क्षमता का उपयोग सहित घरेलू उद्योग की स्थिति, घरेलू कीमतों/पाटन मार्जिन की मात्रा, पर प्रभाव डालने वाले कारकों; नकद प्रवाह, माल भंडार, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों पर प्रभाव पड़ता हो।

157. तदनुसार, घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मानदंडों का विश्लेषण यहां नीचे किया गया है:

(क) उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा

158. घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री, क्षमता एवं क्षमता उपयोग नीचे दर्शाए गए अनुसार रहा है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
संस्थापित क्षमता	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	112	109
क्षमता उपयोग(%)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	112	109
घरेलू बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	112	127

159. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि उत्पादन और क्षमता उपयोग में 2014-15 तक वृद्धि हुई है परंतु जांच की अवधि में इसमें गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की बिक्री में क्षति की पूरी अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

(ख) मांग में बाजार हिस्सा

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
चीन जन गण- संबद्ध देश	%	25.95	7.98	18.41	26.15
अन्य देश	%	14.87	26.61	29.12	18.65
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
कुल मांग	%	100.00	100.00	100.00	100.00

160. उपर्युक्त से यह देखा जा सकता है कि चीन जन गण के बाजार हिस्से में 2013-14 में गिरावट आई है लेकिन उसके बाद इसमें वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में क्षति की अवधि की तुलना में वृद्धि हुई है।

(ग) लाभप्रदता, निवेश पर लाभ और नकद लाभ

161. लाभ, निवेश पर लाभ और नकदी के प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन नीचे दिए गए अनुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
पीबीटी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	212	679	842
पीबीआईटी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	208	638	773
नकद लाभ - पीबीआईटी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	208	654	809
आरओसीई	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	215	547	722

162. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एमबीटीएस के लिए घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में क्षति की अवधि के दौरान कई गुना सुधार आया है और घरेलू उद्योग को लाभ हुआ है। पीबीआईटी, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर लाभ में भी क्षति की अवधि के दौरान बहुत अधिक सुधार हुआ है।

(ग) माल सूची

163. घरेलू उद्योग के पास माल सूची नीचे दिए गए अनुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
औसत स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	56	56	71

164. एमबीटीएस में घरेलू उद्योग के माल सूची के स्तर में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट आई है।

(ङ) रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

165. रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन नीचे दिए गए अनुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	56	66	80
उत्पादकता/दिन	मी. टन	***	***	***	***
उत्पादकता/कर्मचारी	मी. टन	***	***	***	***

166. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी नीचे दिए अनुसार नोट करते हैं:

- प्रति कर्मचारी उत्पादकता में क्षति की अवधि की तुलना में वृद्धि हुई है लेकिन जांच की अवधि में इसमें गिरावट आई है।
- रोजगार का स्तर क्षति की अवधि के दौरान स्थिर रहा।
- भुगतान की गई मजदूरी में क्षति की अवधि के दौरान गिरावट आई है।
- प्रति दिन उत्पादकता क्षति की अवधि की तुलना में स्थिर रही है जबकि प्रति कर्मचारी उत्पादकता में जांच की अवधि में मामूली गिरावट के साथ क्षति की अवधि की तुलना में वृद्धि दर्शाई है।

(च) वृद्धि

167. पूर्व वर्षों की तुलना में वृद्धि के संबंध में घरेलू उद्योग का उत्पादन नीचे दिए गए अनुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
उत्पादन	%	आधार वर्ष	***	***	***
घरेलू बिक्री मात्रा	%	आधार वर्ष	***	***	***
प्रति कि. ग्रा. बिक्री कीमत	%	आधार वर्ष	***	***	***
प्रति कि. ग्रा. बिक्री की लागत	%	आधार वर्ष	***	***	***
आरओसीई	%	आधार वर्ष	***	***	***

168. यह नोट किया जाता है कि उत्पादन के मामले में घरेलू उद्योग की वृद्धि ने जांच की अवधि में नकारात्मक वृद्धि दर्शाई है। हालांकि, बिक्री के मामले में वृद्धि सकारात्मक है। बिक्री की लागत में गिरावट बिक्री कीमत में गिरावट से अधिक हुई है जिसके फलस्वरूप लाभ हुआ है। घरेलू उद्योग ने लाभ और नियोजित पूंजी पर लाभ में पर्याप्त सुधार दर्शाया है।

- क्षति विश्लेषण

प्राधिकारी नीचे दिए गए अनुसार नोट करते हैं:

169. **एमबीटीएस:** चीन जन गण से एमबीटीएस का आयात मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद भारत में आयातों, उत्पादन और खपत की तुलना में बहुत अधिक रहा। कीमत प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि इन आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही थी। तथापि, घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में उत्पादन, लाभ, पीबीआईटी, नकद लाभ और निवेश पर लाभ के मामले में क्षति की अवधि के दौरान सुधार हुआ है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

170. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यथा निर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की क्षति रहित कीमत की तुलना जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देश से इन निर्यातों के पहुँच मूल्य से की गई है और इस प्रकार से निर्धारित क्षति मार्जिन नीचे दिया गया है:

विवरण	यूनिट	एमबीटीएस
		चीन जन गण
क्षति रहित कीमत (एनआईपी)	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	
पाटनरोधी शुल्क के बिना आधार मूल्य	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	3006.49
क्षति मार्जिन	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	***
क्षति मार्जिन	%	
क्षति मार्जिन	% रेंज	नकारात्मक

ट. पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा उसके पुनः होने की संभावना

घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

171. घरेलू उद्योग द्वारा पाटन के जारी रहने की संभावना और उसके परिणामस्वरूप क्षति के पुनः होने की संभावना के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किया गया है:

- पाटन की संभावना से संबंधित कारक वर्तमान मामले में क्षति की संभावना से भी संबंधित हैं और उन पर भरोसा किया गया है।
- वर्तमान पाटन के न होने का किसी भी प्रकार से यह आशय नहीं है कि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन की कोई संभावना नहीं है।
- वास्तविक क्षति और क्षति की संभावना का निर्धारण करने के लिए क्षति मार्जिन और क्षति रहित कीमत पर भरोसा नहीं किया जा सकता है और यदि ऐसा किया जाता है तब वह निरमा लि. बनाम भारतीय संघ, विशेष सिविल आवेदन संख्या 16426/2016 और 16427/2016ए में अहमदाबाद उच्च न्यायालय के दिए गए फैसले के विरुद्ध होगा।
- जबकि वर्तमान आयात मात्रा और आयात कीमतें कोई वर्तमान क्षति नहीं दर्शा सकती हैं, वह वर्तमान मामले में यह दर्शाने के लिए पर्याप्त नहीं है कि क्षति के बार-बार होने की संभावना नहीं है।

- v. घरेलू बाजार में किए गए आयात पाटित कीमतों पर किए गए हैं; यह मात्रा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद पिछले 10 वर्षों से बहुत अधिक रही है। पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में पाटित संबद्ध वस्तुओं का व्यापक मात्रा में आयातों की भारी संभावना है।
- vi. अलग-अलग संबद्ध देशों में निर्यातकों/उत्पादकों के पास पीएक्स-13, टीडीक्यू, एमओआर और एमबीटीएस के लिए क्रमशः 119500 टीपीए, 13500 टीपीएस, 6220 टीपीए और 58630 टीपीए की अतिरिक्त क्षमता है। यह इस बात को सिद्ध करती है कि इन शुल्कों को हटाए जाने की स्थिति में भारत में निर्यात और अधिक होगा।
- vii. संबद्ध देशों में मौजूदा अतिरिक्त क्षमताओं के तथ्य को ध्यान में रखकर यह माना जा सकता है कि विदेशी उत्पादक लघु अवधि में अपना उत्पादन बढ़ा सकते हैं।
- viii. पूर्व जांचों में अलग-अलग संबद्ध देशों के संबंध में पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम से अधिक है बल्कि पर्याप्त भी है। वर्तमान जांच की अवधि में पाटन मार्जिन टीडीक्यू को छोड़कर सकारात्मक और पर्याप्त है। हालांकि, जांच की बाद की अवधि के दौरान, टीडीक्यू का आयात भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर हो रहा है।
- ix. मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों के बिना कीमत में कटौती प्रत्येक वस्तु रबर, केमिकल के लिए सकारात्मक है।
- x. आयात की कीमतें घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत अधिक कम है। इस कारण से उपभोक्ता पाटनरोधी शुल्क को हटाए जाने की स्थिति में आयात किए गए उत्पाद को अपनाएंगे जिसके फलस्वरूप इस उत्पाद के आयातों में बहुत अधिक वृद्धि होगी।
- xi. सोलुटिया के प्रश्नावली का उत्तर अपने-आप में यह दर्शाता है कि निर्यातक ने मौजूद पाटनरोधी शुल्क के कारण अपने व्यवहार में परिवर्तन लाया है। पाटनरोधी शुल्क को हटाए जाने की स्थिति में, ये आयात भारतीय बाजार में संभवतः होंगे और जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।
- xii. चीन के रबर केमिकल उद्योग को अत्यधिक क्षमता का सामना करना पड़ रहा है। पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में ये आयात भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर संभवतः होंगे।
- xiii. बहुत अधिक वैश्विक अतिरिक्त क्षमता है।
- xiv. पीएक्स-13 के मामले में संभावना को इससे आगे लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद वर्तमान पाटन और क्षति के मद्देनजर सिद्ध होती है।
- xv. एमओआर में घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना आगे इस बात से सिद्ध होती है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में एमओआर के लिए मांग में एमओआर के स्थान पर एनएस/टीडीएस को प्रतिस्थापित किए जाने के कारण गिरावट आ रही है। संबद्ध देशों में निर्यातक अपनी मात्रा बेचने के उद्देश्य से बढ़ते हुए क्रम में कीमत दबाव डेल रहे हैं।
- xvi. टीडीक्यू के मामले में, मासिक आयात कीमत जांच की अवधि के अंत की ओर गिरती हुई प्रवृत्ति को दर्शाते हैं और वह पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन और क्षति की उनकी संभावना को दर्शाने के लिए अधिक उपयुक्त है। इसके अलावा, किसी भी मामले में आयात पाटित कीमतों पर होते हैं।
- xvii. पाटनरोधी शुल्क को हटाए जाने की स्थिति में, घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से प्रतिस्पर्द्धा करने के लिए अपनी बिक्री कीमत को कम करना पड़ेगा और यह बिक्री की लागत से भी कम हो जाएगा जिसके फलस्वरूप गंभीर कीमत क्षति होगी।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

172. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा पाटन के जारी रहने की संभावना और उसके परिणामस्वरूप क्षति के पुनः होने की संभावना के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किया गया है:
 - i. वास्तविक क्षति के पुनः होने का कोई मामला नहीं है।

- ii. उत्तर देने वाले निर्यातक ने यह तर्क दिया है कि आयातों में जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक गिरावट आई है और यह प्रवृत्ति संभवतः जारी रहेगी तथा इस प्रकार से पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके पुनः होने का कोई जोखिम नहीं है। कीमत में कोई कटौती अथवा ह्रास और मंदी नहीं है।
- iii. याचिकाकर्ता का यह तर्क कि यह निर्यातकों के लिए इनकी सूचना के आधार पर सिद्ध करने के लिए है कि पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में पाटन के जारी रहने, उसके और अधिक होने अथवा उसके पुनः होने की संभावना नहीं है, विश्व व्यापार संगठन की स्थापित प्रथा के विरुद्ध है और यह प्राधिकारी को भ्रमित करने का एक प्रयास है।
- iv. याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़े पाटन के पुनः होने अथवा उसके जारी रहने की संभावना अथवा क्षति के मौजूद होने को प्रमाणित नहीं करता है और यूरोपीय संघ से पीएक्स-13 के आयातों द्वारा उत्पन्न होने वाली क्षति के मौजूद होने एवं उसकी संभावना को दर्शा नहीं पाते हैं।
- v. याचिकाकर्ता के तर्क के ठीक विरुद्ध, यदि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त हो जाता है तब वास्तविक क्षति के पुनः होने का निर्धारण भविष्य में क्षति की “संभावना” के आधार पर की गई है तथा उसे पूर्व की जांचों में निर्धारित पाटन मार्जिन के आधार पर स्थापित नहीं किया जा सकता है।
- vi. घरेलू उद्योग का आयात की मात्रा में वृद्धि के संबंध में दावा सही नहीं है।
- vii. घरेलू उद्योग द्वारा यह दर्शाने के लिए उपलब्ध कराए गए साक्ष्य कि निर्यातकों के पास बहुत अधिक अतिरिक्त उत्पादन क्षमताएं हैं, इस बात का विशिष्ट उल्लेख नहीं करती है कि क्या आपूर्ति की क्षमता का लक्ष्य भारत है।
- viii. आवेदकों के अनुसार, निर्यातकों के पास बहुत अधिक अतिरिक्त उत्पादन क्षमताएं हैं। हालांकि, इस संबंध में दिया गया साक्ष्य इस बात का विशिष्ट उल्लेख नहीं करता है कि क्या अतिरिक्त क्षमता का लक्ष्य भारत है।
- ix. घरेलू उद्योग ने यह भी दावा किया है कि संबद्ध देशों से आयात से संभवतः घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती होगी। हालांकि, यह अपने-आप में इस बात को स्वीकार कर रहा है कि एमओआर, टीडीक्यू तथा एमबीटीएस के संबंध में आयात न तो घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव डाल रहे हैं और न ही इसमें कोई मंदी आ रही है। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में वृद्धि हुई है जबकि बिक्री की लागत में उसी अवधि के दौरान गिरावट आई है। इसके अलावा, पहुँच मूल्य भी सतत रूप से बढ़ा है।
- x. विचाराधीन उत्पाद की आयात कीमत में घरेलू उद्योग की कीमतों की तुलना में अधिक है। इस कारण से विचाराधीन उत्पाद की कीमत की संवेदनशीलता तथा भारतीय बाजार के दावे इस जांच में कीमत में कोई क्षति होने के कारण नहीं की गई है।
- xi. संबद्ध देशों में निर्यात करने वाले उत्पादकों की अतिरिक्त क्षमता के संबंध में सूचना पिछली अंतिम निर्णायक समीक्षा से ली गई है जिस पर विचार नहीं किया जाना चाहिए था क्योंकि यह नए घटनाक्रम को नहीं दर्शाते हैं।
- xii. उपलब्ध क्षमता का विश्लेषण केवल अनुमानित घरेलू मांग पर विचार करता है और यूरोपीय संघ के उत्पादकों की निर्यात बिक्री की उपेक्षा करता है। प्राधिकारी को एक अलग और अधिक सटीक पद्धति, जो निर्यात की गई मात्रा को एकीकृत करती हो, का उपयोग करते हुए अतिरिक्त क्षमता का विश्लेषण करना चाहिए।
- xiii. भारतीय बाजार की कीमत आकर्षकता के लिए घरेलू उद्योग द्वारा किया गया विश्लेषण पर्याप्त नहीं है और अन्य बाजारों पर कीमतों का विश्लेषण इस बात का आकलन करने के उद्देश्य से किया जाना चाहिए था कि भारतीय बाजार वास्तव में किस प्रकार से आकर्षक है।
- xiv. प्राधिकारी को व्यापार अनुरोधों के अभाव में उनके कीमत व्यवहार का एक सार्थक विश्लेषण करने के उद्देश्य से यूरोपीय संघ के निर्यात करने वाले उत्पादकों का अन्य बाजारों में निर्यात बाजार का भी आकलन करना चाहिए।

- xv. पीएक्स-13 और टीडीक्यू के लिए यूरोपीय संघ की आयात कीमतों में जांच की अवधि की तुलना में घरेलू कीमतों से बहुत अधिक वृद्धि हुई है और इसके साथ ही ये कीमतें जांच की अवधि में अन्य देशों के मूल के बहुत अधिक मात्रा में किए गए आयातों की कीमतों से बहुत अधिक थी।
- xvi. निर्णायक समीक्षा जांच में वास्तविक क्षति का निर्धारण करते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी जांच की अवधि के बाद की प्रवृत्ति का भी मूल्यांकन करते हैं जो घरेलू उद्योग के ओएच डब्ल्यूएस के बाद थी जो घरेलू उद्योग के वास्तविक क्षति के पुनः होने की संभावना के दावे पर प्रश्न खड़ा करती है।
- xvii. ड्राय सेल बैट्री के मामले के अनुसार, दूसरी निर्णायक समीक्षा को “विशिष्ट मामला” के रूप में माना जा रहा है जिसका अर्थ यह होता है कि कुछ “अतिरिक्त परिस्थितियों” को भी भारतीय पाटनरोधी नियमावली में उल्लिखित परिस्थितियों के साथ-साथ स्थापित किए जाने की आवश्यकता है।
- xviii. ओएच डब्ल्यूएस के बाद घरेलू उद्योग द्वारा संदर्भित गुजरात उच्च न्यायालय का फैसला एक एमटीआर पर है और डीजीएडी की प्रथा के अनुसार, यह अंतिम निर्णायक समीक्षा अथवा किसी अन्य जांच से अलग है।
- xix. इन अंतिम जांच परिणामों में, पाटनरोधी शुल्क के विस्तार करने का निर्धारण वास्तविक क्षति तथा क्षति के बार-बार होने के संबंध में एक विश्लेषण को पूरा करने के बाद किया गया है। हालांकि, वर्तमान मामले में टीडीक्यू, एमओआर और एमबीटीएस में कोई क्षति नहीं है और जांच की अवधि के पश्चात आयात संबंधी आंकड़ों, पहुँच कीमत और घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन के संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- xx. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि वास्तविक क्षति के खतरे के आकलन के संबंध में क्षति से संबंधित मानदंड को भी क्षति की संभावना का आकलन करते समय लागू किया जा सकता है और वह घरेलू उद्योग द्वारा बिना किसी कानूनी आधार के है और यह उनके द्वारा स्वतः स्वीकार किया गया है।
- xxi. ओएच डब्ल्यूएस के बाद उत्तर दिए जाने वाले आंकड़ों में जांच की अवधि के बाद के आंकड़े शामिल हैं जिसने यह सिद्ध किया कि क्षति के बार-बार होने का कोई मामला नहीं है। पीएक्स-13, एमओआर के संबंध में जांच की अवधि के बाद कीमत में कोई कटौती नहीं हुई है और इस प्रकार से वास्तविक क्षति के पुनः होने का कोई दावा नहीं किया गया है।
- xxii. एटीएमए के सदस्यों द्वारा टीडीक्यू का कोई आयात नहीं किया गया है। घरेलू उद्योग से टीडीक्यू की खरीद में वृद्धि हुई है और इस प्रकार से पुनः होने का कोई दावा नहीं किया गया है।
- xxiii. ड्राय सेल बैट्रियों के मामले में पाटन मार्जिन 15-20 प्रतिशत था। बिना पाटनरोधी शुल्क के कीमत में 25-35 प्रतिशत की कटौती, 15-25 प्रतिशत कम कीमत पर बिक्री, अतिरिक्त क्षमता और 15-15 प्रतिशत क्षति मार्जिन पाया गया था। फिर भी इस शुल्क को इसे एक विशिष्ट मामला होने के अभाव में 10 वर्षों से अधिक तक नहीं बढ़ाया गया था।
- xxiv. घरेलू उद्योग ने निर्यातकों की अतिरिक्त क्षमता के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है और इस प्रकार से इस तर्क को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। भारतीय स्पिनर्स एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी का संदर्भ लेने पर यह कि अतिरिक्त क्षमता की मौजूदगी मात्र से आगामी खतरे के निष्कर्ष तक पहुँचना उचित नहीं है।
- xxv. घरेलू उद्योग मात्रा तथा मूल्य के मामले में अपने उत्पादन, घरेलू बिक्री को बढ़ाने में सक्षम नहीं रहा है, विचाराधीन उत्पाद की आयात कीमत में पहुँच कीमत में बहुत अधिक वृद्धि के साथ गिरावट आई है और इस प्रकार से भारतीय ग्रेफाइट मैनुफैक्चर्स बनाम एमओएफ ने फैसले के अनुसार वास्तविक क्षति के पुनः होने की कोई संभावना नहीं है।
- xxvi. नियम 11 एवं 23 के अनुसार, पीएक्स-13 के जारी रहने अथवा पाटन, जिससे क्षति होती है, की संभावना का भावी निर्धारण करने की आवश्यकता के अलावा निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह भी अपेक्षित है कि वे घरेलू उद्योग को विगत में क्षति के होने का वास्तविक निर्धारण करें जो पीएक्स-13 के पाटित आयातों के कारण हुआ था।

- xxvii. घरेलू उद्योग के ये तर्क कि पाटनरोधी नियमावली के अनुच्छेद 2 और 3 के अनुसार पाटन और क्षति का निर्धारण तथा अनुच्छेद 11.3 के अनुसार क्षति के होने की संभावना का निर्धारण करने की कोई आवश्यकता नहीं है, वर्तमान पाटन के अभाव से पाटनरोधी शुल्क नियमावली को समाप्त करने का पर्याप्त आधार नहीं बनता है, अनुच्छेद 11.3 के पठन और विश्व व्यापार संगठन के डीएसयू के निर्धारित उदाहरण के प्रतिकूल है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने इस नियमावली के अनुबंध-II (vii) के मामले में वास्तविक क्षति के खतरे से संबंधित मानदंडों पर विचार करते हुए क्षति के जारी रहने अथवा उसके पुनः होने की संभावना की जांच की है। इस नियमावली के अनुबंध-II का नियम (vii) में चार कारकों का प्रावधान है जिन पर विचार किया जाना अपेक्षित है अर्थात:

- (क) भारत में पाटित आयातों में वृद्धि की अधिक दर जिससे आयातों में पर्याप्त रूप से बढ़े हुए आयात की संभावना का संकेत मिलता हो

		2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
		मात्रा मी. टन			
पीएक्स 13	यूरोपीय संघ	1,925	1,575	1,342	1,356
टीडीक्यू	यूरोपीय संघ	10	51	473	244
एमओआर	चीन जन गण	334	421	533	519
एमबीटीएस	चीन जन गण	673	158	401	617

पीएक्स-13 और एमबीटीएस के मामले में संबद्ध देश से मात्रा में बहुत अधिक वृद्धि नहीं हुई है। आधार वर्ष की तुलना में टीडीक्यू और एमओआर के मामले में संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है।

- (ख) निर्यातक की क्षमता में पर्याप्त मुक्त रूप से निपटान योग्य, या आसन्नवर्ती, पर्याप्त वृद्धि जिनसे किसी अतिरिक्त निर्यात को खपाने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए भारतीय बाजार में पर्याप्त रूप से बढ़े हुए पाटित निर्यातों में वृद्धि की संभावना का संकेत मिलता हो।

173. वास्तविक क्षति के खतरे की जांच करने के लिए इस मानदंड में भारतीय बाजार को निपटान योग्य मात्रा परिवर्तित करने की संभावना की तलाश करने के लिए मौजूदा अतिरिक्त क्षमताओं और क्षमता वृद्धि, यदि कोई हो, के मूल्यांकन की अपेक्षा है। घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि संबद्ध देशों में उत्पादकों को पर्याप्त अतिरिक्त क्षमताओं का सामना पहले से ही करना पड़ रहा है। इसके अलावा, ये उत्पादक अनेक देशों को इस उत्पाद का निर्यात कर रहे हैं जिसकी बहुत अधिक मात्रा का निर्यात भारत के मामले में निम्न कीमतों पर किया जा रहा है और इस प्रकार से यह पाटनरोधी शुल्क को वापस लिए जाने की स्थिति में इन निर्यातों को परिवर्तित किए जाने की संभावना को दर्शाता है। जबकि किसी भी हितवद्ध पक्षकार ने मौजूदा अतिरिक्त क्षमताओं और भारतीय बाजार में बढ़े हुए पाटित निर्यातों की परिणामी संभावना के संबंध में सत्यापन योग्य साक्ष्य और सूचना नहीं उपलब्ध कराए हैं, घरेलू उद्योग ने नाँच कंसल्टिंग की एक रिपोर्ट की प्रति उपलब्ध कराई है जिसमें संबद्ध देशों में रबर केमिकल निर्माण के संबंध में पर्याप्त सूचना अर्थात मौजूदा क्षमता, मौजूदा उत्पादन, अप्रयुक्त क्षमता और क्षमता विस्तार आदि का प्रावधान है। उसे रिकार्ड में लिया गया है। सारांश स्थिति नीचे दिए गए अनुसार है:

	क्षमता	मांग	अधिशेष
पीएक्स-13	1,33,000 मी. टन	38,000 मी. टन	95,000 मी. टन
टीडीक्यू	34,500 मी. टन	16,000 मी. टन	18,500 मी. टन
एमबीटीएस	1,55,800 मी. टन	99,000 मी. टन	56,800 मी. टन
एमओआर	3,34,200 मी. टन	1,95,000 मी. टन	1,39,200 मी. टन

174. पीएक्स-13 (6पीपीडी) के लिए जांच की अवधि में सोलुटिया, यूरोप द्वारा प्रश्नावली के संबंध में दायर किया गया उत्तर पूर्व वर्ष की तुलना में वर्तमान जांच की अवधि में उत्पादन में गिरावट, घरेलू बिक्री में वृद्धि, भारत और तृतीय देशों में निर्यात में गिरावट, अंतिम भंडार में वृद्धि, औसत कीमतों में गिरावट (जो भारत में निर्यात की तुलना में घरेलू बाजार में अपेक्षाकृत तेज गति से होता है), भारत एवं तृतीय देशों में निर्यात कीमत में बदलते हुए पैटर्न (तृतीय देशों की कीमतें पूर्व में अपेक्षाकृत अधिक थीं और अब भारत में अपेक्षाकृत कम हैं), उनके अपने उत्तर/दावे के अनुसार अप्रयुक्त पर्याप्त क्षमता को दर्शाता है।
- (ग) क्या आयात ऐसी कीमतों पर हो रहे हैं, जिनसे घरेलू कीमतों पर काफी ह्रासकारी या न्यूनकारी प्रभाव पड़ेगा और इनसे आगे निर्यातों के लिए मांग में वृद्धि होने की संभावना है
175. भारत में वर्तमान पहुँच कीमत पर, संबद्ध रबर केमिकल्स में प्रत्येक केमिकल के मामले में पाटनरोधी शुल्क के बिना जांच की अवधि के दौरान कीमत में कटौती हुई है जबकि वह एमओआर और एमबीटीएस के मामले में पाटनरोधी शुल्क के साथ सकारात्मक है। इस मामले को प्रकटन विवरण में पूर्व में नोट किया गया है।
- (घ) उस वस्तु की माल सूची जिसकी जांच की जा रही है
176. रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों में जांच की जा रही वस्तु की माल सूची पर कोई भरोसेमंद साक्ष्य शामिल नहीं है।

कारणात्मक संबंध

177. धारा 9क(5) के अंतर्गत, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य पर विचार किए बिना पाटन और क्षति की संभावना तथा शुल्कों को जारी रखने की आवश्यकता की जांच करें कि क्या समीक्षा जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का कोई आयात हुआ है या नहीं। यह भी जांच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य मानदंडों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी। इसे नीचे दिए गए अनुसार नोट किया गया है:
- (क) पाटन कीमतों पर नहीं बेचे गए आयातों की मात्रा और मूल्य
178. विभिन्न देशों से आयातों का विवरण यह दर्शाता है कि अन्य देशों से पीएक्स-13, टीडीक्यू, एमओआर और एमबीटीएस के आयात न्यूनतम स्तर से नीचे पर हो रहे हैं अथवा अपेक्षाकृत कम कीमतों पर हो रहे हैं जो जांच की अवधि के दौरान अलग-अलग संबद्ध देश के आयातों से अधिक है अथवा इन पर पाटनरोधी शुल्क लग रहा है। इस कारण से ऐसा नहीं कहा जा सकता है कि अन्य देशों से आयातों से भी घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- (ख) मांग में संकुचन और/या खपत के पैटर्न में परिवर्तन
179. पीएक्स-13 की मांग में क्षति की अवधि की तुलना में वृद्धि हुई है। टीडीक्यू और एमबीटीएस की मांग बहुत अधिक रही है। एमओआर को छोड़कर रबर केमिकल्स में प्रत्येक केमिकल के संबंध में खपत के पैटर्न में कोई बदलाव नहीं आया है। इस कारण से खपत के पैटर्न में परिवर्तन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती थी। एमओआर के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एमओआर के लिए मांग में क्षति की पूरी अवधि के दौरान गिरावट आई है। घरेलू उद्योग द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि एमओआर के स्थान पर एनएस/टीबीबीएस का उपयोग किए जाने के कारण मांग में गिरावट आई है। हालांकि, यह भी नोट करना संगत होगा कि मोटे क्रॉस सेक्शन टायरों, ओटीआर, ट्रक और ट्रैक्टर्स के लिए एमओआर की मांग अभी भी बहुत अधिक है।
- (ग) विदेशी और घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और उनके बीच प्रतिस्पर्धा
180. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीएक्स-13, टीडीक्यू, एमओआर और एमबीटीएस में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी।
- (घ) प्रौद्योगिकी में विकास
181. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पीएक्स-13, टीडीक्यू, एमओआर और एमबीटीएस के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इस कारण से प्रौद्योगिकी में विकास क्षति का कारक नहीं है।

(ड) निर्यात निष्पादन

182. याचिकाकर्ता ने पीएक्स-13, टीडीक्यू, एमओआर और एमबीटीएस का निर्यात किया है। हालांकि, घरेलू उद्योग को क्षति, जिसका दावा किया गया है, घरेलू प्रचालनों के कारण हुई है। याचिकाकर्ताओं ने घरेलू बिक्री के लिए लागत निर्धारण और क्षति के संबंध में सूचना अलग से उपलब्ध नहीं कराई है। अतः घरेलू बिक्री को क्षति निर्यात के कारण नहीं हो सकती है।

(च) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बेचे गए अन्य उत्पादों का कार्य निष्पादन

183. घरेलू उद्योग को क्षति, जिसका दावा किया गया है, पीएक्स-13, टीडीक्यू, एमओआर और एमबीटीएस के कारण हुई है, जिसका विश्लेषण प्रत्येक उत्पाद के लिए अलग से किया गया है।
184. प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि ऐसा प्रतीत होता है कि ऊपर में सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारक से निर्धारित क्षति नहीं हुई है।

कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले कारक

185. कारणात्मक संबंध का विश्लेषण नीचे दिए गए अनुसार है:

- i. **पीएक्स-13** - यूरोपीय संघ से पीएक्स-13 का आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में बहुत अधिक कटौती कर रहा था। प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में घरेलू उद्योग को बिक्री की लागत में वृद्धि के अनुपात में इसकी कीमतों को बढ़ाने से रोका गया है। फलस्वरूप लाभ/हानि, नकद लाभ, निवेश पर लाभ में जांच की अवधि में बहुत अधिक गिरावट आई और घरेलू उद्योग के पास माल सूची में वृद्धि हुई।
- ii. **टीडीक्यू** - क्षति की अवधि की तुलना में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन का विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के परिणामस्वरूप सुधार हुआ है। हालांकि, पाटित कीमतों पर संबद्ध देश से आयातों की बहुत अधिक मात्रा इस देश में आना जारी है। प्राधिकारी का यह मत है कि वास्तविक क्षति पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को उत्पन्न नहीं होगी।
- iii. **एमओआर** - क्षति की अवधि की तुलना में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन का विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के परिणामस्वरूप सुधार हुआ है। हालांकि, पाटित कीमतों पर संबद्ध देश से आयातों की बहुत अधिक मात्रा इस देश में आना जारी है। प्राधिकारी का यह मत है कि वास्तविक क्षति पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को उत्पन्न नहीं होगी।
- iv. **एमबीटीएस** - क्षति की अवधि की तुलना में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन का विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के परिणामस्वरूप सुधार हुआ है। हालांकि, पाटित कीमतों पर संबद्ध देश से आयातों की बहुत अधिक मात्रा इस देश में आना जारी है। प्राधिकारी का यह मत है कि वास्तविक क्षति पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को उत्पन्न नहीं होगी।

ज. प्रकटन पश्चात सुनवाई

1. प्राधिकारी ने माननीय गुजरात उच्च न्यायालय, अहमदाबाद द्वारा दिनांक 28.06.2017 के अपने आदेश में नोसिल लि. द्वारा विशेष सिविल आवेदन संख्या 2017 का 12022 के अनुसरण में जारी निदेशों को ध्यान में रखकर 14 जुलाई, 2017 को एक प्रकटन पश्चात सुनवाई आयोजित की। ऐसा इसलिए किया गया था कि उच्च न्यायालय में दायर आवेदन में और प्रकटन विवरण के संबंध में उनके द्वारा किए गए अनुरोध को उजागर करने के लिए हितबद्ध पक्षकार सक्षम हो सके। निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकार प्रकटन पश्चात सुनवाई में उपस्थित हुए:

- (i) घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाले मैसर्स टीपीएम कंसल्टेंट।
- (ii) ऑटोमोटिव टायर मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व करने वाले मैसर्स लूथरा एंड लूथरा।

- (iii) सोलुटिया, यूरोप एसपीआरएल/बीबीवीए, बेल्जियम का प्रतिनिधित्व करने वाले एजेडबी पार्टनर्स।
2. वे प्रतिनिधि, जिन्होंने प्रकटन पश्चात सुनवाई के समय मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत किए, को सलाह दी गई थी कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करें।

ऑटोमोटिव टायर मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन (एटीएमए) द्वारा अनुरोध

3. निम्नलिखित अतिरिक्त अनुरोध विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए थे:
- i. घरेलू उद्योग का शुल्क की मात्रा के संबंध में तर्क यद्यपि रिट याचिका के भाग के रूप में, कानून एवं तथ्य के पर्याप्त प्रश्न को प्रस्तुत करने के बराबर है जो घरेलू उद्योग को उस स्थिति में करने की अनुमति नहीं है, जब माननीय डीजीएडी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुसार प्रकटन विवरण जारी किए हैं।
 - ii. शुल्क की सिफारिश करते समय अपेक्षाकृत कम शुल्क के नियम का पालन पाटनरोधी नियमावली के अनुसार किए जाने की आवश्यकता है और एडीए इस प्राधिकारी द्वारा रूस से एएन के आयातों पर एडीडी की समाप्ति समीक्षा में यूरोपीय आयोग द्वारा अन्य मामलों के साथ-साथ चीन जन गण से कुछ ग्लास फाइबर में आयोजित की गई है।
 - iii. पीएक्स-13 के मामले में क्षति अन्य देशों से आयातों के कारण भी हुई है।
 - iv. जब घरेलू उद्योग ने स्वयं प्रकटन पश्चात मौखिक सुनवाई के दौरान यह स्वीकार कर लिया है कि इसे टीडीक्यू, एमओआर और एमबीटीएस के मामले में कोई क्षति नहीं हुई है, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर नहीं पहुँच सकते हैं जो प्रकटन विवरण में अन्य प्रकार से उल्लेख किया गया है। इस प्रकार तथ्यपूर्ण परिदृश्य पर अंतिम जांच परिणाम की सिफारिश करते समय विचार किए जाने की आवश्यकता है।
 - v. प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा नॉच कंसल्टिंग की रिपोर्ट पर दावा की गई गोपनीयता को स्वीकार नहीं कर सकते हैं क्योंकि वह मामूली शुल्क के भुगतान पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है। यह व्यापार सूचना संख्या 01/2013, पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(7), कंवर नटवल सिंह बनाम प्रवर्तन निदेशक ने उच्चतम न्यायालय के निर्णय, कुम्हो पैट्रोकेमिकल्स कंपनी लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी में सेसटेट के निर्णय के प्रतिकूल है।
 - vi. प्रकटन पश्चात मौखिक सुनवाई के दौरान घरेलू उद्योग ने मौखिक रूप से यह सूचित किया है कि वे आंतरिक रूप से इस बात पर विचार करेंगे कि क्या अन्य हितबद्ध पक्षकारों के साथ इस रिपोर्ट को साझा किया जाए और उसके बारे में विरोधी पक्षकारों को सूचित करेंगे जब प्राधिकारी ने मौखिक रूप से यह देखा कि इस प्रकार की रिपोर्ट को हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया जाए। इस संबंध में कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। अधिकारी से यह अनुरोध किया गया है कि वे या तो नॉच कंसल्टिंग रिपोर्ट को प्रस्तुत करें या घरेलू उद्योग को इस रिपोर्ट को साझा करने का निदेश दें तथा उत्तर देने वालों को उस पर टिप्पणी करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए।
 - vii. यदि क्षति मार्जिन नकारात्मक है तो मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को नहीं बढ़ाया जा सकता है और डीजीएडी की यही प्रथा रही है क्योंकि यह सऊदी अरब, ईरान, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस से कास्टिक सोडा, सिंगापुर से पॉलिप्रोपीलीन, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात से सफेद सीमेंट की निर्णायक समीक्षा में थी।
 - viii. क्षति मार्जिन में वृद्धि अवास्तविक है जहां पाटन मार्जिन में गिरावट आई है। चूंकि, घरेलू उद्योग को टीडीक्यू और एमबीटीएस के संबंध में कोई क्षति नहीं उठानी पड़ रही है, अतः ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि इन उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क का विस्तार किए जाने की आवश्यकता है।
 - ix. इसके अलावा, यूरोपीय संघ से पीएक्स-13 के संबंध में, सहयोगी निर्यातकों के लिए परिकलित पाटन मार्जिन, क्षति मार्जिन से कम है और इस प्रकार से पाटनरोधी शुल्क, यदि कोई हो, की तदनुसार सिफारिश की जानी चाहिए।

- x. प्रकटन के चरण में गुजरात उच्च न्यायालय का हस्तक्षेप अनावश्यक है, जैसा कि निर्दिष्ट प्राधिकारी बनाम सैंडिस्क इंटरनेशनल लि., विकास ट्रेडिंग कंपनी बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी, डीजीएडी के मामले में किया गया है। उन परिस्थितियों में भी, जिनमें अंतिम जांच परिणाम और सीमा शुल्क अधिसूचना जारी की गई हैं, उसके विरुद्ध सांविधिक अपील इस अधिनियम की धारा 9 ग क अंतर्गत सेसटेट के समक्ष और न कि उच्च न्यायालय के समक्ष दायर की जाएगी।

घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

4. घरेलू उद्योग ने नीचे दिए गए अनुसार अनुरोध किया:

- i. टीडीक्यू के मामले में सामान्य मूल्य निर्यात करने वाले देश के घरेलू बाजार में समान वस्तु के लिए खपत कीमत के आधार पर निर्धारित किया जाना अपेक्षित है जिसके लिए यूरोप में घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री का बीजक रिकार्ड पर रखा गया है।
- ii. उसे धारा 9क(1)(ग), निर्दिष्ट प्राधिकारी बनाम होल्डर टोपोसो और प्रथम निर्णायक समीक्षा मामले में अंतिम जांच परिणामों में पद क्रम के अनुसार अन्य सभी चीजों के ऊपर स्वीकार किया जाना चाहिए।
- iii. याचिकाकर्ता द्वारा जोड़े गए खर्चों के अलावा, यूरोपीय संघ में इन उपभोक्ताओं को कुछ अन्य खर्चों को उठाए जाने की संभावना है। हालांकि, यह कम से कम सामान्य मूल्य में वृद्धि होगी और इससे सामान्य मूल्य कम नहीं होगा।
- iv. याचिकाकर्ता ने यूरोपीय संघ में घरेलू बाजार में लेनकेस के बिक्री बीजक उपलब्ध नहीं कराए हैं और वह यह दर्शाएगा कि खपत कीमतें यूरोपीय संघ को किसके द्वारा किए गए निर्यातों के आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा निर्धारित कीमतों से बिल्कुल तुलना करने योग्य है।
- v. बीजक में प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए व्यापार पत्रिकाओं पर भरोसा किया है जो केवल घरेलू बाजार में प्रचलित कीमतों को दर्शाते हैं। इस प्रकार से, समान वस्तु की खपत कीमत, जब उसका आशय निर्यातक देश में खपत से हो, सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए आधार बननी चाहिए।
- vi. पीएक्स-13 के मामले में कम से कम वही पाटनरोधी शुल्क कानूनी प्रावधानों पर विचार करते हुए बढ़ाया जाना चाहिए।
- vii. पीएक्स-13 निर्यातक द्वारा सूचित की गई निर्यात कीमत पाटन मार्जिन में गिरावट के फलस्वरूप पाटनरोधी शुल्क में कमी की आवश्यकता पर विचार किए जाने के लिए विश्वसनीय नहीं है क्योंकि वह चीन और कोरिया से आयात कीमत की तुलना किए जाने पर बहुत अधिक है।
- viii. सतत पाटन और क्षति हुई है जो यह दर्शाती है कि वर्तमान शुल्क प्रभावी नहीं है और इस प्रकार से पीएक्स-13 के मामले में शुल्क का विस्तार किए जाने की आवश्यकता है।
- ix. आयात की मात्रा पाटनरोधी शुल्कों की सापेक्ष मात्रा पर निर्भर करते हुए पाटन स्रोतों – कोरिया, यूरोप और चीन के बीच परिवर्तित हो गई है। पीएक्स-13 के आयातों में कोरिया/चीन और यूरोप के बीच कम हो रहे अंतर के साथ जांच की अवधि के बाद बहुत अधिक वृद्धि हुई है।
- x. लागू शुल्क के कारण, भारत और तृतीय देशों में आयात में गिरावट, सोलुटिया के साथ माल सूची में वृद्धि हुई है जब क्षमता स्थिर रही और उसे शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में भारत में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है।
- xi. भारत में निर्यात की तुलना में घरेलू बाजार में कीमतों में गिरावट की दर भी यह दर्शाता है कि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में निर्यातक अपनी घरेलू बिक्री की तुलना में भारतीय बाजार में बेहतर कीमत प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
- xii. जांच की अवधि के दौरान, निर्यातक ने इरादतन अपनी कीमतों में तोड़-मरोड़ किया है और तीसरे देश में निर्यात कीमतों में कमी की है और निर्णायक समीक्षा के परिणाम को अपने अनुकूल उपयोग करने के उद्देश्य से भारत में निर्यात कीमत में वृद्धि की है। इसके अलावा, प्रकटन विवरण यह सिद्ध करता है कि भारत में

वर्तमान कीमतें पाटित हैं। इस कारण से निर्यातक तृतीय देश में अपने उत्पाद का भी पाटन कर रहे हैं और तृतीय देश का पाटन मार्जिन इस तथ्य के कारण अपेक्षाकृत अधिक है कि तृतीय देश की कीमतें भारत में निर्यात से कम हैं।

- xiii. प्राधिकारी को केवल इस कारण से शुल्क में कटौती करने की आवश्यकता नहीं है कि पाटन मार्जिन में गिरावट आई है क्योंकि उसे किसी अंतरिम समीक्षा द्वारा ही बदला जा सकता है। यही प्रथा संयुक्त राज्य अमेरिका के प्राधिकारियों और यूरोपीय संघ की रही है क्योंकि यह भारत से सिंथेटिक फाइबर रोप में थी।

प्राधिकारी द्वारा जांच

5. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई प्रकटन पश्चात टिप्पणियां/अनुरोध अधिकांशतः पूर्व में किए गए अनुरोध की पुनरावृत्ति है जिस पर उपयुक्त रूप से तथा समुचित रूप से पहले ही जांच कर ली गई है और उसका उचित समाधान प्रकटन विवरण अथवा वर्तमान जांच परिणाम के संगत अनुच्छेदों में कर लिया गया है। प्राधिकारी आगे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों के संबंध में नीचे दिए गए अनुसार विचार करते हैं:
- इन मामलों में क्षति मार्जिन के निर्धारण, जहां घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है, के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि टीडीक्यू और एमबीटीएस के मामले में कोई क्षति नहीं हुई है और दिनांक 28.06.2017 के गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में, पर्याप्त संभावना विश्लेषण इस पूरे जांच परिणाम के दौरान सिद्ध किए गए विभिन्न कारकों के आधार पर किया गया था।
 - घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए साक्ष्य के आधार पर टीडीक्यू के सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक देश को घरेलू उद्योग के निर्यात का बीजक केवल 508 मी. टन है। इसका सत्यापन नहीं किया जा सकता है कि क्या यह निर्यातक देश में इस उत्पाद की कुल खपत का पर्याप्त अनुपात बनता है। अतः यह कीमत निर्यातक देश में इस उत्पाद की बिक्री कीमत को दर्शा नहीं सकता है। इस कारण से प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।
 - नॉच कंसल्टिंग रिपोर्ट के प्रकटन के संबंध में, घरेलू उद्योग ने यह दावा किया कि यह रिपोर्ट गोपनीय है क्योंकि यह तृतीय पक्ष की सूचना थी और घरेलू उद्योग को इसे प्रकट करने का अधिकार नहीं है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की गोपनीयता के दावों को स्वीकार कर लिया। हालांकि, प्राधिकारी ने संगत पैराओं में इस प्रकार की रिपोर्ट के आधार पर सारांश में स्थिति तथा विश्लेषण उपलब्ध कराया है।
 - पाटन स्रोतों के बीच परिवर्तित किए जा रहे आयात की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी के पास उसे सिद्ध करने के लिए कोई समर्थक साक्ष्य नहीं है।

ठ. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

186. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य रूप में पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन पाटन की अनुचित व्यापार परिपाटियों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्द्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जो कि देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लगाने से किसी भी तरह से संबद्ध देश/क्षेत्र से आयात प्रतिबंधित नहीं होगा और इसीलिए ग्राहकों को उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।
187. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध सामानों का प्रयोग करते हुए विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की संबंधित प्रतिस्पर्द्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, भारतीय बाजार में स्वच्छ प्रतिस्पर्द्धा पाटनरोधी उपायों से कम नहीं होगी, विशेष रूप से यदि पाटनरोधी शुल्क लगाने से घरेलू उद्योग को क्षति का समाधान करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाए। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लगाने से पाटन की परिपाटियों से उत्पन्न अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग की बढ़ोत्तरी रुकेगी और संबद्ध सामानों के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्पों की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

ड. निष्कर्ष

188. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों, दी गई सूचना और किए गए अनुरोधों तथा इस जांच परिणाम में रिकार्ड किए गए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों के संबंध में तथा पाटन के जारी रहने तथा परिणामी क्षति एवं

पाटन व क्षति के जारी रहने/उसके पुनः होने/उसके और अधिक होने की संभावना की स्थिति के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- i. पीएक्स-13 – यूरोपीय संघ से पीएक्स-13 का सतत पाटन हो रहा है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है और कम कीमतों पर बिक्री करनी पड़ रही है। पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने से संभवतः घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके पुनः होने की संभावना है।
- ii. टीडीक्यू – घरेलू उद्योग को कोई सतत पाटन अथवा क्षति नहीं हुई है। पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने के कारण संभवतः घरेलू उद्योग को पाटन एवं क्षति के जारी रहने और उसके पुनः होने की संभावना नहीं है।
- iii. एमओआर – यूरोपीय संघ से पीएक्स-13 का सतत पाटन हो रहा है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है और कम कीमतों पर बिक्री करनी पड़ रही है। पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने से संभवतः घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके पुनः होने की संभावना है।
- iv. एमबीटीएस – घरेलू उद्योग को कोई सतत पाटन अथवा क्षति नहीं हुई है। पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने के कारण संभवतः घरेलू उद्योग को पाटन एवं क्षति के जारी रहने और उसके पुनः होने की संभावना नहीं है।

ढ. सिफारिशें

189. तदनुसार, प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि संशोधित पाटनरोधी शुल्कों को यूरोपीय संघ के मूल के तथा वहां से निर्यात किए गए पीएक्स-13 तथा चीन जन गण के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए कुछ रबर केमिकल्स के सभी आयातों पर केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचना के जारी किए जाने की तिथि से लगाया जाए। पाटनरोधी शुल्क वह राशि होगी जिसका उल्लेख निम्नलिखित तालिका के कॉलम संख्या 9 में किया गया है:

शुल्क तालिका

क्रम सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	यूनिट	करेंसी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	381210, 381220, 381230, 293420, 292520	रबर केमिकल पीएक्स 13	यूरोपीय संघ	यूरोपीय संघ	सोलिटिया यूरोप, एसपीआरएल/बीबीबीए, बेल्जियम	सोलिटिया यूरोप, एसपीआरएल/बीबीबीए, बेल्जियम	427.03	प्रति मी. टन	अमेरिकी डॉलर
2.	-वही-	रबर केमिकल पीएक्स 13	यूरोपीय संघ	यूरोपीय संघ	उपर्युक्त 1 पर उत्पादक एवं निर्यातक के युग्म को छोड़कर कोई अन्य		897.01	प्रति मी. टन	अमेरिकी डॉलर
3.	-वही-	रबर केमिकल पीएक्स 13	यूरोपीय संघ	यूरोपीय संघ को छोड़कर कोई अन्य	कोई अन्य	कोई अन्य	897.01	प्रति मी. टन	अमेरिकी डॉलर
4.	-वही-	रबर केमिकल पीएक्स 13	यूरोपीय संघ को छोड़कर कोई अन्य	यूरोपीय संघ	कोई अन्य	कोई अन्य	897.01	प्रति मी. टन	अमेरिकी डॉलर
5.	-वही-	रबर केमिकल एमओर	चीन जन गण	चीन जन गण	कोई अन्य	कोई अन्य	213.82	प्रति मी. टन	अमेरिकी डॉलर

6.	-वही-	रबर केमिकल एमओर	चीन जन गण	चीन जन गण को छोड़कर कोई अन्य	कोई अन्य	कोई अन्य	213.82	प्रति मी. टन	अमेरिकी डॉलर
7.	-वही-	रबर केमिकल एमओर	चीन जन गण को छोड़कर कोई अन्य	चीन जन गण	कोई अन्य	कोई अन्य	213.82	प्रति मी. टन	अमेरिकी डॉलर

ण. आगे की प्रक्रिया

इस अधिसूचना के विरुद्ध कोई अपील कोई अपील केंद्र सरकार द्वारा इसके स्वीकार किए जाने के बाद सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय अधिकरण के समक्ष दायर की जाएगी।

डॉ. इंद्रजीत सिंह, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd September, 2017

(Final Findings)

Subject: Sunset Review investigation of Anti-dumping duty imposed on the imports of Certain Rubber Chemicals, namely, TDQ & PX-13 originating in or exported from the European Union and MOR and MBTS originating in or exported from the Peoples Republic of China.

F. No. 15/5/2016- DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

A. BACKGROUND OF THE CASE

- Whereas, having regard to the above Act and the Rules, the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority) initiated an antidumping investigation concerning imports of certain rubber chemicals namely 'PX13' and 'TDQ' originating in or exported from Chinese Taipei & European Union and 'MOR' originating in or exported from China PR, European Union & USA, vide Notification NO. 14/13/2004-DGAD dated 17th August, 2004. The Preliminary Findings were notified on April 08, 2005. The Authority notified final findings on August 16, 2005 recommending definitive antidumping duty on the subject imports. The definitive anti dumping duties on the subject imports were imposed by the Department of Revenue vide Notification No. 94/2005-Customs dated October 20, 2005.
- Subsequently, the Authority initiated sunset review investigations vide Notification No. 15/14/2009—DGAD dated May 12, 2010. The Authority recommended continued imposition of definitive anti dumping duties on certain rubber chemicals namely 'PX13' and 'TDQ' originating in or exported from European Union and 'MOR' originating in or exported from China PR vide notification No.15/3
- /2010-DGAD, dated May 11, 2011 and Ministry of Finance extended definitive anti-dumping duty vide notification No.67 /2011- Customs, dated the July 28, 2011 on all imports of certain rubber chemicals namely 'PX13' and 'TDQ' originating in or exported from European Union and 'MOR' originating in or exported from China PR.
- Separately, definitive anti-dumping duty was originally imposed by Ministry of Finance vide notification No. 87/2005-Customs dated 27th September, 2005, in pursuance of Designated Authority's Final findings vide Notification No.14/09/2004-DGAD dated 6th July, 2005, on import of Certain Rubber Chemicals MBT, MBTS, CBS and PVI originating in or exported from China PR.

5. Subsequently, the Authority initiated sunset review investigations vide Notification No. 15/9/2010- DGAD dated 26th July, 2010. The Authority recommended continued imposition of definitive anti dumping duties on the imports of MBTS from China PR vide Notification No.15/9/2010- DGAD, dated July 25, 2011 and Ministry of Finance extended definitive anti-dumping duty vide notification No.98/2011- Customs, dated October 20, 2011 on imports of MBTS from China PR.
6. Whereas, in terms of Section 9 A (5) the Customs Tariff Act, 1995, read with Rule 23 of the Rules, the antidumping duty imposed under the said Act shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition, unless in a review, initiated before the expiry of the duty, the Designated Authority concludes that the cessation of the duties is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. In accordance with the above, the Authority is required to review, on the basis of a duly substantial request made by or on behalf of the domestic industry within a reasonable period of time prior to the date of the expiry of the measure, as to whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.
7. And Whereas a petition has been filed by the major domestic producer of the above Rubber Chemicals i.e., M/s NOCIL Limited, in accordance with the Act and the Rules, alleging likelihood of continuation or recurrence of dumping of the above goods, originating in or exported from the countries/territories named above and consequent injury to the domestic industry and requesting for initiating a combined sunset review investigation for continuation of anti-dumping duties in force on imports of PX-13 and TDQ originating in or exported from the European Union; and MOR and MBTS originating in or exported from China PR.
8. And whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant to justify initiation of sunset review investigation issued a public notice vide Notification No. 15/5/2016- DGAD dated July 08, 2016. The validity of the antidumping duty on the imports of the PX-13 and TDQ from EU and MOR from China PR was extended by the Ministry of Finance, Government of India upto July, 27 2017 vide Notification No. 35/2016-Customs (ADD) dated July 26, 2016. Further the validity of the antidumping duty on the imports of the MBTS from China PR was extended by the Ministry of Finance, Government of India upto October 19, 2017 vide Notification No. 40/2016-Customs (ADD) dated August 8, 2016.
9. The scope of the present review covers all aspects of the original investigation concerning imports of the above goods, originating in or exported from EU and China PR.

B. GENERAL PROCEDURE

10. Procedure described below has been followed with regard to this investigation, after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigation by the Authority:
 - i. The Authority notified the Embassy/Representatives of the subject countries in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
 - ii. The Authority sent a copy of the initiation notification to the embassy of the subject countries in India, known producers/exporters from the subject countries, known importers/users in India, and the Domestic Industry as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
 - iii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters in subject countries and to the Embassy of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
 - iv. The Embassy of the subject countries in India were also requested to advise the exporters/producers from China and European Union to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from China PR and European Union.
 - v. The Authority sent Exporter's Questionnaire and Market Economy Questionnaire to elicit relevant information to the following known producers/exporters in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - a. Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd., China PR
 - b. Jiangsu Sinorgchem Technology Co. Ltd., China PR

- c. Shandong YangguHuatai Chemical Co. Ltd., China PR
 - d. ChangdeDingyuan Chemical Industrial Ltd., China PR
 - e. Dongying Bo Chen Chemical Co. Ltd., China PR
 - f. Jinan RunquanChemical Co. Ltd., China PR
 - g. Nanjing Chemical Plant, China PR
 - h. Zhejiang Yongjia Chemical Plant, China PR
 - i. Henan KailunChemical Co. Ltd., China PR
 - j. Rongcheng Chemical General Factory Co., Ltd., China PR
 - k. Dalian RichonChemical Co. Ltd., China PR
 - l. Zhenjiang No. 2 Chemical Factory, China PR
 - m. HebeiHaufeng Chemical Group
 - n. Shenzhen Huaren Industrial Co., China PR
 - o. YixingDongfangFince Chemicals China PR
 - p. Zhejina Yueqing Ultrafine Powders and Chemical Co. Ltd., China PR
 - q. Flexsys NV, Belgium
 - r. LANXEES NV, Germany
 - s. Duslo, a. s., Slovak Republic
 - t. Chemtura Italy S.r.l.
- vi. In response to the above notification, none of the exporters of TDQ, MOR and MBTS have responded to the questionnaire issued by the Authority. Only one exporter of PX-13 i.e. Solutia Europe SPRL/BVBA, Belgium has responded to the questionnaire.
- vii. The Authority sent Importer's Questionnaires to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
- a. CEAT Limited, Mumbai
 - b. JK Tyre and Industries Ltd, Kolkata
 - c. Apollo Tyres Limited, Kochi
 - d. Birla Tyres, Kolkata
 - e. MRF Limited, Chennai
 - f. Metro Tyres Ltd., Noida
 - g. PoddarTyres Ltd., Ludhiana
 - h. Ralson Ind. Ltd., New Delhi
 - i. The Rubber Products Limited, Thane
- viii. In response to the questionnaire issued by the Authority, following importers have filed the response to the importer's questionnaire:
- a. JK Tyre and Industries Ltd
 - b. CEAT Limited
 - c. Apollo Tyres Limited
- ix. Further, the following interested parties have filed responses to the initiation of the investigation:
- a. Automotivre Tyres Manufactureres Association (ATMA)
 - b. The European Commission

c. General Química S.A.U., Spain

- x. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xi. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigations, which was received by the Authority. The Authority has, relied upon the DGCI&S data for computation of the volume of imports and required analysis after due examination of the transactions. The transaction wise import data was placed in the public file.
- xii. The Non-injurious Price (NIP) based on the optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the Domestic Industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-dumping Rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- xiii. The Authority held an oral hearing on May 04, 2017 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6 (6), which was attended by the representatives of Domestic Industry, the responding exporter, importers and importers' association. The representatives who presented their views orally at the time of oral hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally. The interested parties were provided opportunity to offer rejoinder submissions to the views expressed by opposing interested parties.
- xiv. On the spot verification of the data of the Domestic Industry was carried out to the extent considered necessary. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of this finding.
- xv. The period of investigation for the purpose of the present review is April, 2015-March, 2016 (12 Months). The examination in the context of injury analysis covers the periods April 2012-March 2013, April 2013-March 2014, April 2014-March 2015 and the POI.
- xvi. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in this document.
- xvii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
- xviii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
- xix. In accordance with the Rules the Authority issued a disclosure statement containing all essential facts of the case on 16th June 2017 for the comments of the interested parties. The comments of the interested parties, to the extent they are relevant, have been addressed in this finding in appropriate places.
- xx. '***' in this document represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xxi. The exchange rate for the POI has been taken by the Authority as Rs.65.91 = 1 US\$.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**C.1 Views of the Domestic Industry**

- 11. The following are the submissions made by the domestic industry with regard to product under consideration and like article:
 - i. The present review investigation is a second sunset investigation. The products involved in the original investigation and in the previous and present sunset review investigation are certain rubber chemicals namely

TDQ, PX-13, MOR and MBTS. The product under consideration in the present sunset review is the same as has been held by the Designated Authority in the original investigations. The detailed chemical names of the product are as follows:

- a. **PX-13:** N-1, 3-dimethyl butyl-N'-Phenylparaphenylenediamine (6 PPD). PX-13 is produced by hydrogenation of a mixture of 4-nitrodiphenylamine and methyl isobutyl ketone in an autoclave at moderately high pressure in the presence of a noble metal catalyst. The resulting reaction mass, which contains unreacted ketone, by-products, etc., is filtered to remove the catalyst, which is then recycled. The filtrate is distilled to remove low boilers and is then flaked to give the finished product. The low boilers are redistilled to recover the unreacted ketone. Catalyst is recycled until the activity is reduced. It is then removed from the system.
- b. **TDQ:** Polymerized 2,2, 4-Trimethyl-1, 2 di-hydroquinoline. TDQ Acetone and aniline are condensed at high temperature in presence of an acid catalyst. The resultant mass is then polymerized to the required degree; the excess acid is neutralized with caustic solution and washed with water. The material is then stripped at high temperature under vacuum to recover low boilers. The product is then pastilized and bagged.
- c. **MOR:** N-oxydiethylene-2-benzothiazole sulphenamide(2- Morphoolinothiobenothiazole) (MBS). MOR Mercaptobenzothiazole disulphide is reacted with morpholine and sodium hypochlorite. The reaction is carried out in the presence of isopropyl alcohol. The product is filtered, washed and extruded to form pellets, which are dried and packed. The isopropyl alcohol is recovered and recycled
- d. **MBTS:** Dibenzothiazole disulphide. It is manufactured by oxidation of sodium salt of MBT using suitable oxidizing agents. The other trade name of the product is Accelerator DM.

- ii. There is no restriction to limit the investigation to single product as mentioned by the Authority in the final findings of the original investigation.
- iii. PX-13, TDQ and MOR are extensively used in treating natural rubber, synthetic rubber (SBR, Butadiene Rubber, Nitrile Rubber, and Carboxylated Rubber) and other synthetic rubber based compounds used for manufacture of various rubber products. However, MBTS is used in automotive tyre and tubes industry and also in conveyor belting and footwear industry amongst others.
- iv. There is no dedicated ITC HS Classification for the subject goods and products under consideration are classified under various subheadings of customs classification heads 38.12.10, 38.12.20 and 38.12.30 as well as under 29.34.20 and 29.25.20 (at six digit levels) of the Customs Tariff Act and ITC HS classification. However, the products are known by their respective trade names and the chemical descriptions as indicated above. Therefore, the Customs and ITC HS classifications shown above are indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation.
- v. There is no difference in the technology employed and the quality of the domestic and imported product. Present investigation is a review investigation. The Designated Authority has examined the issue of product under consideration and like article in the original investigation, which is relied upon.
- vi. There is no significant difference in the technology employed by the Domestic Industry and producers in subject country and rubber chemicals exported from the respective subject countries and are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.
- vii. Each of the subject rubber chemical produced by the Domestic Industry is individually comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods with each of the subject rubber chemical imported from respective subject countries.
- viii. Each of the subject rubber chemicals produced by the Petitioner Company is a like article to each of the rubber chemicals imported from Respective subject countries within the meaning of the Anti-dumping Rules.
- ix. Present investigation is a review investigation. The Designated Authority has examined the issue of product under consideration and like article in the original investigation, which is relied upon.

C. 2. Views of the Interested Parties

12. None of the producers/exporters/importers/other interested parties has made any submissions in this regard.

C. 3. Examination of the Authority

13. The products on which the duties are in force are four specific rubber chemicals used in manufacture of rubber products, viz., PX-13, TDQ, MOR & MBTS. This review covers these four specific rubber chemicals only and hereinafter they have been referred to as subject goods.
14. The present investigation being a sunset review investigation and anti-dumping duties, as earlier recommended by the Authority, being in force on the imports of the subject goods from the subject countries, the Authority considers that the scope of the PUC in the present investigation remains the same as that in the original and subsequent review investigations. The product under consideration defined in the previous investigations is as follows
- MOR: N-oxydiethylene-2-benzothiazole sulphenamide (2- Morphoolinothiobenothiazole) (MBS). MOR Mercaptobenzothiazoledisulphide is reacted with morpholine and sodium hypochlorite. The reaction is carried out in presence of isopropyl alcohol. The product is filtered, washed and extruded to form pallets, which are dried and packed. The isopropyl alcohol is recovered and recycled.
 - PX 13: N-1, 3-dimethyl butyl-N'Phenylparaphenylenediamine (6 PPD). PX- 13 Px- 13 is produced by hydrogenation of a mixture of 4-nitrodiphenylamine and methyl isobutyl ketone in an autoclave at moderately high pressure in presence of a noble metal catalyst. The resulting reaction mass, which contains unreacted ketone, by-products, etc., is filtered to remove the catalyst, which is then recycled. The filtrate is distilled to remove low boilers and is then flaked to give the finished product. The low boilers are redistilled to recover the unreacted ketone. Catalyst is recycled until the activity is reduced. It is then removed from the system.
 - TDQ: Polymerized 2, 2, 4-Trimethyl-1, 2 di-hydroquinoline. TDQ Acetone and aniline are condensed at high temperature in presence of an acid catalyst. The resultant mass is then polymerised to the required degree; the excess acid is neutralized with caustic solution and washed with water. The material is then stripped at high temperature under vacuum to recover low boilers. The product is then pastilized and bagged. These rubber chemicals are extensively used in treating natural rubber, synthetic rubber (SBR, Butadiene Rubber, Nitrile Rubber, Carboxylated Rubber) and other synthetic rubber based compounds used for manufacture of various rubber products
 - MBTS: Dibenzothiazoledisulphide also known as Accelerator DM. MBTS is manufactured by oxidation of sodium salt of MBT using suitable oxidizing agents. MBTS is extensively used in the manufacture of various rubber products. It is an accelerator and is also used in manufacturing of automotive tyres, conveyor belts and footwear industry.
15. After considering the information on record, the Authority holds that there is no known difference in product under consideration exported from subject country and the product produced by the Indian industry. The subject product produced by the domestic industry is comparable to the Product under consideration in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.
16. Thus, the Authority holds that the subject product produced by the applicant domestic industry is like article to the Product under consideration, in accordance with the AD Rules.
17. The Authority, in the original investigations, noted that there is no dedicated ITC HS Classification for the subject goods and products under consideration are classified under various subheadings of customs classification heads 38.12.10, 38.12.20 and 38.12.30 as well as under 29.34.20 and 29.25.20 (at six digit levels) of the Customs Tariff Act and ITC HS classification. Therefore, the Customs and ITC HS classifications shown above are indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation.

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING**D.1. Views of the Domestic Industry**

18. Following submissions have been made by the Domestic Industry with regard to scope and standing of the Domestic Industry:
- The petition was filed by M/s. M/s NOCIL Limited, Mumbai as a domestic producer of the product under consideration. Apart from the petitioner, following are the producers of the subject rubber chemicals in India:
 - PX-13: PMC Rubber Chemicals, Lanxess India
 - TDQ: Lanxess India, Marchem Limited
 - MOR: PMC Rubber Chemicals, Marchem Limited
 - MBTS: Marchem Limited
 - The petitioner alone commands majority proportion in Indian production. It has neither imported the subject rubber chemicals nor is related either to any exporter of the subject product in subject countries or an importer in India.
 - No published information is available with regard to the production of the other Indian producers. The petitioner has determined the production of other Indian producers based on their imports of raw materials, domestic sales, imports and exports made by individual Companies.

D.2. Views of the other Interested Parties

19. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to scope and standing of the Domestic Industry:
- Neither any information on the production of PX-13 by other Indian Producers and/or any information on its methodology of such assessment have been provided by the petitioner.
 - The production levels of different producers cannot be measured by volume of consumption of raw materials alone as different Indian producers of PX13 have different production processes and efficiency levels.
 - The present petition is not being supported by other domestic producers and thus, petitioner's estimation of its own share in the total Indian Production remains without basis in fact in the absence of established the production output of the other Indian producers conclusively.

D.3. Examination of the Authority

20. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”

21. The application has been filed by NOCIL Limited. The other producers of the subject goods in India are (a) Lanxess India Pvt. Ltd (b) Merchem Ltd. and (c) PMC Rubber Chemicals India Pvt. Ltd.
22. The Authority notes, on the basis of information on record that the petitioner has not imported the subject goods during the period of investigation, and, is not related to any exporter or producer of the subject goods in the respective subject countries or any importer or user of the product under consideration in India within the meaning of Rule 2(b).

Units in MT, Share in Percentage	2012-13	2013-14	2014-15	POI
PX13	***	***	***	***
Lanxess India P Ltd	***	***	***	***
PMC Rubbchem P Ltd	***	***	***	***

Merchem Ltd	***	***	***	***
NOCIL (Petitioner)	***	***	***	***
Total Indian Production	***	***	***	***
Share of Domestic Industry	60-70	65-75	70-80	70-80
TDQ				
Lanxess India P Ltd	***	***	***	***
PMC Rubbchem P Ltd	***	***	***	***
Merchem Ltd	***	***	***	***
NOCIL (Petitioner)	***	***	***	***
Total Indian Production	***	***	***	***
Share of Domestic Industry	60-70	70-80	70-80	70-80
MOR				
Lanxess India P Ltd	***	***	***	***
PMC Rubbchem P Ltd	***	***	***	***
Merchem Ltd	***	***	***	***
NOCIL (Petitioner)	***	***	***	***
Total Indian Production	***	***	***	***
Share of Domestic Industry	55-65	80-90	90-100	90-100
MBTS				
Lanxess India P Ltd	***	***	***	***
PMC Rubbchem P Ltd	***	***	***	***
Merchem Ltd	***	***	***	***
NOCIL (Petitioner)	***	***	***	***
Total Indian Production	***	***	***	***
Share of Domestic Industry	70-80	80-90	90-100	90-100

Note: Estimated Production of Other Indian Producers (Except Petitioner - NOCIL)

Note: POI is April'15-March'16

23. As regards to the contention that none of the other domestic producers have supported the petition, the Authority notes that as per the Anti-dumping Rules, the Authority is required to examine whether (a) domestic producers expressly supporting the application account for more than twenty five percent of the total production of the like article by the domestic industry; and (b) the application is supported by those domestic producers whose collective output constitute more than fifty percent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition to the application. The applicant constitutes more than ***% of the total domestic production in each of the subject rubber chemicals.
24. As regards the argument that the determination of total Indian Production remains without basis in the absence of information of the production output of the other Indian producers, it is noted that none of the other Indian producers responded to the letters issued to them by the Authority. Further the opposing interested parties also have not provided any information rebutting the claims of the domestic industry on total Indian production. The Authority in the absence of any information has relied on the best available information. Also, the present investigation being a sunset review investigation and since in all the previous investigations, NOCIL Ltd was considered as the domestic industry and no evidence of any substantial change in the status has been brought to the notice of the Authority, it is considered appropriate to hold the petitioner as a domestic industry for the purposes of the present investigation.

25. In view of the above and after due examination, the Authority holds that the applicant satisfies the standing requirements for each of the subject rubber chemicals individually and constitute domestic industry under Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules.

E. CONFIDENTIALITY

E.1. Views of the Domestic Industry

26. The following submissions have been made by the Domestic Industry with regard to confidentiality:
- i. The responding exporter has resorted to excessive confidentiality in the questionnaire response file. Very basic information like address of the manufacturing site has also been kept confidential, among others. No proper non confidential summary has been provided by the exporters.
 - ii. Even if when a party has participated in the investigation but has not provided the available information sought by the Authority, the party could be treated as cooperative by the Authority.

E.2. Views of the other Interested Parties

27. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to confidentiality:
- i. The petitioner has maintained excessive confidentiality. The DI has claimed confidentiality on selling price, profits and export sales among other economic indicators even when the same parameters of the same DI, were not granted confidentiality in the Safeguard investigation.
 - ii. The information which is available in public domain and can be obtained by payment of fee can't be kept confidential.
 - iii. There cannot be a legitimate ground for the DA to grant confidentiality to the figures of DI when the other investigating authority in India has not granted confidentiality.
 - iv. While referring to the judgment on Sandisk International Ltd. v. DA, it has been argued that in order to analyze and provide comments, it is DA's obligation to ensure that all the information pertaining to economic indicators is made available to the interested parties. Otherwise it would tantamount to the inconsistency with the principles of natural justice.
 - v. Confidentiality has been claimed by DI with respect to the market share of imports in relation to production and consumption without providing non-confidential version of such data or showing 'good cause' while claiming confidentiality.
 - vi. The actual figures pertaining to capacity, market share, production and sales and for domestic sales realization, even the indexed version, has not been provided which is contrary to the Rules and past practice of DGAD.
 - vii. The petition refers to Annexure 3.4 where a monthly dumping margin has allegedly been calculated which is not found in Annexure 3.4.
 - viii. The information in the application should not have been regarded as sufficient for initiation of this proceeding.

E.3. Examination of the Authority

28. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

"Confidential information:

(1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule(2),(3)(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information,

such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information."

29. Submissions made by the interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed accordingly. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file. The Authority notes that any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential.
30. As regards, the treatment of the information by the Authority in the Safeguard investigation, it is noted that the Authority has considered Information provided by the interested parties on confidential basis and the same was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties

F. MISCELLANEOUS ISSUES

F.1.Views of the Domestic Industry

31. The following miscellaneous submissions have been made by the Domestic Industry:
 - i. None of the TDQ, MOR and MBTS exporter has responded to the questionnaire issued by the Authority or in any other manner submitted response.
 - ii. There was a typographical error in the petition on page number 29 regarding domestic sales of PX-13 and the one mentioned on page number 60 is correct.
 - iii. Indian industry is in a position to meet the entire demand for all the rubber chemicals in the country. Notwithstanding the fact that the consumption in India is higher than the capacities with the Indian producers may justify imports per se. The same however does not justify unfair dumping.
 - iv. Law doesn't stipulate any maximum time for which ADD should be levied. If there is a clear evidence of likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry in the event of cessation of anti dumping duty, ADD should be continued.
 - v. There is no restriction under the law that two different products from the different countries can't be clubbed together. Rather, the data given for them should be given individually which has been done by the petitioner.

F.2.Views of the other Interested Parties

32. The following miscellaneous submissions have been made by the other interested parties:
 - i. Sufficient case for the continuation of Anti-dumping duties, as required under the Act, the Rules and ADA has not made out by the Petitioner.
 - ii. The data submitted by the petitioner is incorrect when compared with the Safeguards final finding.
 - iii. The petitioner has provided two different figures of its domestic sales of 6PPD on two different pages of the petition.
 - iv. The domestic producers in India are unable to meet the demand.
 - v. Duty against EU will not result in decrease in imports from China and Korea from where the most of the imports of PX-13 are.

- vi. In accordance with the judgment in Commissioner of Customs v. G.M Exports, (2016) 1 SCC 91 and Section 9A (5) of the Custom Tariff Act, 1975, the Central Government cannot extend the ADD after expiry of 10 years from the date of its initial imposition. The current SSR investigation does not fall under the “special case” category.
- vii. In the present investigations, two different AD investigations have been clubbed which deals with different PUC and subject countries, which is not appropriate.

F.2.Examination of the Authority

- 33. With regard to the contention of one of the interested parties that the data submitted by the petitioner is incorrect when compared with the Safeguards final finding, the Authority notes that the on the spot verification of the data of the Domestic Industry was carried out to the extent considered necessary by the Authority. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of this document
- 34. With regard to the discrepancy on two pages of the petition, the petitioner has clarified that the same was a typographical error. The Authority, however has adopted the verified data for the purpose of this document.
- 35. As regards the contention that the Domestic Industry does not have sufficient capacity to meet the demand of product under consideration in the country, the authority notes if there is a demand supply gap in the country, the foreign producers can certainly fill the gap in the country by bringing the product at a fair price. Demand supply gap does not justify dumping of the product.
- 36. As regards the contention of extension of the anti-dumping duty after expiry of 10 years from the date of its initial imposition is concerned, the Authority notes that the law clearly envisages that the anti dumping duty can be extended further from time to time, if it is found that dumping and consequent injury to the domestic industry is likely in the event of cessation of anti-dumping duty. Anti-dumping law is for removing unfair trade practice and providing a level playing field to the domestic industry. The Authority recommends anti-dumping duty only after following the requirements prescribed under the laws
- 37. As regards to the contention regarding clubbing of two investigations is concerned, the Authority holds that the anti dumping rules do not require conducting separate investigations for a number of alleged dislike articles. Even though different rubber chemicals have been treated dislike article for the purpose of the present investigations, nevertheless, all of these fall under the broad category of rubber chemicals. In fact, even Standard Input Output Norms fixed are for “rubber chemicals” as a group and not separately for each of the rubber chemical. In any case, the Authority has done separate analysis for each of the rubber chemical in the present investigation to avoid any possible distortions.

G. MARKET ECONOMY TREATMENT, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DETERMINATION OF DUMPING MARGIN

- 38. According to Section 9A (1) (c) of the Customs Tariff Act, 1975 ‘Normal Value’ in relation to an article means: -

“comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not

produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

G.1. Views of the Domestic Industry

39. The Domestic Industry, inter alia, submitted as follows:

- i. The purpose of fixation of investigation period is to consider a period when the existence of dumping causing injury is established. The date of determination is not relevant to the moot question of dumping causing injury to the domestic industry. The dumping margin and injury margin are determined based on the investigation period.
- ii. The responding exporters must establish that the elements of costs referred to in the context of determination of normal value are appropriately and completely reflected in the records kept by the exporter or producer under investigation. Thus, China should be treated as non market economy.
- iii. The Chinese producers are required to be treated as non-market economy companies for the reason that the costs and prices in China do not reasonably reflect the market forces. Para 8 to Annexure-I specifies the parameters which should be considered for grant of market economy status. This also implies that unless these conditions are not fulfilled/ satisfied, the Chinese costs and prices cannot be adopted.
- iv. The consideration of market economy status is based on parameters prevailing during investigation period. Since the reason for rejection of Chinese costs and prices is distortion in the costs and prices in China due to the factors listed in Para 8 to Annexure-I, it is the investigation period that is relevant to decide consideration of Chinese producers as market economy companies.
- v. In the original investigation as well, the Authority noted that the responding exporters from China PR were operating under nonmarket economy conditions and therefore the normal value was determined in accordance with para 7 of Annexure I of Antidumping Rules.
- vi. Chinese producers are required to be treated as companies operating under nonmarket economy environment and the Authority may proceed to determine the normal value on the basis of Para 7 of Annexure-I.
- vii. Normal value could not be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not publicly available. The petitioner has claimed consideration of normal value on the basis of cost of production in India duly adjusted.
- viii. The petitioner is able to procure invoices of domestic sales of TDQ in the EU and thus, the petitioner considered the price as normal value to determine dumping margin.
- ix. The questionnaire response submitted by the Solutia Europe in respect of PX-13 is incomplete as it has a Master Operating Agreement with Monsanto Europe NV, under which Monsanto acts as toll manufacturing/processing agent of the subject product for Solutia Europe and Monsanto has not submitted any response.
- x. Elements of costs even though might be based on the records kept by the exporter, nevertheless does not imply that the Designated Authority is bound to adopt the cost of production of the exporter without satisfaction whether the same reasonably reflect the cost associated with production and sale of the product under consideration.
- xi. Solutia is required to provide the following information in case any material is purchased from related supplier or as a part of captive production:
 - (a) the basis of pricing of the material considered
 - (b) how exporter considers that the pricing considered is reflective and representative of a fair market price
 - (c) provide purchase prices from independent parties for an identical or comparable input product. provide cost of production of the item procured captively or from an affiliated supplier
- xii. M/s Solutia's response suggests that it is the manufacturer of 4ADPA and as per the market information of the petitioner; M/s Solutia is suffering losses in 4ADPA business. The Authority should take note of

that and verify the valuation of 4ADPA done by Solutia.

G.2. Views of the interested parties

40. The other interested parties submitted as follows:

- a. The constructed Normal Value by DI should be disregarded as the petitioner has failed to demonstrate that there exists a particular market situation in the EU that does not permit a proper comparison for the determination of Normal Value.
- b. In order to ensure a fair and adequate constructed normal value, the elements use for the construction of normal value should preferably relate to the exporting country's market rather than that of India.
- c. The discounts provided to its large customers should be taken in purview while determining Normal Value based on data provided by it.
- d. To substantiate the deductions of export price calculation, no evidence has been provided. These deductions, in comparison to the ones made in the last SSR, seem overstated.
- e. The exporter has provided its actual price for the export of PX13 into India, the same should be considered.
- f. Solutia has provided records regarding export price and other necessary information for normal value determination and hence, DGAD should determine dumping margin according to this information only.
- g. The domestic rates have been used for consumption norms while producers in the EU are likely to have a different cost structure.
- h. The fact that the Indian petitioner increased capacity for PX-13 in the period 2012- 13 to the POI also casts doubts concerning their level of efficiency and the conversion rates that have been applied to construct normal value.
- i. The Commission has serious doubts concerning the methodology and the adequacy of the data used in order to establish normal values, export prices and dumping margin.
- j. Solutia has provided complete response of the questionnaire and detailed breakup of its cost of production of PX-13 including costs of production at the facility operated by Monsanto. Thus, Solutia's response in relation costs for the production of PX-13 is complete.
- k. As opposed to the claim of DI, valuation of 4ADPA is immaterial to present investigation. As such, the cost sheet of 4APDA in the open market and the market price for this product is not relevant.

G.3. Examination by the Authority

Normal Value in China

41. Article 15 of China's Accession Protocol provides as follows:

"Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

- (a) *In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:*
 - (i) *If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*
 - (ii) *The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that*

market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.

- (b) *In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.*
- (c) *The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.*

Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."

42. Article 15 implies that provisions of one of the subparagraph shall expire 15 years from date of China's Accession. The provisions of this paragraph expired in 11th Dec., 2016. Since the factum of dumping causing injury to the Domestic Industry is established based on investigation period, the conditions prevalent during the investigation period alone is relevant, appropriate and necessary for the purpose of present investigation. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is April 2015 – March 2016. Since the subparagraph of Article 15 was in existence during the period of investigation, the Authority may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.
43. The Authority notes that in the past three years, China PR has been treated as non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.
44. None of the exporter/producers have filed market economy questionnaire response. In view of the above position and in the absence of rebuttal of non-market economy presumption by any Chinese exporting company, the Authority considers it appropriate to treat China PR as a non-market economy country in the present investigation and proposes to proceed with para-7 of Annexure-I to the Rules for determination of normal value in case of China PR.

MOR:

All producers/exporters from China PR

45. As no producer of MOR from China PR has co-operated in this investigation and provided any information for rebutting the non-market treatment as per para 8(2) of Annexure 1 of the AD Rules. Therefore, the presumption of non-market economy as per para 8(2) of Annexure 1 of the AD Rules remains un-rebutted. The Authority, therefore, has determined the Normal value in accordance with para 7 Annexure I of the AD Rules. In absence of sufficient information on record regarding the other methods as are enshrined in para 7 of Annexure I of the AD Rules, the Authority has determined the Normal value by adopting the method "any other reasonable basis".
46. The Authority has therefore constructed the Normal value for China PR, for the purpose of MOR, considering the best available information on record.

MBTS:**All producers/exporters from China PR**

47. As no producer of MBTS from China PR has co-operated in this investigation and provided any information for rebutting the non-market treatment as per para 8(2) of Annexure 1 of the AD Rules. Therefore, the presumption of non-market economy as per para 8(2) of Annexure 1 of the AD Rules remains un-rebutted. The Authority, therefore, has determined the Normal value in accordance with para 7 Annexure I of the AD Rules. In absence of sufficient information on record regarding the other methods as are enshrined in para 7 of Annexure I of the AD Rules, the Authority has determined the Normal value by adopting the method “any other reasonable basis”.
48. The Authority has therefore constructed the Normal value for China PR, for the purpose of MOR, considering the best available information on record.

M/s Solutia Europe BVBA/SPRL, Exporter/producer from EU

49. M/s Solutia Europe BVBA/SPRL has provided information on transaction-wise details of its sales of the subject goods in home market. For the purpose of determination of normal value, the domestic sales of the goods produced by the company have been taken into consideration. It was seen that the domestic sales could be adopted for determination of Normal value as it passed the sufficiency and the ordinary course of trade tests. The adjustments have been allowed as verified during the on-the-spot verification. After the adjustments, the Normal value has been determined.

All other exporters/producers from EU

50. For the non-cooperative exporters from the European Union, the Authority has constructed the Normal value considering the best available information on record.

TDQ**All producers/exporters from European Union**

51. None of the exporters/producers in EU has co-operated with the Authority in this investigation. In view of non-cooperation by the exporters/producers in EU, the Authority has constructed the Normal value considering the best available information on record.

Determination of Export Price

52. The Authority notes that except M/s Solutia Europe BVBA/SPRL, for PX 13, none of the exporters / producers from EU and China PR for the subject goods has co-operated with the Authority in this investigation. In view of non-cooperation by the exporters / producers, the Authority has considered the ‘Export price’ on the basis of ‘facts available’ on record.
53. It is seen that the domestic industry has claimed volume, value and import price on the basis of information provided by IBIS. The Authority also called for the data from DGCI&S. The Authority has determined weighted average import price for the products under consideration on the basis of information provided by DGCI&S.

PX-13:**Determination of Export Price for M/s Solutia Europe BVBA/SPRL, Exporter/producer from EU**

54. M/s. Solutia Europe BVBA/SPRL provided transaction-wise information on export sales to India. For determination of its net export price. The expenses incurred by M/s Solutia Europe BVBA/SPRL, as verified have been adjusted. By making these deductions, the net export price has been calculated.

Determination of Export Price for all other producers/exporters from European Union

55. None of the exporter from EU has provided any information giving details of export price. Therefore, the Authority has determined the export price for producers/exporters of EU on the basis of the DGCI&S transaction wise data. Accordingly, the weighted average net export price at ex-factory level, in respect of all exporters from EU has been determined after making the due adjustments for Ocean Freight, Marine Insurance, Port Expenses, Bank charges, Commission and Inland freight on the basis of best available information.

TDQ:**Determination of Export Price for all producers/exporters from European Union**

56. None of the exporter from EU has provided any information giving details of export price. Therefore, the Authority has determined the export price for producers/exporters of EU on the basis of the DGCI&S transaction wise data. Accordingly, the weighted average net export price at ex-factory level, in respect of all exporters from EU has been determined after making the due adjustments for Ocean Freight, Marine Insurance, Port Expenses, Bank charges, Commission and Inland freight on the basis of best available information.

MOR:**Determination of Export price for all producers/exporters in China PR**

57. None of the exporter from the China PR has provided any information giving details of export price. Therefore, the Authority has determined the export price for producers/exporters of China PR on the basis of the DGCI&S transaction wise data. Accordingly, the weighted average net export price at ex-factory level, in respect of all exporters from China PR has been determined after making the due adjustments for Ocean Freight, Marine Insurance, Port Expenses, Bank charges, Commission, Inland freight and VAT refund on the basis of best available information as mentioned in the dumping margin table.

MBTS:**Determination of Export price for all producers/exporters in China PR**

58. None of the exporter from the China PR has provided any information giving details of export price. Therefore, the Authority has determined the export price for producers/exporters of China PR on the basis of the DGCI&S transaction wise data. Accordingly, the weighted average net export price at ex-factory level, in respect of all exporters from China PR has been determined after making the due adjustments for Ocean Freight, Marine Insurance, Port Expenses, Bank charges, Commission, Inland freight and VAT refund on the basis of best available information as mentioned in the dumping margin table

Determination of Dumping Margin

59. The dumping margin during the POI for all exporters/producers from the respective subject countries have been determined as provided in the table below:

PX-13

S.No.	Exporter	Country	Normal Value USD/MT	Export Price USD/MT	Dumping Margin USD/MT	Dumping Margin (%)
1	M/s Solutia Europe BVBA/SPRL	EU	***	***	***	10-20
2	All other exporters/ producers from EU except as mentioned above	EU	***	***	***	35-45

TDQ:

S.No.	Exporter	Country	Normal Value USD/MT	Export Price USD/MT	Dumping Margin USD/MT	Dumping Margin (%)
1	All exporters/ producers from EU	EU	***	***	***	negative

MOR:

S.No.	Exporter	Country	Normal Value USD/MT	Export Price USD/MT	Dumping Margin USD/MT	Dumping Margin (%)
1	All exporters/ producers from China PR	China PR	***	***	***	20-30

MBTS:

S.No.	Exporter	Country	Normal Value USD/MT	Export Price USD/MT	Dumping Margin USD/MT	Dumping Margin (%)
1	All exporters/ producers from China PR	China PR	***	***	***	negative

H. INJURY Determination**H.1. Views of Domestic Industry**

60. The Domestic Industry has submitted as follows with regard to injury and causal link in case of all of the subject rubber chemicals:
- The imports are still continuing and are being reported at low and dumped prices.
 - Imports of all products under consideration have remained significant throughout the injury period despite imposition of anti- dumping duty.
 - Dumped imports are significantly undercutting the prices of the Domestic Industry. Without ADD, the price undercutting is positive for each of the subject rubber chemicals and with ADD, the same is positive and significant in case of MOR and MBTS in the POI.
61. Specifically, for PX-13, the Domestic Industry has submitted as follows with regard to injury and causal link:
- The demand for PX-13 has shown positive growth throughout the injury period.
 - Imports of the product under consideration have declined over the period, but the imports are entering the Indian market at dumped prices.
 - Share of subject country imports in relation to total imports in India has declined till 2014-15 and thereafter there is an increase in the POI.
 - For PX-13, the Domestic Industry is unable to increase the selling price even to the extent of cost due to dumped price from EU. The imports from EU are suppressing and depressing the prices of the Domestic Industry.
 - The capacity utilization kept fluctuating throughout the injury period. It declined significantly in 2013-14 and then it increased in 2014-15 and thereafter it again declined in the Period of investigation. However, production has declined in the POI.
 - The sales have shown a positive growth, with a marginally decrease in 2013-14. The domestic industry in order to sustain in the market is offering the product at sub-optimal prices. As a result the production sales and market share has increased but the domestic industry is incurring huge losses
 - The inventory level of the domestic industry has increased throughout the period.
 - The domestic industry is suffering huge losses and is faced with cash losses, negative PBT, PBIT and return on investment throughout the injury period.
62. Specifically, for TDQ, the Domestic Industry has submitted as follows with regard to injury and causal link:
- The demand has increased till 2014-15 and then it has decreased during the POI
 - TDQ imports increased till 2014-15 and it declined in the POI only

- iii. Imports in relation to total imports, consumption and production in India have increased till 2014-15 and thereafter there is a decline in period of investigation.
 - iv. The production, capacity utilization and the domestic sales of the petitioner increased till the year 2014-15; thereafter there was a decline in the POI.
 - v. The inventory levels of the domestic industry have increased over the injury period.
 - vi. Productivity per employee has declined over the injury period.
 - vii. The sales as well as production have shown a negative growth.
63. Specifically, for MOR, the Domestic Industry has submitted as follows with regard to injury and causal link:
- i. The demand declined in case of MOR during the same period due to the substitution of MOR by NS/TBBS. However, the demand for MOR is still significant for thick cross section tyres, OTR, truck and tractor.
 - ii. The imports have increased significantly throughout the injury period.
 - iii. Imports in relation to total imports, production and consumption in India have increased significantly throughout the injury period.
 - iv. The production and capacity utilization of the petitioner increased till the year 2014-15; thereafter there was a decline in the POI.
 - v. The sales of the domestic industry has increased in 2013-14 but declined in 2014-15 and further declined in proposed period of investigation.
 - vi. The inventory levels declined in the year 2013-14, and thereafter it increased in 2014-15. Then it again declined in the POI.
 - vii. Market share of the imports in Indian demand has increase significantly throughout the injury period.
 - viii. The sales as well as production have shown a negative growth.
64. Specifically, for MBTS, the Domestic Industry has submitted as follows with regard to injury and causal link:
- i. the demand has declined during 2013-14 but increased thereafter with a significant increase during proposed period of investigation.
 - ii. The imports declined in the year 2013-14 and thereafter there is a significant and consistent increase in the imports during the POI.
 - iii. Imports in relation to total imports, consumption and production in India have declined during 2013-14 and thereafter there is a significant increase till the period of investigation.
 - iv. The production and capacity utilization of the petitioner increased till the year 2014-15; thereafter there was a decline in the POI.
 - v. The sales of the domestic industry have increased throughout the injury period.
 - vi. The inventory levels have declined during 2013-14 and remained same for 2014-15. Thereafter it increased significantly during the POI.
 - vii. The sales have shown a positive growth however production has shown a negative growth.

H.2. Views of other Interested Parties

65. The following submissions were made by producers/exporters/importers/other interested parties with regard to injury to the domestic industry
- i. Majority of economic parameters either show a positive trend or are stable as a result of ADD in force.
 - ii. The installed capacity of NOCIL for the year 2012-13 was found to be 8500 MT/year by the DG Safeguards along with noting that it had not made any physical changes regarding increased capacity from 8500 MT to 14000 MT as claimed by it.

- iii. The production capacity of the other three producers Merchem, Lanxess and PMC are 8500, 2000 and 1000 MT/year respectively, as information provided by other interested parties, as has been cited in the Safeguards final finding.
- iv. The calculation done for the calculation of demand or apparent consumption by the petitioner is not accurate by equating 'Imports from all sources' with 'Import sales from all sources' for the reason that it's not necessary that all imports are sold in a given year.
- v. As per the data constructed by Solutia Europe based on information in the Initiation Notification-Safeguards and the Final Findings – Safeguards, there has been a significant decrease in the Sales of other Indian producers during the POI whereas the indexed data provided by the Petitioner in the present investigation shows that there is an increase in the sales of other Indian producers.
- vi. For TDQ, sales increased by 28% while consumption was stable. The corresponding market share therefore increased.
- vii. The imports of PX-13 haven't taken the market share from the petitioner as the demands shows positive growth by 20 indexed points in the POI as compared to the base year and the imports of PX-13 from EU have declined throughout the injury period, by 48 indexed points for the same period. There is no dumping of PX-13 from EU into India.
- viii. Even when the landed price of imports have increased consistently from 2012-13 to 2015-16, the petitioner's selling price has decreased during 2015-16 which follows that there is no price undercutting with respect to PX-13.
- ix. The DI has been able to increase its domestic selling price along with an increase in domestic sales in volume clearly establishes that there is no case of price undercutting.
- x. For PX-13, there is no price suppression/ depression as the petitioner has increased its selling price even when the cost of sales has reduced. At the same time, the Petitioner has been able to increase its domestic sales in volume. The petitioner has failed to demonstrate price suppression/ depression.
- xi. The DI has admitted in its petition that the imports with respect to MOR, TDQ and MBTS, are neither suppressing nor depressing the prices of the DI.
- xii. In absence of price undercutting, price suppression and price depression, it is evident that no case of price injury is made out in the present investigation.
- xiii. The landed price of the imports for PX-13 and TDQ has increased by 27 and 20 indexed points respectively in the POI as compared to the base year.
- xiv. There is an increase in the installed capacity of the petitioner in the POI. Production levels of the Petitioner have increased consistently for the investigation period with a marginal decline during POI but the same is higher as compared to production levels during the base year and same is the case with capacity utilization when compared to the base year.
- xv. The DI has increased its production and is running at more than 100% of capacity utilization for PX-13, MOR and MBTS.
- xvi. The submission of inaccurate data by the DI with respect to important economic indicators qualifies as an attempt to hinder proper analysis of pertinent data by the opposing interested parties. The DA should verify all the domestic sales figures and then give an opportunity to the interested parties to provide meaningful comments.
- xvii. There is a significant increase in the domestic sales for the years throughout the Investigation period and the POI except for a small decline in domestic sales from 2012-13 to 2013-14.
- xviii. There has been an increase in the selling price with a simultaneous decrease in the cost of sales.
- xix. For TDQ, the cost of sales decreased by 11% while the selling price increased by 12% over the POI leading to a further improvement of profitability. While production and capacity utilization remained relatively stable, employment increased by 11%.
- xx. The duties have been in force for more than 11 years and have helped the DI to get numerous years of growth.

- xxi. When compared to the base year, the profitability for the years 2013-14 and 2014-15 has increased while the decline in profits during the POI coincided with a significant drop in imports which make it clear that the losses caused to the Petitioner with respect to PX13 are not on account of imports.
- xxii. The Annual Reports of the Petitioner shows that the overall profitability has significantly improved; has seen increase in total income and profits and is doing well in terms of sales volume also.
- xxiii. The Annual Report for the year 2015-15 of the DI demonstrates that there has been a steady decline in the Petitioner's export sales as a percentage of its total sales. It has intentionally failed to segregate losses arising from its export sales outside India and losses arising out of domestic sales.
- xxiv. Over the injury period and in the POI as well, the interest cost and depreciation cost have increased substantially and are causing injury and thus, the causal link is broken.
- xxv. Market share of the Petitioner and other Indian producers in total Indian demand has increased.
- xxvi. Employment levels and wages for the Petitioner have increased in the POI when compared to the base year.
- xxvii. Significant increase in installed capacity and production levels taken with increased capacity utilization levels are responsible for the increased inventories of the DI.
- xxviii. There has been a continuous growth of DI during the POI and investigation period. ROCE and growth in Sales volumes have also shown consistent improvement. Investor Presentation published by the Petitioner in May 2016 shows consistent improvement in all injury parameters during the POI.
- xxix. The Petitioner's ability to raise capital investments has remained strong. Independent credit rating agencies such as CARE Ratings have consistently rated the Petitioner favourably and in December 2015, reaffirmed the petitioner's long term bank facilities which were rated AA- and the petitioner's short term Bank Facilities which were rated A1+.
- xxx. There is no injury and hence the present investigation should be terminated.
- xxxi. While the Imports from the subject countries have declined during the investigation period and the POI, the Petitioner has been consistently increasing production, sales and capacity over the POI, and has increased its market share as a percentage of domestic demand in India. This demonstrates that there is no causal link can be established between the alleged dumping and such injury.
- xxxii. The injury, if any, is only on account of poor management and inefficiencies in the petitioner's production processes. Reference is made to Safeguards case, where it was found that NOCIL had failed to become cost competitive towards imports and that this was due to its high cost of production.
- xxxiii. During oral hearing, the Domestic industry tried to argue that injury analysis has no relevance in a SSR investigation is without any legal basis.
- xxxiv. No evidence regarding the argument that there is decline in demand of MOR due to substitution by NS. TBBS and that MOR is still in demand for certain sections.
- xxxv. Price Attractiveness: Domestic Industry's itself has admitted that there is no price suppression or depression for MOR, TDQ and MBTS, thus, such a claim for price undercutting is surprising.
- xxxvi. Imports prices of PUC are higher than prices of Domestic Industry. Thus, claim of price sensitivity is not made out.

H.3. Examination by the Authority

- 66. The injury analysis made by the Authority here under addresses the various submissions made by the interested parties.
- 67. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether

the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

68. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
69. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure-II of the Anti-dumping Rules states as follows:

“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.”

70. According to Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act, anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition, provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension.
71. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.
72. In consideration of the various submissions made by the interested parties in this regard, the Authority proceeds to examine the current injury, if any, to the domestic industry before proceeding to examine the likelihood aspects of dumping and injury on account of imports from the subject country. It is as follows :

PX-13

(i) Assessment of Demand/ Apparent Consumption

73. The Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports from all sources.
74. The demand for PX-13 is given in the table below:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
EU - Subject Country	MT	1,925	1,575	1,342	1,356
Other Country attracting ADD	MT	6,597	9,471	7,320	5,247
Other Countries	MT	10	198	162	588
Domestic Industry	MT	3,537	3,473	6,006	8,670
Other Indian Producers	MT	2,343	2,202	2,773	2,898
Total Demand	MT	14,412	16,920	17,604	18,760

75. The Authority notes that the demand for PX-13 has shown positive growth throughout the injury period. Imports from subject country has decreased over the injury period with marginal increase in POI.

(ii) Volume Effect of Dumped Imports and Impact on Domestic Industry**Import volume and Market Share**

76. With regard to volume of the dumped imports, it is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

77. The table below summarizes the factual position with regard to import volumes and market share -:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Imports from EU - subject country	MT	1,925	1,575	1,342	1,356
Imports from country attracting ADD	MT	6,597	9,471	7,320	5,247
Imports from other countries	MT	10	198	162	588
Total Imports	MT	8,532	11,244	8,824	7,191
Share of imports in relation to					
▪ Total imports	%	22.56	14.01	15.21	18.86
▪ Production	%	***	***	***	***
▪ Consumption	%	***	***	***	***

78. On the basis of above, the Authority notes as follows:

- The imports of PX-13 have declined throughout the injury period.
- Imports of PX-13, in relation to production and consumption, have declined.

(iii) Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry**(a) Price Undercutting**

79. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex-factory level.

80. Price undercutting has been worked out by comparing the export price with the domestic selling price in India of the subject goods.

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Landed Price of subject country	Rs/MT	170957	205175	215316	191000
Net Sales Realization	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	20-30	15-25	10-20	10-20

81. From the above, the Authority notes that the landed price of imports of PX 13 from EU is below the net selling price of the domestic industry. The imports from EU are undercutting the selling prices of domestic industry.

(b) Price Suppression/ Depression

82. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown as per the table below:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Cost of Sales	Rs/MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>124</i>	<i>108</i>	<i>93</i>
Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>114</i>	<i>117</i>	<i>102</i>
Landed Price without ADD	Rs/MT	170957	205175	215316	217094
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>120</i>	<i>126</i>	<i>127</i>
Landed prices with ADD	Rs/MT	215226	254464	265287	270480
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>118</i>	<i>123</i>	<i>125</i>

83. The Authority notes that the landed price of imports is lower than the cost of sales of the domestic industry initially but the trend recovered in the last two years of the injury period. The price suppression/depression effect on domestic industry's selling price is absent.

Economic Parameters relating to the Domestic Industry

84. Annexure II to the AD Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the AD Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

85. Accordingly, various economic parameters of the Domestic Industry are analyzed herein below:

(a) Production, Capacity, Capacity Utilization and Sales Volume

86. Production, sales, capacity & capacity utilization of the domestic industry moved as shown below:

PX-13

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Installed Capacity	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>171</i>	<i>171</i>	<i>171</i>
Production	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>117</i>	<i>204</i>	<i>188</i>
Capacity Utilization (%)	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>69</i>	<i>120</i>	<i>110</i>
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>98</i>	<i>170</i>	<i>245</i>

87. It is noted from above that the production, capacity utilization and sales of the domestic industry of PX13 have gone up in absolute term as compared to base year.

(b) Market Share in Demand

88. The market share of the domestic industry moved as shown below:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
EU - Subject Country	%	13.36	9.31	7.62	7.23
Other Country attracting ADD	%	45.77	55.98	41.58	27.97
Other Countries	%	0.07	1.17	0.92	3.13
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Other Producers	%	***	***	***	***
Total Demand	%	100.00	100.00	100.00	100.00

89. It would be seen from the above that the market share of the domestic industry has increased over the injury period with a dip in 2013-14. The market share of imports PX-13 from EU have declined during the injury period.

(c) Profitability, return on investment and cash profits

90. Performance of the domestic industry with regard to profits, return on investment and cash flow is as follows:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
PBT	Rs/Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>(180)</i>	<i>(103)</i>	<i>(92)</i>
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>(108)</i>	<i>(29)</i>	<i>(41)</i>
Cash Profit - PBDT	Rs/Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>(196)</i>	<i>(109)</i>	<i>(93)</i>
ROCE	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>(98)</i>	<i>(20)</i>	<i>(27)</i>

91. The domestic industry is suffering losses throughout the injury period. The domestic industry has suffered cash losses and negative PBIT during the injury period. The domestic industry is faced with negative Return on investments over the injury period. However, the losses have come down in POI as compared to base year as well as previous year. Similarly, rate of return during POI was better as compared to base year.

(d) Inventories

92. Inventories with the domestic industry is as follows:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Average Stock	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>104</i>	<i>281</i>	<i>331</i>

93. The inventory level of the domestic industry in PX-13 has increased throughout the period.

(e) Employment, Productivity and Wages

94. Performance of the domestic industry with regard to employment, productivity and wages is as follows:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Employees	Nos.	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>156</i>	<i>156</i>	<i>156</i>
Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>246</i>	<i>262</i>	<i>344</i>
Productivity / day	MT	***	***	***	***
Productivity / employee	MT	***	***	***	***

95. On the basis of above, the Authority notes as follows:

- The level of employment increased in the year 2013-14 and thereafter remained constant.
- Wages paid have shown a growth over the injury period.
- Productivity in terms of productivity per day as well as productivity per employee has also shown an increase as compared to the base year.

(f) Growth

96. Performance of the domestic industry with regard to growth as compared to the previous years is as follows:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Production	%	base year	***	***	***
Sales Volume Domestic	%	base year	***	***	***

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Sales Price Per KG	%	base year	***	***	***
Cost of Sales Per KG	%	base year	***	***	***
ROCE	%	base year	***	***	***

97. It is noted that the growth of the domestic industry in terms of production has shown a positive trend till 2014-15 which became negative during the POI. The sales have shown a positive growth. The domestic industry is suffering losses and faced with cash losses and negative return on investment.

(iv) Injury Analysis

The Authority notes as under:

- i. **PX-13** – Imports of PX13 from EU remained significant in relation to total imports, production and consumption in India despite existing anti dumping duty. With regard to price effect, it is noted that imports were undercutting the prices of the domestic industry in the market and the domestic industry is unable to increase its selling price to the levels of cost. The inventory level of the domestic industry in PX-13 has increased throughout the period. Imports were suppressing domestic prices. The authority notes that the domestic industry has suffered injury due to dumped imports of PX-13 from EU.

Magnitude of Injury and injury margin

98. The non-injurious price of the subject good produced by the domestic industry as determined by the Authority in terms of Annexure III to the AD Rules has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during the POI and the injury margin so worked out is as under:

Particular	Unit	PX-13	
		Solutia	EU others
Non-Injurious Price (NIP)	US\$/MT	***	***
Landed Value without ADD	US\$/MT	3085.34	2665.71
Injury Margin	US\$/MT	***	***
Injury Margin	%	***	***
Injury Margin	% Range	35-45	55-65

TDQ

(i) Assessment of Demand/ Apparent Consumption

99. The Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports from all sources.
100. The demand for TDQ is given in the table below:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
EU - Subject Country	MT	10	51	473	244
Other Country attracting ADD	MT	781	1,220	1,878	983
Other Countries	MT	464	500	221	557
Domestic Industry	MT	3,677	4,714	4,850	4,693
Other Indian Producers	MT	4,095	2,688	2,404	2,600
Total Demand	MT	9,027	9,173	9,826	9,077

101. The Authority notes that the demand for TDQ has increased till 2014-15 but had a slight decline during period of investigation leading to an overall steady demand pattern.

(ii) Volume Effect of Dumped Imports and Impact on Domestic Industry

Import volume and Market Share

102. With regard to volume of the dumped imports, it is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

103. The table below summarizes the factual position with regard to import volumes and market share -:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Imports from EU - subject country	MT	10	51	473	244
Imports from country attracting ADD	MT	781	1,220	1,878	983
Imports from other countries	MT	464	500	221	557
Total Imports	MT	1,255	1,771	2,571	1,784
Share of imports in relation to					
▪ Total imports	%	0.76	2.91	18.38	13.65
▪ Production	%	***	***	***	***
▪ Consumption	%	***	***	***	***

104. On the basis of above, the Authority notes as follows:

- The imports of TDQ have increased significantly in absolute terms till 2014-15 and thereafter declined in the POI.
- The imports of TDQ, in relative terms, followed the same trend as that in case of absolute terms.

(iii) Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry**(a) Price Undercutting**

105. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex-factory level.

106. Price undercutting has been worked out by comparing the export price with the domestic selling price in India of the subject goods.

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Landed Price of subject country	Rs/MT	172505	170809	162159	164722
Net Sales Realization	Rs/ MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs/ MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	Negative	0-10	15-25	0-10

107. From the above, the Authority notes that the landed price of imports of TDQ from EU is below the net selling price of the domestic industry. The imports from EU are undercutting the selling prices of domestic industry.

(b) Price Suppression/Depression

108. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown as per the table below:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Cost of Sales	Rs/ MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>114</i>	<i>113</i>	<i>89</i>
Selling Price	Rs/ MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>122</i>	<i>132</i>	<i>112</i>
Landed Price without ADD	Rs/ MT	172505	170809	162159	164722

<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>99</i>	<i>94</i>	<i>95</i>
Landed Price with ADD	Rs/ MT	186824	186752	178322	181990
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>99.9</i>	<i>95.7</i>	<i>97.6</i>

109. The Authority notes that the net selling price of TDQ increased over the injury period. Thus, the price suppression/ depression effect of the prices of the domestic industry is absent despite decline in the cost of sales.

Economic Parameters relating to the Domestic Industry

110. Annexure II to the AD Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the AD Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

111. Accordingly, various economic parameters of the Domestic Industry are analyzed herein below:

(a) Production, Capacity, Capacity Utilization and Sales Volume

112. Production, sales, capacity & capacity utilization of the domestic industry moved as shown below:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Installed Capacity	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>107</i>	<i>111</i>	<i>111</i>
Production	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>103</i>	<i>104</i>	<i>98</i>
Capacity Utilization (%)	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>97</i>	<i>94</i>	<i>89</i>
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>128</i>	<i>132</i>	<i>128</i>

113. It is noted from above that the production and capacity utilization of the domestic industry has declined as compared to the base year. This may be attributed to increase in installed capacity. However, the sales of the domestic industry of TDQ have increased in absolute term.

(b) Market share in demand

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
EU - Subject Country	%	0.11	0.56	4.81	2.68
Other Country attracting ADD	%	8.66	13.30	19.11	10.83
Other Countries	%	5.14	5.45	2.25	6.14
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Other Producers	%	***	***	***	***
Total Demand	%	100.00	100.00	100.00	100.00

114. It would be seen from the above that the market share of imports of TDQ from EU has increased till 2014-15 but declined during period of investigation. The market share of domestic industry increased during period of investigation.

(c) Profitability, return on investment and cash profit

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
PBT	Rs./Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>107</i>	<i>111</i>	<i>111</i>
PBIT	Rs./Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>694</i>	<i>1,304</i>	<i>1,420</i>
Cash Profit - PBDT	Rs./Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>578</i>	<i>1,060</i>	<i>1,216</i>
ROCE	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>463</i>	<i>934</i>	<i>830</i>

115. The Authority notes that performance of the domestic industry for TDQ has improved manifold over the injury period and the domestic industry is in profits. The PBIT, Cash Profits and Return in capital employed have also improved substantially throughout the injury period.

(d) Inventories

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Average Stock	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>104</i>	<i>82</i>	<i>104</i>

116. The inventory levels of the domestic industry in TDQ has been consistent with a slight dip in 2014-15.

(e) Employment and wages

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Employees	Nos.	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>111</i>	<i>111</i>	<i>111</i>
Wages	Rs./Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>158</i>	<i>152</i>	<i>234</i>
Productivity / day	MT	***	***	***	***
sProductivity / employee	MT	***	***	***	***

117. On the basis of above, the Authority notes as follows:

- The level of employment increased in the year 2013-14 and thereafter remained constant.
- Wages paid have increased over base year.
- Productivity per day has remained constant over the injury period whereas productivity per employee has declined over the injury period.

(f) Growth

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Production	%	base year	***	***	***
Sales Volume Domestic	%	base year	***	***	***
Sales Price Per KG	%	base year	***	***	***
Cost of Sales Per KG	%	base year	***	***	***
ROCE	%	base year	***	***	***

118. It is noted that the growth of the domestic industry in terms of sales and production have been negative during the POI. The decline in cost of sales is more than decline in selling price resulting in profits. The domestic industry has shown improvement in profits and ROCE.

119. Injury Analysis

The Authority notes as under:

120. **TDQ:** Imports of TDQ from EU remained significant in relation to total imports, production and consumption in India despite existing anti dumping duty. With regard to price effect, it is noted that imports were undercutting the prices of the domestic industry in the market. However, the performance of the domestic industry has improved over the injury period in terms of production, profits, PBIT, cash profit and return on investments. The Authority notes that the domestic industry has not suffered injury.

I. Magnitude of Injury and injury margin

121. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority in terms of Annexure III to the AD Rules has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during the POI and the injury margin so worked out is as under:

Particular	Unit	TDQ
		EU
	US\$/MT	***
Landed Value without ADD	US\$/MT	2499.25
Injury Margin	US\$/MT	***
Injury Margin	%	***
Injury Margin	% Range	negative

MOR

(i) Assessment of Demand/ Apparent Consumption

122. The Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports from all sources.
123. The demand for MOR is given in the table below:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
China PR - Subject Country	MT	334	421	533	519
Other Countries	MT	701	623	38	2
Domestic Industry	MT	1,416	1,535	1,494	1,441
Other Producers	MT	928	274	80	86
Total Demand	MT	3,378	2,853	2,144	2,049

1. The Authority notes that the demand for MOR has decreased during the injury period.

(ii) Volume Effect of Dumped Imports and Impact on Domestic Industry

Import volume and Market Share

124. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India.
125. The table below summarizes the factual position with regard to import volumes and market share -:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Imports from China PR – Subject Country	MT	334	421	533	519
Imports from other countries	MT	701	623	38	2
Total Imports	MT	1,035	1,044	571	521
Share of imports in relation to					
▪ Total imports	%	32.25	40.31	93.36	99.57
▪ Production	%	***	***	***	***
▪ Consumption	%	***	***	***	***

2. On the basis of above, the Authority notes as follows:

- (a) The imports of MOR have increased throughout the injury period in absolute terms.
- (b) Further, the imports in relative terms have followed the same trend as that in case of absolute terms.

(iii) Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry

(a) Price Undercutting

126. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex-factory level.
127. Price undercutting has been worked out by comparing the export price with the domestic selling price in India of the subject goods.

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Landed Price of subject country	Rs./MT	235972	255090	268263	242901
Net Sales Realization	Rs./ MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./ MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	10-20	15-25	15-25	15-25

128. From the above, the Authority notes that the landed price of imports of MOR from China is below the net selling price of the domestic industry. The imports from China are undercutting the selling prices of domestic industry.

(b) Price Suppression/ Depression

129. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown as per the table below:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Cost of Sales	Rs./ MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>107</i>	<i>106</i>	<i>98</i>
Selling Price	Rs./ MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>117</i>	<i>128</i>	<i>117</i>
Landed Price without ADD	Rs./ MT	235972	255090	268263	242901
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>108</i>	<i>114</i>	<i>103</i>
Landed Price with ADD	Rs./MT	278055	301944	315766	293651
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>109</i>	<i>114</i>	<i>106</i>

130. The Authority notes that whereas the cost of production has declined, the net selling price of MOR has increased over the base period. Thus, the price suppression/ depression effect of the prices of the domestic industry is absent.

Economic Parameters relating to the Domestic Industry

131. Annexure II to the AD Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the AD Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and

unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

132. Accordingly, various economic parameters of the Domestic Industry are analyzed herein below:

(a) *Production, Capacity, Capacity Utilization and Sales Volume*

133. Production, sales, capacity & capacity utilization of the domestic industry moved as shown below:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Installed Capacity	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>
Production	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>122</i>	<i>137</i>	<i>110</i>
Capacity Utilization (%)	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>122</i>	<i>137</i>	<i>110</i>
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>108</i>	<i>106</i>	<i>102</i>

134. It is noted from above that the production and capacity utilization has increased till 2014-15 but declined in period of investigation. The sales of the domestic industry have increased in 2013-14 but declined thereafter.

(b) *Market Share in Demand*

135. The market share of the domestic industry moved as shown below:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
China PR - Subject Country	%	9.88	14.75	24.85	25.33
Other Countries	%	20.75	21.84	1.77	0.11
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Other Producers	%	***	***	***	***
Total Demand	%	100.00	100.00	100.00	100.00

136. It would be seen from the above that the market share of both domestic industry and imports of MOR from China PR has increased.

(c) *Profitability, return on investment and cash profits*

137. Performance of the domestic industry with regard to profits, return on investment and cash flow is as follows:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
PBT	Rs./Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>367</i>	<i>652</i>	<i>546</i>
PBIT	Rs./Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>341</i>	<i>590</i>	<i>480</i>
Cash Profit - PBDT	Rs./Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>342</i>	<i>601</i>	<i>505</i>
ROCE	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>319</i>	<i>537</i>	<i>577</i>

138. The Authority notes that performance of the domestic industry for MOR has improved manifold over the injury period and the domestic industry is in profits. The PBIT, Cash Profits and Return in capital employed have also improved substantially over the injury period.

(d) Inventories

139. Inventories with the domestic industry is as follows:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Average Stock	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>51</i>	<i>68</i>	<i>63</i>

140. The inventory levels of the domestic industry in MOR kept fluctuating over the injury period. However, the inventories have declined since base year.

(e) Employment, Productivity and Wages

141. Performance of the domestic industry with regard to employment, productivity and wages is as follows:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Employees	Nos.	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>
Wages	Rs./Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>97</i>	<i>101</i>	<i>114</i>
Productivity / day	MT	***	***	***	***
Productivity / employee	MT	***	***	***	***

142. On the basis of above, the Authority notes as follows:

- The level of employment has remained at similar level during the rest of the injury period.
- Wages paid have decreased till the year 2014-15 and thereafter increased during the POI.
- Productivity per day has been consistent over the injury period whereas productivity per employee has increased over the injury period but deteriorated in POI.

(f) Growth

143. Performance of the domestic industry with regard to growth as compared to the previous years is as follows:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Production	%	base year	***	***	***
Sales Volume Domestic	%	base year	***	***	***
Sales Price Per KG	%	base year	***	***	***
Cost of Sales Per KG	%	base year	***	***	***
ROCE	%	base year	***	***	***

144. It is noted that the growth of the domestic industry in terms of sales and production have been negative in POI. The decline in cost of sales is more than decline in selling price resulting in profits. The domestic industry has shown improvement in profits and ROCE.

145. Injury Analysis

The Authority notes as under:

MOR : Imports of MOR from China PR remained significant in relation to total imports, production and consumption in India despite existing anti-dumping duty. With regard to price effect, it is noted that imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. However, the performance of the domestic industry has improved over the injury period in terms of production, profits, PBIT, cash profit and return on investments. The authority notes that the domestic industry has suffered continued injury.

J. Magnitude of Injury and injury margin

146. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority in terms of Annexure III to the AD Rules has been compared with the landed value of the exports

from the subject country for determination of injury margin during the POI and the injury margin so worked out is as under:

Particular	Unit	MOR
		China PR
Non-Injurious Price (NIP)	US\$/MT	***
Landed Value without ADD	US\$/MT	3685.42
Injury Margin	US\$/MT	***
Injury Margin	%	***
Injury Margin	% Range	0-10

MBTS

(i) Assessment of Demand/ Apparent Consumption

147. The Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports from all sources.

148. The demand for MBTS is given in the table below:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
China PR - Subject Country	MT	673	158	401	617
Other Countries	MT	386	527	634	440
Domestic Industry	MT	977	1,006	1,097	1,242
Other Producers	MT	558	288	45	60
Total Demand	MT	2,595	1,979	2,176	2,358

The Authority notes that the demand for MBTS has declined in 2013-14 but increased thereafter from 2014-15. Imports declined in POI over base period.

(ii) Volume Effect of Dumped Imports and Impact on Domestic Industry

Import volume and Market Share

149. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

150. The table below summarizes the factual position with regard to import volumes and market share -:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Imports from China PR – Subject Country	MT	673	158	401	617
Imports from other countries	MT	386	527	634	440
Total Imports	MT	1,059	685	1,034	1,057
Share of imports in relation to					
• Total imports	%	63.57	23.06	38.73	58.37
• Production	%	***	***	***	***
• Consumption	%	***	***	***	***

151. On the basis of above, the Authority notes as follows:

- The imports of MBTS declined significantly in the year 2013-14 but increased thereafter in 2014-15 and further in period of investigation.
- Further, the imports in relative terms have followed the same trend as that in case of absolute terms.

(iii) Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry**(a) Price Undercutting**

152. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex-factory level.
153. Price undercutting has been worked out by comparing the export price with the domestic selling price in India of the subject goods.

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Landed Price of subject country	Rs./MT	165952	193457	236375	198154
Net Sales Realization	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	10-20	15-25	10-20	20-30

154. From the above, the Authority notes that the landed price of imports of MBTS from China is below the net selling price of the domestic industry. The imports from China are undercutting the selling prices of domestic industry.

(g) Price Suppression/ Depression

155. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown as per the table below:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Cost of Sales	Rs./ MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>108</i>	<i>104</i>	<i>92</i>
Selling Price	Rs./ MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>115</i>	<i>140</i>	<i>132</i>
Landed Price without ADD	Rs./ MT	165952	193457	236375	198154
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>117</i>	<i>142</i>	<i>119</i>
Landed Price with ADD	Rs./ MT	178522	207452	250564	213313
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>116</i>	<i>140</i>	<i>119</i>

The Authority notes that the cost of production has declined in POI as compared to base year but there was increase in 2013-14 and 2014-15. The net selling price of MBTS increased consistently upto 2014 but declined in POI. However, the landed price of imports is lower than the selling price of the domestic industry. Thus, the price suppression/ depression effect of the prices of the domestic industry is absent.

Economic Parameters relating to the Domestic Industry

156. Annexure II to the AD Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the AD Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.
157. Accordingly, various economic parameters of the Domestic Industry are analyzed herein below:

(a) Production, Capacity, Capacity Utilization and Sales Volume

158. Production, sales, capacity & capacity utilization of the domestic industry moved as shown below:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Installed Capacity	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>
Production	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>103</i>	<i>112</i>	<i>109</i>
Capacity Utilization (%)	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>103</i>	<i>112</i>	<i>109</i>
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>103</i>	<i>112</i>	<i>127</i>

159. It is noted from above that the production and capacity utilization has increased till 2014-15 but declined in period of investigation. The sales of the domestic industry have increased throughout the injury period.

(b) Market Share in Demand

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
China PR - Subject Country	%	25.95	7.98	18.41	26.15
Other Countries	%	14.87	26.61	29.12	18.65
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Other Producers	%	***	***	***	***
Total Demand	%	100.00	100.00	100.00	100.00

160. It would be seen from the above that the market share of China PR has decline in 2013-14 but increased thereafter. Market share of the domestic industry has increased over the injury period.

(c) Profitability, return on investment and cash profits

161. Performance of the domestic industry with regard to profits, return on investment and cash flow is as follows:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
PBT	Rs./Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>212</i>	<i>679</i>	<i>842</i>
PBIT	Rs./Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>208</i>	<i>638</i>	<i>773</i>
Cash Profit - PBDT	Rs./Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>208</i>	<i>654</i>	<i>809</i>
ROCE	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>215</i>	<i>547</i>	<i>722</i>

162. The Authority notes that performance of the domestic industry for MBTS has improved manifold over the injury period and the domestic industry is in profits. The PBIT, Cash Profits and Return in capital employed have also improved substantial throughout the injury period.

(c) Inventories

163. Inventories with the domestic industry is as follows:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Average Stock	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>56</i>	<i>56</i>	<i>71</i>

164. The inventory levels of the domestic industry in MBTS has declined in POI compared to the base year.

(e) Employment, Productivity and Wages

165. Performance of the domestic industry with regard to employment, productivity and wages is as follows:

Particular	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Employees	Nos.	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>
Wages	Rs./Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>56</i>	<i>66</i>	<i>80</i>
Productivity / day	MT	***	***	***	***
Productivity / employee	MT	***	***	***	***

166. On the basis of above, the Authority notes as follows:

- Per employee has increased over the injury period but deteriorated in POI.
- The level of employment remained constant over the injury period.
- Wages paid have declined over the injury period.
- Productivity per day has remained constant over the injury period whereas productivity per employee has increased over the injury period with a slight decline in POI.

(f) Growth

167. Performance of the domestic industry with regard to growth as compared to the previous years is as follows:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Production	%	base year	***	***	***
Sales Volume Domestic	%	base year	***	***	***
Sales Price Per KG	%	base year	***	***	***
Cost of Sales Per KG	%	base year	***	***	***
ROCE	%	base year	***	***	***

168. It is noted that the growth of the domestic industry in terms of production have shown a negative growth in POI. However, the growth in terms of sales is positive. The decline in cost of sales is more than decline in selling price resulting in profits. The domestic industry has shown significant improvement in profits and ROCE.

- **Injury Analysis**

The Authority notes as under:

169. **MBTS:** Imports of MBTS from China PR remained significant in relation to total imports, production and consumption in India despite existing anti-dumping duty. With regard to price effect, it is noted that imports were undercutting the prices of the domestic industry in the market. However, the performance of the domestic industry has improved over the injury period in terms of production, profits, PBIT, cash profit and return on investments. The authority notes that the domestic industry has not suffered injury.

Magnitude of Injury and injury margin

170. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority in terms of Annexure III to the AD Rules has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during the POI and the injury margin so worked out is as under:

Particular	Unit	MBTS
		China PR
Non-Injurious Price (NIP)	US\$/MT	

Landed Value without ADD	US\$/MT	3006.49
Injury Margin	US\$/MT	***
Injury Margin	%	
Injury Margin	% Range	Negative

K. LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY

Submissions by the Domestic Industry

171. Following are the submissions made by the Domestic Industry with regard to likelihood of continuation of dumping and consequent recurrence of injury –
- i. The factors relevant to likelihood of dumping are relevant to the likelihood of injury as well in the present case and the same are relied upon.
 - ii. Absence of current dumping does not in any way means there is no likelihood of dumping in the event of cessation of anti-dumping duty.
 - iii. Reliance cannot be placed on Injury Margin and NIP to determine material injury and likelihood of injury and if it is done, the same would be in contravention to the Ahmedabad High Court order judgment in Nirma Limited Vs Union of India, Special Civil Applications No.16426/2016 & 16427/2016a
 - iv. While current import volumes and import prices may show no current injury, the same are insufficient in the present case to show no likelihood of recurrence of injury.
 - v. Imports made into the domestic market have been made at dumped prices; the volume has been very significant since last ten years, despite imposition of anti-dumping duty. There is huge probability of massive imports of dumped subject good in the event of cessation of anti-dumping duty.
 - vi. Exporters/ producers in the respective subject countries have excess capacity of 1,19,500 TPA, 13,500, 6,220 and 58,630 for PX-13, TDQ, MOR and MBTS respectively. This establishes that in the event of cessation of duties, exports to India will intensify.
 - vii. In view of the fact of existing surplus capacities in the subject countries, it can be assumed that the foreign producers can scale up production in a short period.
 - viii. The dumping margin with respect to the respective subject countries, in previous investigations, is not only above de minimus but also substantial. The dumping margin in the current POI is positive and significant except for TDQ. However, during post period of investigation, the imports of TDQ are entering the Indian market at dumped prices
 - ix. The price undercutting without prevailing anti-dumping duties is positive for each subject rubber chemical.
 - x. The import prices are significantly below selling price of the domestic industry. The consumers would therefore switch to imported product in the event of cessation of anti-dumping duty which will lead to significant increase in imports of the product.
 - xi. Questionnaire response of Solutia itself indicates that the exporter has changed its behavior due to anti-dumping duty in existence. In the event of cessation of anti-dumping duty, the imports are likely to enter in the Indian market causing injury to the domestic industry.
 - xii. Chinese rubber chemical industry is faced with over capacity. In the event of cessation of anti-dumping duty, the imports are likely to enter in the Indian market at dumped prices.
 - xiii. There is significant global surplus capacity.
 - xiv. Likelihood in case of PX-13 is further established in view of current dumping and injury despite anti-dumping duty in force.
 - xv. Likelihood of injury to the domestic industry in MOR is further established by the fact that demand for MOR in the international market is declining because of substitution of MOR with NS/TBBS.

The exporters in subject countries are increasingly getting into price pressure in order to sell the volumes.

- xvi. In case of TDQ, the monthly import price shows declining trend towards the end of the POI and the same is more appropriate to reflect their likelihood of dumping and injury in the event of cessation of anti-dumping duty. Further, and in any case, the imports are at dumped prices.
- xvii. In case of cessation of anti-dumping duty, the domestic industry shall have to reduce their selling price to compete with dumped imports, driving it even below the cost of sales; leading to severe price injury.

Views of the other Interested Parties

172. Following are the submissions made by the other interested parties with regard to likelihood of continuation of dumping and consequent recurrence of injury:

- i. There is no case of recurrence of material injury.
- ii. The responding exporter has contested that imports have declined significantly over the period of investigation and this trend is likely to continue and thus, there is no risk of continuance or recurrence of dumping and injury. There is no price undercutting or suppression and depression.
- iii. The contention of the petitioner that it is for the exporters to establish on the basis of their information that dumping is unlikely to continue, intensify or recur in the in the event of cessation of anti- dumping duties, is contrary to the established WTO practice and an attempt to mislead the Authority.
- iv. Data submitted by the Petitioner doesn't prove the existence of injury or likelihood of recurrence or continuance of dumping and fails to demonstrate the existence of injury caused by dumped imports of PX-13 from the EU and likelihood of the same.
- v. As opposed to the contention of the petitioner, Recurrence of material injury is determined on the basis of the 'likelihood' of injury in the future if the existing AD duty ceases to exist and the same cannot be established on the basis of the dumping margins determined in the previous investigations.
- vi. The claim of the DI with respect to the increase in volume of imports is incorrect.
- vii. The evidence provided by the DI to show that the exporters have huge surplus production capacities does not specify whether the supply capacity is aimed at India.
- viii. As per the applicants, the exporters have huge surplus production capacities. However, the evidence provided in this regard does not specify whether the supply capacity is aimed at India.
- ix. The DI has also claimed that the imports from the subject countries are likely to undercut the prices of the DI however, it itself is admitting that the imports with respect to MOR, TDQ and MBTS are neither suppressing nor depressing the prices of the DI. The domestic selling price has increased in the POI as compared to the base year whereas the cost of sales has fallen in the same period. Also, landed value is has consistently increased.
- x. The import prices of the PUC are higher than the prices of the DI. Therefore, the claim of prices sensitivity of the PUC and the Indian market is not made out on account of there being no price injury in this investigation.
- xi. The information on the excess capacity of the exporting producers in the subject countries has been copied from last SSR which should not have been considered as it doesn't reflect new developments.
- xii. The analysis of the available capacity only takes the estimated domestic demand into account and ignores the export sales of the EU producers. The Authority should analyze spare capacity using a different and more precise methodology that integrates exported volumes.

- xiii. For price attractiveness of the Indian market, the analysis done by DI is insufficient and the prices on other markets should have been analyzed in order to assess how attractive the Indian market actually is.
- xiv. The Authority should also assess the export behaviour of EU exporting producers to other markets in order to make a meaningful analysis of their price behaviour in the absence of trade barriers.
- xv. EU import prices for PX-13 and TDQ have increased far more than domestic prices over the POI and also, were far above those of the massive imports originating in other countries in the POI.
- xvi. While determining material injury in a SSR investigation, the DA also evaluates post-POI trend which were not there in the post OH WS of DI which raises question on DI's claim of likelihood of recurrence of material injury.
- xvii. As per the Dry Cell Batteries case, the second SSR is to be treated as a 'special case' which implies that certain 'additional circumstances' also needs to be established along with those in the Indian AD Rules.
- xviii. The Gujarat HC judgment referred by the DI in Post OH WS is on a MTR and as per DGAD's practice, is different from SSR or any other investigations.
- xix. In these past findings, determination to the extend the ADD has been made after completing an analysis concerning material injury as well as recurrence of injury. However, in the present case, there is no injury in TDQ, MOR and MBTS and no evidence has been presented with respect to post POI import data, landed price and performance of DI.
- xx. DI has argued that the injury parameters pertaining to assessment of threat of material injury can also be applied while assessing likelihood of injury and the same is without any legal basis and self admission by DI.
- xxi. Data provided by responded in Post OH WS contains post POI data which established that there is no case for recurrence of injury. There is no price undercutting in Post POI with respect to PX-13, MOR and thus, no claim of recurrence of material injury is made out.
- xxii. No TDQ imports by ATMA members. The procurement of TDQ from the DI has increased thus, no claim for recurrence is made out.
- xxiii. In Dry Cell Batteries case, dumping margin was 15-20%. Price undercutting 25-35% without ADD, price underselling 15-25%, surplus capacity and injury margin 15-15% were found. Still the duty wasn't extended beyond ten years for want of it being a special case.
- xxiv. DI has not provided any evidence for surplus capacity of exporters and thus, this argument can't be accepted. Referred to Indian Spinners Association vs DA that mere existences of surplus capacity should not lead to a conclusion of foreseeable threat.
- xxv. DI has been able to increase its production, domestic sales in volume as well as value, the import price of PUC has decreased with significant increase in landed price and thus, no possibility of recurrence of material injury as per the judgment in Indian Graphite Manufacturers vs MOF
- xxvi. As per Rule 11 & 23, in addition to the requirement to make a prospective determination of likelihood of continuation or dumping of PX-13 causing injury, DA is also require to make an actual determination of existence of past injury to the DI that was caused by dumped imports of PX-13.
- xxvii. The arguments of DI that there is no obligation of determination of dumping and injury as per Article 2 & 3 of ADA for determination of likelihood or recurrence as per Article 11.3, that absence of current dumping doesn't constitute sufficient grounds for termination of ADD is contrary to a reading of Article 11.3 and established precedent of DSU of WTO.

Examination of the Authority

The Authority examined the likelihood of continuation or recurrence of injury considering the parameters relating to the threat of material injury in terms of Annexure II (vii) of the Rules. Clause (vii) of Annexure II to the rules provides for four factors which are required to be taken into consideration, viz.:

(a) a significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation

		2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
		Quantity MT			
PX 13	EU	1,925	1,575	1,342	1,356
TDQ	EU	10	51	473	244
MOR	China PR	334	421	533	519
MBTS	China PR	673	158	401	617

There has not been a sharp increase in volume from subject country in the case of PX-13 and MBTS. There has been increase in volume of imports from subject country in the case of TDQ and MOR compared to the base year.

(b) sufficient freely disposable, or an imminent, substantial increase in, capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian markets, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports

173. This parameter for ascertaining the threat of material injury requires evaluation of existing surplus capacities and capacity addition, if any, to explore the possibility of diversion of disposable quantity to Indian market. Domestic industry has claimed that the producers in subject countries are already faced with significant surplus capacities. Further, these producers are exporting the product to a large number of countries, a very significant proportion of which is being exported at a price below the prices in respect of India, thus showing likelihood of diversion of these exports to India in the event of withdrawal of Anti-Dumping duty. While none of the interested parties have provided any verifiable evidence and information with regard to existing surplus capacities, and consequent likelihood /possibility of increased dumped exports to Indian market, the domestic industry has furnished copies of a report of Notch Consulting which provides significant information regarding Rubber Chemical manufacturing in the subject countries viz. existing capacity, existing production, unutilized capacity and capacity expansion etc. The same has been taken on record. The summarised position is as follows :

	Capacity	Demand	Surplus
PX-13	1,33,000 MT	38,000 MT	95,000 MT
TDQ	34,500 MT	16,000 MT	18,500 MT
MBTS	1,55,800 MT	99,000 MT	56,800 MT
MOR	3,34,200 MT	1,95,000 MT	1,39,200 MT

174. The questionnaire response filed by Solutia, Europe in the POI for PX-13 (6PPD) shows decline in production in current POI as compared to previous year, increase in domestic sales, decline in exports to India & third countries, increase in closing stock, decline in average prices (which are faster in domestic market as compared to exports to India), switching pattern in export price to India and third countries (third countries prices were earlier higher and are now lower than India), significant unutilised capacity as per their own response/claim.

(c) whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports

175. At the current landed price in India, there is price undercutting during POI without anti dumping duty in case of each of the subject rubber chemicals whereas the same is positive with anti-dumping duty in case of MOR and MBTS. This issue has been noted earlier in the Disclosure statement.

(d) inventories of the article being investigated

176. The facts available on records do not contain any dependable evidence on inventories of the article being investigated.

Causal Link

177. Under Section 9A(5), the Authority is required to examine the likelihood of dumping and injury and the need for continuation of duties irrespective of whether there have been any imports of the product under consideration during the review investigation period or not. It was examined whether other parameters listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It is noted as follows::

a) Volume and value of imports not sold at dumping prices:

178. Statement of imports from various countries shows that the imports of PX-13, TDQ, MOR and MBTS from other countries are entering at below de minimis levels or at higher prices than the respective subject country's imports during the POI or are attracting antidumping duty. It cannot, therefore, be said that the imports from other countries have also caused injury to the domestic industry

b) Contraction in Demand and / or Change in Pattern of Consumption

179. The demand of PX-13 has increased over the injury period. The demand of TDQ and MBTS has remained significant. The pattern of consumption with regard to the each of the rubber chemicals except MOR has not undergone any change. Changes in the pattern of consumption could not have, therefore, contributed to the injury to the domestic industry. As regards MOR, The Authority notes that the demand for MOR has declined throughout the injury period. It has been submitted by the domestic industry that the decline in demand is due to the substitution of MOR by NS/TBBS. However, it is also pertinent to note that for thick cross section tyres, OTR, truck and tractors, the demand of MOR is still significant.

c) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

180. The Authority notes that there is no trade restrictive practice in PX-13, TDQ, MOR and MBTS which could have contributed to the injury to the domestic industry.

d) Developments in technology:

181. The Authority also notes that the technology for production of PX-13, TDQ, MOR and MBTS has not undergone any change. Developments in technology are, therefore, not a factor of injury.

e) Export performance:

182. Petitioners have exported PX-13, TDQ, MOR and MBTS. However, the claimed injury to the domestic industry is on account of domestic operations. Petitioners have provided costing and injury information for domestic sales separately. Hence, injury to domestic sales cannot be attributed to exports.

f) Performance of other products produced and sold by the domestic industry:

183. The claimed injury to the domestic industry is on account of PX-13, TDQ, MOR and MBTS which has been analyzed separately for each product.
184. The Authority concludes that the known other factors listed above do not appear to have caused the injury determined.

Factors Establishing Causal Link

185. The causal link analysis is as under:

- i. **PX-13** - Imports of PX-13 from EU were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As a direct consequence, the domestic industry has been prevented from increasing its prices in proportion to increase in cost of sales. Consequently, profit/loss, cash profits, return on investment declined significantly in the investigation period and inventories with the domestic industry increased.
- ii. **TDQ**: Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has improved as a result of imposition of anti dumping duty. However, significant volumes of imports from the subject country at dumped prices continue to enter the country. The Authority is of the view that material injury would not be caused to the domestic industry by dumped imports in case of cessation of anti dumping duty.
- iii. **MOR**: Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has improved as a result of imposition of anti dumping duty.

However, significant volumes of imports from the subject country at dumped prices continue to enter the country. The Authority is of the view that material injury would be caused to the domestic industry by dumped imports in case of cessation of anti dumping duty.

- iv. **MBTS:** Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has improved as a result of imposition of anti dumping duty. However, significant volumes of imports from the subject country at dumped prices continue to enter the country. The Authority is of the view that material injury would not be caused to the domestic industry by dumped imports in case of cessation of anti dumping duty.

J . Post disclosure Hearing

1. The Authority held a post disclosure hearing on 14th July, 2017 in view of the directions issued by the Hon'ble High Court of Gujarat at Ahmedabad in its order dated 28.06.2017, pursuant to Special Civil Application No. 12022 of 2017 filed by NOCIL Ltd. This was done to enable the interested parties to highlight the submissions made by them in respect to the disclosure statement and in the application filed in High Court. The following interested parties attended the post disclosure hearing.
 - (i) M/s TPM Consultants representing the domestic industry.
 - (ii) M/s Luthra & Luthra representation Automotive Tyre Manufacturers' Association.
 - (iii) M/s AZB Partners representing Solutia Europe SPRL/BVBA, Belgium
2. The representatives who presented their views orally at the time of post disclosure hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally.

Submissions by Automotive Tyre Manufactures' Association (ATMA)

3. The following additional submissions were made by opposing interested parties
 - i. The Domestic Industry's contention on the quantum of duties although part of the writ petition, amount to a submission on substantive question of law and fact, which the DI is not permitted to make once the Hon'ble DGAD has issued the disclosure statement, per the AD Rules.
 - ii. While recommending duty, lesser duty rule needs to be followed as per the AD Rules, and ADA as has been held by the Authority in Certain Glass Fibre from China PR along with other cases, European Commission in Expiry review of ADD on imports of AN from Russia.
 - iii. Injury in case of PX-13, is on account of imports from other countries as well.
 - iv. When the domestic industry has itself admitted, during post-disclosure oral hearing, that it has not suffered any injury in case of TDQ, MOR and MBTS, the Authority cannot come to a conclusion which states otherwise in disclosure statement. Such factual scenario needs to be taken into consideration while recommending final findings.
 - v. The Authority cannot accept the confidentiality claimed by the Domestic Industry on report of Notch Consulting as the same is available in public domain on payment of a nominal fee. The same is contrary to the Trade Notice No. 01 /2013, Rule 6(7) of the AD Rules, decision of Supreme Court in Kanwar Natwal Singh v. Director of Enforcement, CESTAT in Kumho Petrochemicals Co. Ltd. vs. Designated Authority.
 - vi. During the post-disclosure oral hearing, the domestic industry has orally informed they would internally deliberate whether to share the report with other interested parties and would inform the opposing parties about the same when the Authority orally observed that such report be made available to the interested parties. No communication has been received in this regard. Requested the Authority to either disclose the Notch Consulting Report or direct the domestic industry to share the report and adequate time must be given to the respondents to comment on the same.
 - vii. The existing anti-dumping duty cannot be extended if injury margin is negative and the same has been the practice of DGAD as it was in Sunset Review of Caustic Soda from Saudi Arabia, Iran, Japan, USA and France, Polypropylene from Singapore, White Cement from Iran and UAE.

- viii. Rise in injury margin is immaterial where dumping margin has declined. Since there is no injury being suffered by the domestic industry in relation to TDQ and MBTS, there does not appear a need to extend the anti-dumping duty on these products.
- ix. Further, with respect to PX-13 from EU, the dumping margin computed for cooperating exporters is less than injury margin and thus, the anti-dumping duty, if any should be recommended accordingly.
- x. The intervention of the High Court of Gujarat at the stage of disclosure is unwarranted as has been held in Designated Authority vs Sandisk International Ltd., Vikash Trading Co. vs Designated Authority, DGAD. Even in circumstances wherein final findings and custom notification have been issued, the statutory appeal against the same would lie before the CESTAT under Section 9C of the Act and not before the High Court.

Submissions by domestic industry

4. The domestic industry submitted as follows :

- i. The normal value in case of TDQ is required to be determined on the basis consumption price for the like article in the domestic market of the exporting country for which invoices of the export sales of domestic industry to Europe has been placed on record.
- ii. The same should be accepted over everything else as per the hierarchy in Section 9A(1) (c), DA vs Holder Toposoe and final findings in first Sunset Review case.
- iii. There is a possibility of some other expenses being incurred by these consumers in EU apart from that expenses added by the petitioner. This would however at the least increase the normal value and will not reduce the normal value.
- iv. Petitioner has provided sales invoices of Lanxess in the domestic market in EU and the same would show that the consumption prices and are quite comparable to the prices determined by the petitioner on the basis of its exports to EU.
- v. The Authority in the past has relied on trade journals for determination of normal value which merely shows prevailing prices in the domestic market. Thus, consumption price of the like article when meant for consumption in exporting country should form the basis for determination of normal value.
- vi. The same anti-dumping duty in case of PX-13 at the least should be extended considering the legal provisions.
- vii. The export price reported by the PX-13 exporter is unreliable to consider a need for reduction in anti-dumping duty as a result of decline in dumping margin as the same is significantly higher when compared to import price from China and Korea.
- viii. There is continued dumping and injury which shows that the current duty is not effective and thus, there is need for enhancement of duty in case of PX-13.
- ix. The volume of import has shifted between dumping sources – Korea, Europe and China, depending on relative quantum of anti-dumping duties. Imports of PX-13 have significantly increased after the investigation period with the reducing gap between Korea/China and Europe.
- x. Due to the duty in force, there is decline in exports to India and third countries, increase in inventories with Solutia when the capacity remained constant and the same can be diverted to India in case of cessation of duty.
- xi. The rate of decline in prices in domestic market as compared to export to India also shows that in the event of cessation of anti-dumping duty, the exporters would be able to fetch a better price in the Indian market as compared to their domestic sales.
- xii. During period of investigation, the exporter intentionally doctored their prices and reduced the export prices to third country and increased the export price to India in order to fabricate the result of SSR. Further, the disclosure statement establishes that the current prices to India are dumped. Therefore the exporters are also dumping the product to third country and the third country dumping margins are higher owing to the fact that the prices to third country are lower than export to India.

- xiii. The authority need not reduce the duty only for the reason that the dumping margin has declined as the same can only be changed by an interim review. The same has been the practice of US Authorities and European Commission as it was in Synthetic Fibre Ropes from India.

Examination by the Authority

5. The Authority notes that post-disclosure comments/submission made by the interested parties are mostly reiterations of earlier submissions, which have already been examined suitably and adequately and properly addressed in the disclosure statement or relevant paras of the present finding. The authority further considers as follows with regard to issues raised by the interested parties.
- i. As regards the determination of injury margin in case where there no injury to the domestic industry. The Authority notes that since there is no injury in the case of TDQ, and MBTS and in compliance with the Gujarat High Court order dated 28/6/2017, a substantive likelihood analysis was made based on various factors established throughout this Finding.
 - ii. As regards determination of normal value of TDQ based on evidence provided by the domestic industry, the Authority notes that the invoices of DI's exports to the exporting country is only 508 MT. It cannot be verified whether this constitutes substantial proportion of the total consumption of the product in the exporting country. Hence, the price may not be representative of the selling price of the product in the exporting country. Therefore, the Authority has constructed the Normal value.
 - iii. As regards disclosure of Notch Consulting report, the domestic industry claimed that report as confidential as it was a third party information and domestic industry is not authorized to disclose the same. The Authority accepted the confidentiality claims of the domestic industry. The Authority has however provided the summarised position and analysis based on such report in the relevant paragraphs.
 - iv. As regard the volume of import being shifted between dumping sources, the Authority has no corroborating evidence to establish the same.

L. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES:

186. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country/territory in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
187. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

M. CONCLUSIONS

188. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in this finding and on the basis of the above analysis of the state of continuation of dumping and consequent injury and likelihood of continuation/ recurrence/ intensification of dumping and injury, the Authority concludes that:
- i. PX-13: There is continued dumping of PX-13 from EU, causing injury to the domestic industry. Imports are undercutting and underselling the prices of the domestic industry. Cessation of antidumping duty is likely to lead to continuation and recurrence of dumping and injury to the domestic industry.
 - ii. TDQ: there is no continued dumping or injury to the domestic industry. Cessation of antidumping duty is not likely to lead to continuation and recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

- iii. MOR: There is continued dumping of PX-13 from EU. Imports are significantly undercutting and underselling the prices of the domestic industry. Cessation of antidumping duty is likely to lead to continuation and recurrence of dumping and injury to the domestic industry.
- iv. MBTS: there is no continued dumping or injury to the domestic industry. Cessation of antidumping duty is not likely to lead to continuation and recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

N. RECOMMENDATIONS

189. Accordingly, the Authority recommends that the revised and continuation of anti dumping duties be imposed from the date of issue of notification by the Central Government on all imports of Certain Rubber Chemicals, namely, PX-13 originating in or exported from the European Union and MOR originating in or exported from the Peoples Republic of China. The anti dumping duty shall be the amount mentioned in Column No. 9 of the following table.

Duty Table

S. N.	Heading/ Subheading	Description of goods	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	381210, 381220, 381230, 293420, 292520	Rubber Chemical PX 13	EU	EU	Solutia Europe SPRL/BVBA, Belgium	Solutia Europe SPRL/BVBA, Belgium	427.03	Per MT	US\$
2.	-do-	Rubber Chemical PX 13	EU	EU	Any other that the combination of producer & exporter at 1 above		897.01	Per MT	US\$
3.	-do-	Rubber Chemical PX 13	EU	Any other than EU	Any	Any	897.01	Per MT	US\$
4.	-do-	Rubber Chemical PX 13	Any other than EU	EU	Any	Any	897.01	Per MT	US\$
5.	-do-	Rubber Chemical MOR	China PR	China PR	Any	Any	213.82	Per MT	US\$
6.	-do-	Rubber Chemical MOR	China PR	Any other than China PR	Any	Any	213.82	Per MT	US\$
7.	-do-	Rubber Chemical MOR	Any other than China PR	China PR	Any	Any	213.82	Per MT	US\$

O. Further Procedures

An appeal against this notification, after its acceptance by the Central Government, shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975.

Dr.INDER JIT SINGH, Addl. Secy. & Designated Authority